www.deshbandhu.co.in खबरें लगातार ...

पत्र नहीं; मित्र

संपर्क : deshbandhubpl1@yahoo.co.in

देशबन्धु

वर्ष – 34 । अंक – 219 । भोपाल, मंगलवार 8 अगस्त 2023 । पृष्ठ–8 । मूल्य – 3.00 रुपए

ग्रामीणों को दी कानून की जानकारी पृष्ठ 2

- अविश्वास प्रस्ताव : इस हार में भी जीत है! पृष्ठ 4
- मधुमेह की चपेट में बच्चे

- 2 साल से नगर के स्कूलों में विद्यार्थियों को नहीं मिली गणवेश पृष्ठ 6

नीमच के किसान पंजाब को पीछे छोड़ेंगे पृष्ठ 8

सार-समाचार

राजस्थान को मिले 19 नए जिले, गहलोत ने किया उद्घाटन

जयपुर, एजेंसी। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने सोमवार को राजस्थान में 19 नए जिलों और तीन डिविजन का उद्घाटन किया। उद्घाटन समारोह नए जिला मुख्यालयों पर आयोजित किए गए और मुख्यमंत्री गहलोत बिड़ला ऑडिटोरियम से वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से समारोहों में शामिल हुए। नए जिलों के उद्घाटन से पहले सीएम गहलोत ने पूजा-अर्चना और हवन किया। राजस्व मंत्री रामलाल जाट भी वीसी के जरिए समारोह से जुड़े।

उद्धव के घर में निकला कोबरा, बचाया गया

मुंबई, एजेंसी। एक अधिकारी ने बताया कि शिवसेना (यूबीटी) अध्यक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे के बांद्रा पूर्व स्थित बंगले 'मातोश्री' से एक बेहद जहरीले और गुस्सैल कोबरा को बचाया गया। इसके बाद परिवार ने राहत की सांस ली। यह जानकारी सोमवार को एक अधिकारी ने दी। पास में रहने वाले वाइल्ड लाइफ एनिमल प्रोटेक्शन एंड रेस्क्यू एसोसिएशन के कार्यकर्ता अतुल कांबले को एक कॉल आई कि एक परिसर में सांप घूम रहा है।

एम्स भवन में लगी आग पर पाया गया काबू

नई दिल्ली, एजेंसी। अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) की एक इमारत की दूसरी मंजिल पर एंडोस्कोपी कक्ष में सोमवार को आग लग गई। अग्निशमन विभाग के एक अधिकारी ने बताया कि आग पर काबू पा लिया गया है और सभी लोग सुरक्षित हैं। अधिकारी ने बताया कि आग लगने के बाद सभी मरीजों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया। दिल्ली अग्निशमन सेवा के निदेशक अतुल गर्ग ने पहले कहा था, एम्स के आपातकालीन वार्ड से 11.54 बजे आग लगने की सूचना मिली। कुल 8 दमकल गाड़ियां घटनास्थल पर पहुंचीं।

लोकसभा में निजी डाटा संरक्षण विधेयक ध्वनिमत से पारित

नई दिल्ली, एजेंसी। लोकसभा ने मणिपुर मुद्दे पर विपक्षी दलों के हंगामें के बीच आम लोगों के डाटा को जरूरत के मुताबिक हासिल कर सुरक्षित व संरक्षित रूप से इस्तेमाल करने की इजाजत देने वाले 'डिजिटल व्यक्तिगत डाटा संरक्षण विधेयक 2023' को आज ध्वनिमत से पारित कर दिया। इलेक्ट्रोनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री अश्विनी वष्णव ने विधेयक पर हुई संक्षिप्त चर्चा का जवाब देते हुए कहा कि यह निजी डाटा की सुरक्षा वाला विधेयक है। इसके माध्यम से देश के 140 करोड़ लोगों के डाटा को सुरक्षित रखा जा सकेगा और उसका बिना इजाजत के जरूरत से ज्यादा कोई इस्तेमाल नहीं किया जा सकेगा।

रजनी पाटिल की सदस्यता बहाल

नई दिल्ली, एजेंसी। राष्ट्रपति के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा जवाब दिए जाने के दौरान विरोध कर रहे विपक्षी सदस्यों का कथित तौर पर वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर डालने के आरोप में निलंबित कांग्रेस की राज्यसभा सदस्य रजनी पाटिल का निलंबन सोमवार को समाप्त कर उनकी सदस्यता बहाल कर दिया गया। सुबह में सदन की कार्यवाही शुरू होने पर विधायी कार्य निपटाये जाने के दौरान ही सभापति जगदीप धनखड़ ने सरोज पांडे को विशेषाधिकार समित के 74वें प्रतिवेदन को सदन पटल पर रखने के लिए कहा।

विज्ञान व नवाचार से अर्थव्यस्था को मजबूती मिलेगी : सिंह

नई दिल्ली, एजेंसी। केंद्रीय विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी राज्यमंत्री डॉ.जितेंद्र सिंह ने सोमवार को लोकसभा में कहा कि राष्ट्रीय अनुसंधान फाउंडेशन विधेयक, 2023 को पारित करने के लिए रखते हुए कहा कि इससे अनुसंधान और विकास को बढ़ावा देने के साथ साथ विश्वविद्यालयों, कॉलेजों, अनुसंधान संस्थानों में अनुसंधान और नवाचार की संस्कृति को बढ़ावा देगा। डॉ. सिंह ने विधेयक पर संक्षिप्त चर्चा का जवाब देते हुए कहा कि पहले शोध के लिए जो धनराशि की जाती थी उसमें राज्यों को हिस्सा काफी कम रहता था क्योंकि धनराशि का वितरण स्पर्धा के आधार पर होता था लेकिन अब फाउंडेशन के गठन के बाद राज्यों को भी समुचित धनराशि मिल पाएगी।

लोकसभा सचिवालय ने जारी की इस आशय की अधिसूचना

राहुल गांधी की लोकसभा सदस्यता बहाल

- 137 दिन बाद संसद पहुंचे राहुल गांधी
- विपक्षी नेताओं ने किया जोरदार स्वागत
- 'मोदी सरनेम' पर मिली थी सुप्रीम राहत

नई दिल्ली, देशबन्धु। कांग्रेस नेता तथा केरल के वायनाड संसदीय क्षेत्र से पार्टी के सांसद राहुल गांधी की सदस्यता को लोकसभा सचिवालय ने बहाल कर दिया है। लोकसभा सचिवालय ने सोमवार को इस आशय की अधिसूचना जारी की। लोकसभा महासचिव उत्पल कुमार सिंह ने इस संबंध में अधिसूचना जारी करते हुए बताया कि 24 मार्च को श्री गांधी की सदस्यता रद्द की गई थी, लेकिन 04 अगस्त को उच्चतम न्यायालय के आदेश में वायनाड के सांसद की सदस्यता को बहाल किया गया है। राहुल गांधी सोमवार को संसद सदस्यता बहाल होने पर 137 दिन बाद संसद भवन पहुंचे। श्री गांधी को 'मोदी सरनेम' टिप्पणी पर मानहानि मामले में उच्चतम न्यायालय से शुक्रवार को राहत देते हुए कांग्रेस नेता की सजा पर रोक लगा दी थी। इससे पहले गुजरात उच्च न्यायालय ने उनकी सजा पर रोक लगाने से इनकार कर दिया था लेकिन उच्चतम न्यायालय से राहत मिलने के बाद उनकी सदस्यता बहाली का रास्ता साफ हुआ। न्यायालय के आदेश के बाद इस मुद्दे पर कांग्रेस कांग्रेस के तेवर तल्ख हो गए थे और पार्टी ने स्पष्ट किया था कि यदि सोमवार तक श्री गांधी की सदस्यता को लेकर फैसला नहीं लिया जाता है तो पार्टी मंगलवार को उच्चत्तम न्यायालय जाएगी।

अविश्वास प्रस्ताव पर कर सकते हैं चर्चा की शुरुआत

कांग्रेस द्वारा मंगलवार को लोकसभा में अविश्वास प्रस्ताव पर चर्चा शुरू करने की संभावना है, जिसमें राहुल गांधी मुख्य वक्ता हो सकते हैं। पार्टी सूत्रों ने कहा कि हालांकि अविश्वास प्रस्ताव कांग्रेस सांसद गौरव गोगोई द्वारा पेश किया गया है, एक बार स्वीकार कर लेने के बाद, यह तय करना पार्टी का काम है कि मुख्य वक्ता के रूप में चर्चा की शुरुआत कौन करेगा। कांग्रेस को लगता है कि अविश्वास प्रस्ताव पर मुख्य वक्ता के रूप में राहुल गांधी के साथ चर्चा शुरू करने से वांछित प्रभाव पड़ेगा और सरकार पर दबाव बनेगा।

संसद में फिर गूंजेगी असली मुद्दों की आवाज: प्रियंका

लोकसभा सचिवालय द्वारा सोमवार को कांग्रेस नेता राहुल गांधी की सदस्यता बहाल करने के कुछ घंटों बाद, कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा ने न्याय और सच्चाई के लिए अपने भाई की लड़ाई में देश के लोगों को धन्यवाद दिया और कहा कि अब संसद में गूंजेगी असली मुद्दों की आवाज।

भाजपा ने न्यूज वेबसाइट का मुद्दा उठाया

राहुल के संसद पहुंचते ही लोकसभा में भाजपा सांसद निशिकांत दुबे ने एक न्यूज वेबसाइट का मुद्दा उठाया। दुबे ने सदन में कहा, देश में पड़ोसी देश के पैसे से प्रधानमंत्री मोदी के खिलाफ माहौल बनाया गया। न्यूज वेबसाइट में पड़ोसी देश से पैसा आया। यह देश विरोधी है। उधर केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर ने एक प्रेस कांफ्रेंस में आरोप लगाए कि, 'कांग्रेस, चीन और विवादित न्यूज वेबसाइट न्यूज क्लिक एक ही गर्भनाल से जुड़े हैं। राहुल गांधी की नकली मोहब्बत की दुकान में पड़ोसी सामान साफ देखा जा सकता है। चीन के प्रति उनका प्रेम नजर आ रहा है। वे भारत विरोधी अभियान चला रहे।'

'इंडिया' के नेताओं ने किया जोरदार स्वागत

नई दिल्ली। कांग्रेस नेता राहुल गांधी का सोमवार को संसद भवन पहुंचने पर विपक्षी दलों के नेताओं ने जोरदार स्वागत किया। श्री गांधी सोमवार को दोपहर 12 बजे से कुछ पहले संसद भवन पहुंचे तो वहां पहले से मौजूद इंडियन नेशनल डेवलपमेंटल इन्क्लूसिव एलायंस (इंडिया) के नेता अधीर रंजन चौधरी, पी चिदंबरम, राम गोपाल यादव, संजय राउत, तिरुचि शिवा, प्रमोद तिवारी और अन्य नेताओं ने उनका स्वागत किया। ये नेता राहुल गांधी जिंदाबाद और इंडिया इंडिया के नारे लगा रहे थे। कांग्रेस नेताओं ने एक-दूसरे को लड्डू भी खिलाए। श्री गांधी के साथ ही उनकी मां एवं कांग्रेस की पूर्व अध्यक्ष सोनिया गांधी भी थी। श्री गांधी अपने वाहन से वहां उतरने के बाद संसद भवन परिसर स्थित राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की प्रतिमा के पास गये और उनको नमन किया।

रामशंकर कठेरिया को राहत, अदालत ने लगाई सजा पर रोक

आगरा एजेंसी। उत्तर प्रदेश में आगरा की जिला अदालत ने भारतीय जनता पार्टी सांसद और पूर्व केन्द्रीय मंत्री रामशंकर कठेरिया की दो दिन पूर्व विशेष अदालत द्वारा सुनायी गयी सजा को सोमवार को निलंबित कर दिया है और उन्हे 20 हजार रुपए की जमानत राशि पर दाखिल करने के आदेश देते हुये सुनवाई की अगली तारीख 11 सितंबर मुकर्रर की है । जिला न्यायाधीश विवेक संगल ने इटावा के सांसद रामशंकर कठेरिया को राहत दे दी है। सांसद रामशंकर कठेरिया को जिले की विशेष एमपी एमएलए अदालत के न्यायाधीश अर्जुन ने वर्ष 2011 के बलवा और तोड़फोड़ के मामले में पांच अगस्त को दो साल की सजा और 51 हजार का जुर्माना लगाया था। वर्तमान में वह इटावा के सांसद हैं। विशेष अदालत के फैसले के खिलाफ कठेरिया ने जिला जज कोर्ट में अपील दायर की।

मणिपुर हिंसा : सुप्रीम कोर्ट ने 3 महिला जजों की कमेटी बनाई

जांच की निगरानी करेगी कमेटी

नई दिल्ली, एजेंसी। सुप्रीम कोर्ट ने मणिपुर हिंसा के मामलों की जांच की निगरानी के लिए सोमवार को विभिन्न उच्च न्यायालयों के सेवानिवृत्त न्यायाधीशों की एक कमेटी का गठन किया। मुख्य न्यायाधीश डी वाई चंद्रचूड़ और न्यायमूर्ति जे बी पारदीवाला और न्यायमूर्ति मनोज मिश्रा की पीठ ने केंद्र की ओर से आर वेंकटरमणि और मणिपुर सरकार की ओर से पेश सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता और अन्य वकीलों की दलीलें सुनने के बाद यह आदेश पारित किया। पीठ ने हिंसाग्रस्त मणिपुर में राहत, पुनर्वास, घरों और पूजा स्थलों के पुनर्निर्माण के उपायों सहित मानवीय प्रकृति के विभिन्न पहलुओं पर विचार करने के लिए उच्च न्यायालय के सेवानिवृत्त न्यायाधीशों न्यायमूर्ति गीता मित्तल, न्यायमूर्ति शालिनी पी जोशी और न्यायमूर्ति आशा मेनन की एक टीम का गठन करने का फैसला लिया है। न्यायमूर्ति मित्तल जम्मू-कश्मीर उच्च न्यायालय की पूर्व मुख्य न्यायाधीश हैं जबकि न्यायमूर्ति जोशी बॉम्बे उच्च न्यायालय के पूर्व न्यायाधीश और न्यायमूर्ति मेनन दिल्ली उच्च न्यायालय के पूर्व न्यायाधीश। शीर्ष अदालत ने महाराष्ट्र के पूर्व पुलिस महानिदेशक दत्तात्रेय पडसलगीकर को पुलिस जांच की निगरानी के लिए नियुक्त करने का भी समर्थन किया।

42 एसआईटी हिंसा के मामलों की जांच करेंगी

सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि मणिपुर में हिंसा से जुड़े मामलों में 42 स्पेशल इंवेस्टीगेशन टीम जांच करेंगी। इन केसों को अभी तक सीबीआई को ट्रांसफर नहीं किया गया है। इन एसआईटी के काम को डीआईजी रैंक का अफसर निगरानी करेगा। ये अफसर मणिपुर के बाहर के होंगे। डीआईजी रैंक का एक अफसर 6 एसआईटी की निगरानी करेगा। इन एसआईटी की जिले के आधार पर नियुक्ति होगी।

सुरक्षाबलों ने घुसपैठ की कोशिश नाकाम की

2 आतंकी किए ढेर

जम्मू, देशबन्धु। भारतीय सेना ने आज तड़के एलओसी से सटे पुंछ के डिग्वार सेक्टर में दो घुसपैठियों को ढेर कर दिया। कल भी कुपवाड़ा में घुसपैठ का एक प्रयास नाकाम बनाते हुए एक घुसपैठिए को मार डाला गया था और बाकी वापस भागने में कामयाब हो गए थे। घुसपैठ के तेज होते प्रयासों के प्रति सेना का कहना था कि इन आतंकियों को स्वतंत्रता दिवस पर कहर बरपाने का टास्क देकर इस ओर धकेला जा रहा है। सेना प्रवक्ता ले कर्नल सुनील बरतवान ने बताया कि पुंछ के डिग्वार तेरवान सेक्टर में रात दो बजे के करीब एलओसी को पार करने की कोशिश को नाकाम बनाया गया है। उन्होंने बताया कि एक आतंकी का शव इस ओर पड़ा हुआ है और दूसरे को वापस भागते हुए ठोक डाला गया, जिसका शव तारबंदी के पार है। मौके पर आज सुबह जब तलाशी अभियान छेड़ा गया तो भारी गोला बारूद भी बरामद किया गया है। ऐसा ही असलाह कल भी कुपवाड़ा के टंगधार सेक्टर के अमरोही इलाके में बरामद किया गया था जब सेना ने घुसपैठियों के एक दल को वापस धकेलते हुए एक को मार डाला था। बाकी भागने में कामयाब हो गए थे। हालांकि सूत्र कहते हैं कि हो सकता है कि कुछेक घुसने में कामयाब हो चुके हैं। पर सेना ने इसकी पुष्टि नहीं की है। सेना का कहना था कि पिछले कुछ दिनों से घुसपैठ के प्रयासों में तेजी आई है। और इसके पीछे का मकसद कश्मीर की शांति को भंग करना है। सेना प्रवक्ता कहते थे कि पाकिस्तान को कश्मीर की शांति रास नहीं आ रही है इसलिए वह आतंकियों पर इस स्वतंत्रता दिवस पर कुछ बड़ा करने का लगातार दबाव बना रहा है जिसके लिए वह अपने यहां रूके पड़े आतंकियों को ज्यादा से ज्यादा संख्या में धकेलने की कोशिश कर रहा है।

शिवराज सरकार की विकास योजनाओं से आया बदलाव

मप्र में 1 करोड़ 36 लाख लोगों को गरीबी से मुक्ति मिली

भोपाल, देशबन्धु। मध्यप्रदेश में शिवराज सरकार की विकास योजनाओं से 2015-16 से 2019-21 के बीच 1 करोड़ 36 लाख लोगों को गरीबी से मुक्ति मिली हैं। प्रदेश में गरीबी की तीव्रता 47.25 से घटकर 43.70 प्रतिशत हो गई है। देश से गरीबी का बोझ कम करने में मध्य प्रदेश ने 10 प्रतिशत का उल्लेखनीय योगदान दिया है। नीति आयोग की ताजा रिपोर्ट के अनुसार मध्य प्रदेश में पाँच वर्षों की अवधि में गरीबों की संख्या में 15.94 प्रतिशत की गिरावट आई है। वर्ष 2015-16 में 36.57 प्रतिशत से घटकर यह 2019-21 में 20.63 रह गई है। सभी राज्यों में मध्यप्रदेश में सबसे तेजी से कमी देखी गई है।

गरीबों की संख्या में कमी के मामले में सबसे उल्लेखनीय सुधार अलीराजपुर, बड़वानी,खंडवा, बालाघाट, और टीकमगढ़ में हुआ है। बहुआयामी गरीबी सूचकांक-2023 पर नीति आयोग की दूसरी रिपोर्ट में यह तथ्य सामने आया है। गरीबी का आकलन करने के वर्तमान मापदंडों के अनुसार गरीबी को केवल पैसे की कमी से नही आँका जाता। स्वास्थ्य, पोषण, साफ पानी, बिजली, जीवन की गुणवत्ता, स्कूली शिक्षा, स्वच्छ्ता, शिशु मृत्यु, मातृत्व मृत्यु, आवास, बैंक खाता, परिसम्पत्तियां, भोजन के लिए ईंधन आदि से वंचित रहने को भी गरीबी का कारण माना जाता है।

मध्यप्रदेश में 1.36 करोड़ लोगों का गरीबी रेखा ऊपर आने का मतलब है स्वास्थ्य, पोषण, साफ पानी, बिजली, जीवन की गुणवत्ता, स्कूली शिक्षा, स्वच्छ्ता एवं अन्य मापदण्डों की स्थिति में ज़बरदस्त सुधार हुआ है।यह संख्या सिंगापुर और लीबिया जैसे देशों की कुल आबादी के दोगुने से भी ज़्यादा है। अखिल भारतीय राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण-4-(2015-16)में अलीराजपुर में गरीबों की संख्या 71.31 प्रतिशत थी जो एनएचएचएस-5 (2019-21)में घटकर 40.25 प्रतिशत रह ■ शेष पृष्ठ 8 पर

हर क्षेत्र में विकास से गरीबी में आई कमी

प्रदेश में हर क्षेत्र में हुए विकास से गरीबी में कमी आई है। स्वच्छता से वंचित लोगों में 19.81 प्रतिशत की कमी हुई है। खाना पकाने के ईंधन से वंचित लोगों के अभाव में 16.28 प्रतिशत की कमी, आवास से वंचित रहने वालों की संख्या में 15.12प्रतिशत, पोषण अभाव में रहने वालों की संख्या में 13.6प्रतिशत की कमी आई है। मातृ स्वास्थ्य सेवाओं से वंचित लोगों की संख्या में 9.54प्रतिशत की कमी, पेयजल अभाव में 8.84प्रतिशत की कमी और आई है। स्कूली शिक्षा के अभाव के वर्षों में 6.06 की कमी देखी गई है। बैंक खाते जैसी वित्तीय सुविधा से वंचित लोगों में 5.98प्रतिशत की कमी आई है। संपत्ति के अभाव में 5.68प्रतिशत की गिरावट आई है। भरपूर बिजली मिलने से बिजली की कमी नहीं रही । इसलिए बिजली की सुविधा से वंचित रहने वालों की संख्या में 5.6प्रतिशत ■ शेष पृष्ठ 8 पर

पंजाब एवं हरियाणा हाई कोर्ट ने दिया आदेश

नूंह में बुलडोजर की कार्रवाई पर रोक लगाई

चंडीगढ़, एजेंसी। पंजाब और हरियाणा हाई कोर्ट ने सोमवार को हरियाणा सरकार को नूंह जिले में चल रहे विध्वंस अभियान को रोकने का आदेश दिया। यहां पिछले सप्ताह सांप्रदायिक हिंसा हुई थी जिसमें छह लोगों की मौत हो गई थी।

न्यायमूर्ति जी.एस. संधावालिया की अध्यक्षता वाले उच्च न्यायालय ने मामले का स्वतः संज्ञान लिया और राज्य सरकार से अगले आदेश तक बुलडोजर कार्रवाई रोकने को कहा। इस मामले पर बाद में सुनवाई की जाएगी। पिछले पांच दिनों में, स्थानीय प्रशासन ने घरों, दुकानों और अन्य संरचनाओं सहित 750 से अधिक इमारतों को ध्वस्त कर दिया है। अधिकारियों ने दावा किया कि ध्वस्त संरचनाएं सरकारी जमीन पर बनाई गई थीं और सांप्रदायिक झड़पों के दौरान संदिग्धों द्वारा इसका इस्तेमाल किया गया था। मामले में पीड़ितों की ओर से पेश वकील मोहम्मद अरशद ने आरोप लगाया कि कब्जाधारियों को बिना किसी पूर्व सूचना दिए 3 अगस्त से नूंह में विध्वंस अभियान जारी है।

अफगान जेलों में अमेरिकियों सहित अनेक विदेशी बंद

काबुल, एजेंसी। अफगानिस्तान की जेलों में अमेरिकियों सहित कई विदेशी नागरिकों को रखा गया है। एक स्थानीय मीडिया रिपोर्ट में सोमवार को एक तालिबान अधिकारी का हवाला देते हुए यह जानकारी दी गई है। समाचार एजेंसी शिन्हुआ ने टोलो न्यूज की रिपोर्ट का हवाला देते हुए कहा, अफगानिस्तान में कैद विदेशियों की सटीक संख्या का खुलासा किए बिना, तालिबान शासन के मुख्य प्रवक्ता जबीहुल्ला मुजाहिद ने कहा, उन्हें सुरक्षा और हमारे कानूनों के उल्लंघन जैसे अन्य मुद्दों के संबंध में हिरासत में लिया गया है। टोलो न्यूज ने मुजाहिद के हवाले से कहा कि अगर निर्दोष साबित हुए तो हिरासत में लिए गए लोगों को रिहा कर दिया जाएगा और जो निर्दोष नहीं हैं, उनके लिए भी समाधान निकाला जाएगा। न तो मुजाहिद और न ही टोलो न्यूज़ ने अधिक विवरण प्रदान किया।

यह खुलासा अगस्त 2021 में काबुल के पतन के बाद पहली बार अमेरिका और तालिबान के बीच दोहा में बातचीत के एक हफ्ते बाद हुआ। 30-31 जुलाई को कतर की राजधानी में हुई वार्ता के दौरान, वाशिंगटन ने शासन पर अफगानिस्तान में मानवाधिकार की बिगड़ती स्थिति के लिए जिम्मेदार नीतियों को उलटने के साथ-साथ हिरासत में लिए गए अमेरिकी नागरिकों की रिहाई के लिए दबाव डाला। अपनी ओर से, तालिबान ने कहा कि वे अफगानिस्तान की संपत्ति को जब्त करना चाहते हैं, साथ ही प्रतिबंधों और यात्रा प्रतिबंधों को हटाना चाहते हैं।

कर्नाटक उच्च न्यायालय ने तलाक के मामले की टिप्पणी

किसी के काले रंग को लेकर टिप्पणी क्रूरता के समान

बेंगलुरु, एजेंसी। तलाक के एक मामले की सुनवाई करते हुए कर्नाटक उच्च न्यायालय ने अपने हालिया फैसले में कहा है कि काले रंग को लेकर नस्लीय टिप्पणी क्रूरता के बराबर है। पति ने फैमिली कोर्ट द्वारा तलाक न दिए जाने के फैसले पर सवाल उठाते हुए कोर्ट में अपील याचिका दायर की थी। सब-डिवीजन बेंच ने कहा कि पत्नी ने लगातार पति को उसके काले रंग के लिए अपमानित किया और उसे काली त्वचा वाला व्यक्ति कहकर परेशान किया। पीठ ने कहा कि इस तथ्य को छिपाने के लिए पत्नी ने उस पर अवैध संबंध का आरोप लगाया था। पीठ ने निचली अदालत के फैसले को रद्द करने का आदेश देते हुए रेखांकित किया कि इसे निस्संदेह क्रूरूरता माना जाता है। अदालत ने शादी भी रद्द कर दी और पति को तलाक दे दिया। इस जोड़े ने 2007 में शादी की थी, लेकिन पति ने 2012 में तलाक के लिए फैमिली कोर्ट का दरवाजा खटखटाया था जिसने 13 जनवरी 2017 को पति की याचिका रद्द कर दी थी। याचिकाकर्ता ने दावा

किया कि शादी के बाद उसकी पत्नी हमेशा उसे काला आदमी कहकर ताने मारती थी और अपमानित करती थी। उसने अपनी बेटी की खातिर किसी तरह अपमान सह लिया। उसने यह भी दावा किया था कि उसकी पत्नी ने 2011 में उनकी वृद्ध मां और परिवार के सदस्यों के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई थी। इस मामले में उसे यातनाएं भी झेलनी पड़ीं और उसने 10 दिन थाने और कोर्ट में बिताए थे। पति ने गुहार लगाई थी कि अदालत तलाक मंजूर करे। उसने दावा किया, पत्नी अपने मायके चली गई और फिर कभी वापस नहीं लौटी। उसने मेरे नियोक्ता से भी शिकायत की थी।

मुझे बहुत कष्ट सहना पड़ा और मैं अवसाद में भी था। पत्नी ने याचिका रद्द करने की गुहार लगाई और दावा किया कि उसके पति का अफेयर था और इस अफेयर से उसका एक बच्चा भी है। उसने यह भी आरोप लगाया कि उसके पति कठोर शब्दों का इस्तेमाल करते थे और उसे बाहर जाने और देर से घर आने नहीं देते थे। पत्नी ने अपने पति और उसके परिवार के सदस्यों के खिलाफ आपराधिक शिकायत भी दर्ज कराई थी। हालांकि, कोर्ट ने कहा कि पत्नी ने याचिकाकर्ता पर बेबुनियाद आरोप लगाए हैं। पीठ ने यह भी कहा कि पत्नी का यह दावा कि वह अपने पति के बिना वर्षों तक रहते हुए भी उसके साथ सौहार्दपूर्ण ढंग से रहने को तैयार है और शिकायत वापस नहीं लेने से पता चलता है कि उसे अपने पति के साथ रहने में कोई दिलचस्पी नहीं है। इसके बाद कोर्ट ने क्रूरता के आधार पर पति को तलाक दे दिया।

सार समाचार

आदिवासियों के साथ कांग्रेसजनों ने किया भोजन

गुना, देशबन्धु। ब्लॉक गुना ग्रामीण एंव जिला कांग्रेस के नेतृत्व में बरखेड़ा गिर्द के मंडल में ग्राम बेहटाझिर में विश्व आदिवासी दिवस मनाया गया। इस अवसर पर कांग्रसेजनों ने आदिवासियों भाइयों के साथ भोजन किया। तत्पश्चात उनका स्वागत में फूल माला से किया। इस अवसर पर जिला संगठन मंत्री विश्वनाथ तिवारी, किसान कांग्रेस के जिलाध्यक्ष वीरेंद्र सिंह सिसोदिया, गुना ग्रामीण के ब्लॉक अध्यक्ष मनीष रघुवंशी, मंडल अध्यक्ष बृजेश भार्गव, गुना ब्लॉक अध्यक्ष गोपाल शर्मा, प्रकाश धाकड़, रामस्वरूप दादा, धर्मेंद्र यादव, विक्की गेहूंखेड़ा, जीतू यादव सहित बड़ी संख्या में कांग्रेसजन एवं आदिवासी युवा उपस्थित थे।

मिशन इंद्रधनुष अभियान के शुभारंभ पर लगे टीके

गुना, देशबन्धु। नियमित टीकाकरण कार्यक्रम सुदृढ़ीकरण एवं टीकाकरण से छूटे हुए 5 वर्ष तक के बच्चों एवं गर्भवती महिलाओं को टीकाकृत किये जाने हेतु संघन मिशन इन्द्र धनुष अभियान 5.0 प्रदेश के समस्त जिलो में आयोजित किया जा रहा है। इसी के अंतर्गत सोमवार को शहरी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र बूढ़े बालाजी पर अभियान का शुभारंभ किया गया। जिसमें टीकाकरण से छूटे हुए 0 से 5 वर्ष तक के बच्चों एवं गर्भवती महिलाओं का टीकाकरण किया गया साथ ही यूविन पोर्टल के माध्यम से सर्टिफिकेट हितग्राहियों को प्रदान किए गए। इस मौके पर विधायक गोपीलाल जाटव, भाजपा नेता विकास जैन, लालाराम लोधा, पूर्व सीएमएचओ डॉ रामवीर सिंह रघुवंशी, जिला स्वास्थ अधिकारी डॉ आरआर माथुर, जिला टीकाकरण अधिकारी डॉ सुदर्शन कुशवाह, एसएमओ डबल्यूएचओ डॉ अर्पित दाते, यूनिसेफ जिला समन्वयक विकास भार्गव मुख्य रूप से उपस्थित रहे। डॉ कुशवाह ने बताया कि अभियान के अंर्तगत युविन पोर्टल के माध्यम से जिले का पहला टीका सामुदायिक स्वास्थ केंद्र म्याना के ग्राम गणेशपुरा में पर्व कुशवाह को एएन एम गीता कुशवाह द्वारा टीका लगाया गया। बता दे की युविन पोर्टल कोवीड 19 वेक्सिनेशन के तर्ज पर देश में पहली बार मिशन इंद्र धनुष 5 के तहत छूटे हुए 5 वर्ष तक के बच्चों एवं गर्भवती महिलाओं के लिए यह अभियान तीन चरणों में चलाया जा रहा है।

कंस भी कहता था मेरी लाड़ली बहना और भनेजों को पत्थरों पर पटक-पटककर मारा था

गुस्साए प्रेरक पहुंचे कलेक्ट्रेट, दी चेतावनी, बोले हमें भी समायोजित करो

गुना, देशबन्धु। चुनावी वर्ष में हर कोई कर्मचारी संगठनी अपनी मांगों को आक्रामक अंदाज में सरकार के समक्ष उठा रहा है। अब लंबे समय से निष्कासित पड़े प्रेरक शिक्षकों ने अपने आपको कहीं समायोजित करने की मांग की है, ताकि उनका परिवार का भरण पोषण हो सके। दरअसल संविदा प्रेरकों की राज्य सरकार के अधीनस्थ संचालिक साक्षर भारत मिशन वर्ष 2012-13 से वर्ष मार्च 2018 तक संविदा प्रेरक के तहत काम किया था। फिर बिना कोई सूचना के 31 मार्च 2018 को उन्हें पद से पृथक कर दिया। तभी से संविदा प्रेरक कई बार सरकार को ज्ञापन सौंपकर पुन: बहाली या कहीं और एडजस्ट करने की मांग कर रहे हैं। सोमवार को कलेक्ट्रेट पहुंचे संविदा प्रेरक सरकार पर जमकर गरजे। इस दौरान सरकार से संविदा प्रेरकों की महापंचायत बुलाने की मांग की। संविदा प्रेरकों ने सीधी चेतावनी देते हुए कहा कि यदि उन्हें समायोजित नहीं किया गया तो इसका सबक वह विधानसभा चुनावों में देंगे। प्रदेश की 80 सीटों को वह सीधे प्रभावित करते हैं। यदि सरकार ने संविदा प्रेरकों की नहीं सुनी तो वह इस चुनाव में सरकार को उखाड़ फेंकने का दम रखते हैं। इस मौके संघ के जिलाध्यक्ष मनोज सिंह रघुवंशी ने बताया कि जिले में संविदा प्रेरक अपने काम को निभाते आ रहे हैं। लेकिन सरकार ने अब तक उनकी समस्याओं की ओर कोई ध्यान नहीं दिया है। वे समय-समय पर सरकार को आंदोलन को ज्ञापन देकर अपनी परेशानियों से अवगत कराते आए हैं। इसके बाद भी अब तक सरकार ने उनके पद और वेतन में कोई बदलाव नहीं किया है। न ही ड्यूटी से हटाएं गए प्रेरकों को बहाल किया। बकौल संविदा प्रेरकों के अनुसार शिवराज मामा लाड़ली बहना जैसी कोई योजनाएं निकालते हैं। लेकिन अपनी भानेजों का ध्यान नहीं रखते हैं। रावण भी कहता था मेरी लाड़ली बहना और भनेजों को पत्थरों पर पटक-पटककर मारा था कुछ ऐसा ही हमारे साथ अन्याय हो रहा है।

श्री रघुवंशी के अनुसार प्रेरक शिक्षक निरंतर 2018 से सेवा बहाली की मांग करते आ रहे हैं जो सरकार ने आज तक नहीं सुनी है। संविदा प्रेरक गत मार्च 2018 से निष्कासन का दंश झेल रहे हैं। उन्हें एक तो वैसे ही अल्प मानदेय मिलता था, अब उन्हें निष्कासित कर दिया गया है।

मणिपुर हिंसा और समान नागरिक संहिता के खिलाफ आदिवासी एकता परिषद ने सौंपा ज्ञापन

नारेबाजी करते हुए रैली निकाली

गुना, देशबन्धु। मणिपुर में महिलाओं पर अत्याचार और समान नागरिक संहिता लाये जाने के विरोध में राष्ट्रीय आदिवासी एकता परिषद ने सोमवार को भारत बंद के तहत रैली निकालकर ज्ञापन सौंपा। हालांकि भारत बंद का असर गुना में न के बराबर रहा। इस दौरान परिषद द्वारा शहर के प्रमुख मार्गों से नारेबाजी करते हुए रैली निकाली। यह रैली कलेक्टोरेट पहुंची। यहां दो दर्जन से अधिक मांगों को लेकर राष्ट्रपति के नाम जिला प्रशासन को ज्ञापन सौंपा। परिषद के ब्रजेश सिसौदिया ने बताया कि मणिपुर में आदिवासियों पर बड़े पैमाने पर अन्याय व अत्याचार किया जा रहा है। उनकी बस्तियों में आग लगाई जा रही है। जिसकी वजह से मणिपुर में बड़े पैमाने पर आदिवासी पलायन के लिए मजबूर हो गए हैं। वहीं विकास, पर्यावरण एवं वन्य प्राणियों के संरक्षण के नाम पर आदिवासियों को जल जंगल और जमीन से विस्थापित कर एवं उनका रोजी-रोजगार छीनने का षड्यंत्र किया जा रहा है। समान नागरिक संहिता लागू कर आदिवासियों को मिली अलग पहचान को खत्म करने की साजिश रची जा रही है। इससे आदिवासियों का कस्टमरी लॉ, संविधानिक पहचान व अधिकार खत्म होने का खतरा पैदा हो जाएगा। ज्ञापन में कहा गया कि भारत के विभिन्न राज्यों में निवास करने वाले आदिवासियों की संस्कृति और पहचान समाप्त करने का प्रयास किया जा रहा है। परिषद के अनुसार आदिवासी महापुरुषों ने जल, जंगल और जमीन के साथ-साथ अपनी संस्कृति को सुरक्षित करने के लिए अपनी जान की बाजी लगाई थी।

आजादी के बाद 1950 में मिले अधिकारों के बावजूद विकास के नाम पर पर्यावरण संरक्षण के नाम पर तथा वन्य प्राणियों के संरक्षण के नाम पर आदिवासियों को विस्थापित किया गया और उनका पुनर्वास करने का कोई प्रयास नहीं हुआ। इसी बात को लेकर देशभर के लाखों जनजातियों के सामाजिक संगठनों में रोष व्याप्त है तथा उन्हें आंदोलन का रास्ता अपनाने पर मजबूर होना पड़ रहा है।

सीवर लाईन के लिए खोदी गई सड़कों में आए दिन फंस रहे वाहन

गुना, देशबन्धु। आधी से ज्यादा बारिश गुजरने को है लेकिन शहर में सीवर लाईन के लिए खोदी गई सडक़ों की मरम्मत नहीं हो सकी। अब नगरपालिका सहित जिला प्रशासन ने भी शहर की बहदाल सडक़ों की सुध लेना छोड़ दिया है। लेकिन इसमें सबसे अधिक फजीहत आम लोगों को रही है। जो आएं दिन इन खुदी खस्ताहाल सडक़ों में दुर्घटनाग्रस्त हो रहे हैं। वहीं छोटे-बड़े वाहन भी आए दिन इन सडक़ों में धंस रहे हैं।

सोमवार को शहर के नानाखेड़ी क्षेत्र के वार्ड क्रमांक 1 आवास कॉलोनी में सीवर लाइन के गड्ढे में ईट से भरी एक ट्रेक्टर-ट्राली फंसी गई। इस दौरान ट्रॉली का पहिया लगभग पूरा जमीन में धंस गया। हालांकि बड़ी दुर्घटना होने से बच गई।

उल्लेखनीय है कि शहरभर में सीवर लाईन के नाम पर गर्मियों से अंधाधुंध खुदाई जारी है। अब बारिश में हालात बद से बदतर हो गए हैं। जहां जगह-जगह कीचड़ से शहर तरबतर हो चुका है।

वहीं सीवर लाईन के लिए खोदी गई सडक़ों पर गढ्डे भरने के नाम पर हुई नपा की खानापूर्ति अब जानलेवा साबित हो रही है। बारिश के चलते यहां गढ्डे धंस गए हैं। आए दिन ट्रेक्टर-ट्रॉली सहित छोटे-मोटे वाहन इन गढ्डों में फंस रहे हैं। पूर्व में मामला गर्म हुआ तो कलेक्टर द्वारा तत्कालीन एसडीएम वीरेन्द्र सिंह बघेल को निरीक्षण करने भेजा था। लेकिन अब कलेक्टर से लेकर एसडीएम के तबादले के बाद नए प्रशासनिक अमले से इस ओर कार्रवाई करने की उम्मीद है।

पुलिस के रवैया से नाराज करणी सेना और राजपूत समाज उतारा सड़कों पर

गुना, देशबन्धु। जामनेर थानांतर्गत ग्राम खेजड़ा निवासी एक व्यक्ति की चार माह पूर्व हत्या के मामले में आज भी आरोपी खुलेआम घूम रहे हैं। पुलिस के ढुलमुल रवैया से नाराज परिजन, करणी सेना और क्षत्रिय राजपूत समाज सोमवार को सडक़ों पर उतर आया। इस दौरान समाज ने एक जुलूस निकालकर कलेक्टोरेट पहुंचकर आरोपियों की गिरफ्तारी और सख्त कार्रवाई की मांग को लेकर ज्ञापन सौंपा। इस दौरान समाजबंधुओं ने कलेक्टोरेट परिसर के बाहर जमकर नारेबाजी की। दरअसल राजपूत समाज के जितेन्द्र सिंह सिसौदिया निवासी खेजड़ा के पिता स्व. प्रहलाद सिंह सिसौदिया का विगत 5 अप्रैल को आरोपी दिलीप मीना, गोपाल मीना, रामसेवक मीना आदि ने कुल्हाड़ी मार कर हत्या कर दी थी। जिस पर जामनेर में धारा 302, 34 भादिव के तहत प्रकरण दर्ज हुआ था। इस मामले में आज दिनांक तक आरोपीगणों को पुलिस ने गिरफ्तार नहीं किया है। आरोपी खुलेआम घूम रहे हैं और पीड़ित परिवार को जान से मारने की धमकी दे रहे हैं। वहीं पुलिस द्वारा एक्सीडेंट का केस बताकर 304 ए में उक्त प्रकरण को परिवर्तित कर आरोपियों को बचाने का प्रयास कर रही है। सोमवार को कलेक्टोरेट पहुंचे समाजबंधुओं ने मामले की जांच सीआईडी से कराकर आरोपियों पर सख्त कार्रवाई की मांग की।

निवर्तमान कलेक्टर का किया सम्मान

गुना, देशबन्धु। मप्र आंचलिक पत्रकार संघ एवं मप्र श्रमजीवी पत्रकार संघ द्वारा निवर्तमान कलेक्टर फ्रेंक नोबल ए को विदाई देकर सम्मान किया गया। इस मौके पर श्री नोबल ए को दिए प्रशस्ति पत्र में मुख्य उपलब्धियां का जिक्र किया गया। इस मौके पर वरिष्ठ पत्रकार नुरूल हसन नूर, प्रणीव मिश्रा, मोहन बघेल, विकास दीक्षित, मिसबाह नूर आदि ने नोबल ए को शॉल श्रीफल भेंट कर सम्मान किया।

डॉ. जफर ने शहीद स्थल व्यवस्थापक को भेंट किया तेलीय चित्र

सीहोर, देशबन्धु। मालवा के अमर शहीद कुँ.चैनसिंह की 199 वी पुण्यतिथि पर दशहरा मैदान स्थित उनकी समाधि पर विगत दिनों मध्यप्रदेश शासन की ओर से गार्ड आफ आनर दिया गया। इस मौके पर जनप्रतिनिधियों सहित प्रशासनिक अधिकारी एवं सेनापति हिम्मत खाँ, बहादुर खाँ के वंशज जेड.ए.लोधी एवं भारत जोड़ो आन्दोलन के संस्थापक संयोजक डॉ.बलवीर सिंह तोमर गणमान्य नागरिक काफी संख्या में उपस्थिति में अमर शहिदों को श्रद्धासुमन अर्पित किए।

सोमवार, 7 अगस्त को पुन: भारत जोड़ों आन्दोलन के संस्थापक संयोजक डॉ.बलवीर तोमर के साथ शहीद स्थल पर पधारे मालवा के अमर शहीद कुँ.चैनसिंह के साथ शहीद हुए हिम्मत खाँ, बहादुर खाँ लोधी के वंशज डॉ.जफर उल्लाह खान लोधी के द्वारा अमर शहीद उनके वंशज की स्मृति में एक भव्य तेलीय चित्र शहीद स्थल के व्यवस्थापक दीपक पुरोहित को भेट की। इस मौके पर प्रमुख रूप से डॉ. बलवीर तोमर, राजाराम बड़े भाई, हरपाल सिंह ठाकुर, सुनील दुबे, दीपक पुरोहित, कृष्णकांत रिछारिया सहित गणमान्य नागरिकगण उपस्थित रहे।

ईनामी फरार आरोपी को पुलिस ने किया गिरफ्तार

आष्टा, देशबन्धु। पुलिस अधीक्षक मयंक अवस्थी ने गंभीर अपराध घटित करने वाले फरार बदमाशों की धरपकड हेतु पुलिस टीम बनाकर दबिश देकर गिरफतार करने संबंधी निर्देश दिए थे । इसी के परिपालन मे चौकी अमलाह थाना आष्टा पुलिस के द्वारा अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक गीतेश गर्ग एवं अनुविभागीय अधिकारी पुलिस मोहन सारवान के मार्गदर्शन मे 2 हजार रुपए के इनामी फरार आरोपी को गिरफतार करने मे सफलता प्राप्त की है । चौकी प्रभारी अविनाश भोपले ने बताया कि फरियादी भंवर बाई नायक निवासी कोठरी के द्वारा थाने में आरोपी मनोहर नायक, दुर्गेश नायक, मंगलेश नायक के विरूद्ध रिपोर्ट लेख कराई थी। । जिस पर मारपीट सहित विभिन्न धाराओं के तहत अपराध पंजीबद्ध किया जाकर अनुसंधान मे लिया गया था । घटना दिनांक से आरोपी मंगलेश नायक फरार था। जिसकी तलाश के हरसंभव प्रयास किए गए थे इस अपराध के फरार आरोपी मंगलेश को चौकी अमलाहा पुलिस ने मुखबिर तंत्र सक्रिय कर उसे गिरफतार करने मे सफलता प्राप्त की है । आरोपी को गिरफतार कर माननीय न्यायालय के समक्ष पेश किया गया। उक्त कार्यवाही मे थाना प्रभारी निरीक्षक पुष्पेन्द्र सिंह राठौर, चौकी प्रभारी अमलाहा उप निरीक्षक अविनाश भोपले , आरक्षक संजय चंद्रवंशी,महिला आरक्षक आशा चौहान, सैनिक गजराज वर्मा की सराहनीय भूमिका रही जिन्हे वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा पुरस्कृत किया जाएगा।

प्राथमिक शाला में नि:शुल्क यूनिफार्म और शिक्षण सामग्री की वितरित

आष्टा, देशबन्धु। सामाजिक संस्था जन सेवा संकल्प के केवलराम मालवीय ने बताया कि संस्था के बैनर तले प्रदेश सरकार का लोकप्रिय अभियान स्कूल चलें हम के तहत अरनिया जौहरी पंचायत के ग्राम देवली के शासकीय प्राथमिक विद्यालय में निशुल्क शिक्षण सामग्री व स्कूल ड्रेस वितरण का अभियान चलाया, इस अभियान के तहत विद्यालय में उपस्थित छोटे-छोटे छात्र छात्राओं को प्रतिदिन स्कूल आने और मन लगाकर पढ़ाई करने के लिए प्रेरित करने के उद्देश्य से स्कूल ड्रेस की शर्ट,रफ कॉपी,पेन-पेंसिल-रबर-सॉफनर सेट निशुल्क दिए गए साथ ही बच्चों को अपने माता-पिता एवं शिक्षकों का सम्मान करने के लिए भी प्रेरित किया।इस अभियान के लिए विद्यालय स्टाफ द्वारा संस्था के संचालक का आभार व्यक्त किया गया।

संस्था द्वारा इसी प्रकार का अभियान पिछले माह 17 जुलाई को डाबरी, डोराबाद, पगारिया राम में और 24 जुलाई को कुंडिया धागा में भी बड़े स्तर पर चलाया गया था।इस अभियान में देवली शासकीय प्राथमिक विद्यालय प्रभारी रमेशचंद परमार,अमजद खां, आशीष परमार, ज्ञान सिंह परमार, संतोष परमाल,ग्राम देवली से समाजसेवी दीपक काजले, समाजसेवी हरिसिंह उपस्थित रहे।

आकांक्षा मानवाधिकार संगठन की संयोजक मनोनीत

सीहोर, देशबन्धु। राष्ट्रीय मानवाधिकार संगठन के राष्ट्रीय सलाहकार शरद द्विवेदी की अनुशंसा पर अध्यक्ष महेश पटेल द्वारा आकांक्षा बिदुआ (बरेली रायसेन) को राष्ट्रीय मानवाधिकार संगठन एसोसिएशन, नई दिल्ली द्वारा राष्ट्रीय एकता, समता, बंधुतत्व, शील करुणा, कर्तव्य निष्ठा, सामाजिक सौहार्द, सांस्कृतिक गरिमा, अनुशासन प्रियता, सौम्यता, पीड़ित मानवता की सेवा, शोषण के विरुध्द आवाज और न्याय दिलाने में आपकी भूमिका को दृष्टिगत रखते हुए आपके द्वारा किये गये कार्यों की समीक्षा उपरांत आपको प्रदेश संयोजक मध्यप्रदेश के पद पर मनोनित किया जाता है। आकांक्षा के मनोनयन पर संगठन के सभी पदाधिकारीयों ने शुभकामनाएं दी है।

कुबेरेश्वर धाम पर लगा महाकुंभ, 3 कावड़ यात्रा पहुंची

सीहोर, देशबन्धु। जिला मुख्यालय के समीपस्थ चितावलिया हेमा स्थित निर्माणाधीन मुरली मनोहर एवं कुबेरेश्वर महादेव मंदिर में इन दिनों श्रद्धालुओं का मिनी कुंभ लगा हुआ है। अधिक मास का सोमवार होने के कारण आज मंदिर परिसर में तीन कावड यात्रा पहुंची थी, इन कावड़ यात्रियों का विठलेश सेवा समिति की ओर से पंडित विनय मिश्रा, समीर शुक्ला, मनोज दीक्षित मामा सहित अन्य ने कावड़ यात्रियों का पुष्प वर्षा कर स्वागत किया। यात्रा में कांवडियों के उत्साहवर्धन के लिए डीजे व ढोल बाजे भी साथ चल रहे हैं। कावड़ यात्रा में सैकड़ों की संख्या में महिला और पुरुष शामिल थे। पंडित श्री कटारे ने बताया कि डॉ. पूरण राठौर के नेतृत्व में करीब 35 सालों से मां पार्वती कावड़ यात्रा निकाली जाती है। कावड़ यात्रा ग्राम पिपल्या नगर, बावडिया मैना, जंगीखेडी, खजूरी अलादाद, मूडलाकला, करडियाभील, बिजौरा, बिजौरी, नयापुरा, बकतल कौडिया छीतू और लोदिया सहित अन्य ग्रामों के ग्रामीण और श्रद्धालु शामिल थे। मां कावड़ यात्रा डीजे बाजे के साथ निकाली यात्रा का जगह-जगह पुष्पमाला पहनाकर स्वागत किया गया। श्रद्धालुओं ने मंदिर में शिवलिंग पर जल चढ़ाकर क्षेत्र की सुख-शांति की कामनाएं की।

महाकुंभ में जुटे भाजपा कार्यकर्ता

सीहोर, देशबन्धु। विधानसभा चुनाव को लेकर तैयारियां तेज हो गई हैं और मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान के गृह जिला मुख्यालय सीहोर में भाजपा ने कार्यकर्ता सम्मेलन करने की शुरुआत कर दी है। सोमवार को सीहोर जिला मुख्यालय पर भाजपा का कार्यकर्ता सम्मेलन हुआ, जिसमें हजारों कार्यकर्ताओं की भीड़ देखकर एहसास हो रहा था कि यह कार्यकर्ताओं का महाकुंभ है। जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में प्रदेश के चिकित्सा शिक्षा मंत्री विश्वास सारंग शामिल हुए। इस आयोजन में शामिल होने आए मंत्री विश्वास सारंग का क्षेत्र के विधायक सुदेश राय और नपाध्यक्ष प्रिंस राठौर सहित वरिष्ठ भाजपा नेताओं ने स्वागत किया।

इस अवसर पर जिला प्रभारी बहादुर सिंह मुकाती, जिला अध्यक्ष रवि मालवीय, जिला संयोजक सीताराम यादव, युवा मोर्चा अध्यक्ष भूपेन्द्र पाटीदार, विस्तारक डॉ दिनेश भार्गव, नगर पालिका अध्यक्ष और नगर मंडल अध्यक्ष प्रिंस राठौर, देवीपुरा मंडल अध्यक्ष गिरीश सोलंकी, श्यामपुर मंडल अध्यक्ष दिनेश मेवाड़ा समेत विभिन्न मोर्चों के पदाधिकारीगण सहित बड़ी संख्या में सम्पूर्ण विधानसभा क्षेत्र से पधारे जेष्ठ एवं श्रेष्ठ कार्यकर्ता बंधु सम्मिलित हुए।

सीएमएचओ ने दिखाई मलेरिया जागरुकता रथ को हरी झंडी

शिवपुरी, देशबन्धु। शिवपुरी में मच्छर जनित रोग जैसे मलेरिया व डेंगू के नियंत्रण की दिशा में विभिन्न माध्यमों से प्रयास किए जा रहे हैं। इसी क्रम में एम्बेड परियोजना फैमिली हेल्थ इंडिया जिला स्वास्थ्य समिति के संयुक्त तत्वावधान में आज सोमवार को सीएमएचओ कार्यालय शिवपुरी से मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ.पवन जैन एवं जिला मलेरिया अधिकारी डॉ.संजय ऋषिश्वर द्वारा मलेरिया रथ को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया।

मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ.पवन जैन एवं जिला मलेरिया अधिकारी डॉ.संजय ऋषिश्वर के निर्देशन में एम्बेड टीम व मलेरिया विभाग के कर्मचारियों के साथ जागरूकता रथ शिवपुरी शहर के स्लम मनियर कालोनी, नवाब साहब रोड एवं वार्ड 13,14,15,16 में पहुंचा जहां टीम द्वारा स्लम एरिया में बुखार के संभावित 8 मरीजों का रक्त परीक्षण कर मलेरिया की जांच की गई और इन सभी के परिणाम निगेटिव पाए गए।

ग्राम पंचायत लोहारीकला में विधिक साक्षरता शिविर का समापन

ग्रामीणों को दी कानून की जानकारी

शिवपुरी, देशबन्धु। *प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश दीपक गुप्ता के निर्देशन में तथा जिला न्यायधीश एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की सचिव अर्चना सिंह के मार्गदर्शन में 7 अगस्त को ग्राम पंचायत भवन नौकरीकला में विधिक साक्षरता शिविर का आयोजन किया गया।*

शिविर में उपस्थित लोगों को जितेंद्र मेहर न्यायिक मजिस्ट्रेट ने जनजातीय संवर्धन सप्ताह के अंतर्गत अनुसूचित जाति एवं जनजाति के विधिक अधिकारों, नालसा आदिवासियों के अधिकारों का संरक्षण और प्रवर्तन की जानकारी प्रदान की। उन्होंने बताया गया कि अनुसूचित जाति जनजाति व महिला अथवा बालक, मानव दुर्व्यापार से या बेगार से सताया गया व्यक्ति, जेल में निरुद्ध बंदी एवं आपराधिक हिंसा से सताया हुआ व्यक्ति अथवा प्राकृतिक आपदा से पीड़ित व्यक्ति नि:शुल्क विधिक सहायता का हकदार है।

इस अवसर पर जिला विधिक सहायता अधिकारी डॉ.वीरेंद्र कुमार चढ़ार ने लोक अदालत योजना, मध्यप्रदेश अपराध पीड़ित प्रतिकर योजना, मध्यस्थता योजना, महिला एवं बाल सुरक्षा इकाई आदि के बारे में जानकारी प्रदान की। इसके साथ ही डॉ.चढ़ार द्वारा समाधान आपके द्वार योजना के अंतर्गत रेवेन्यू पुलिस विभाग वन विभाग विद्युत विभाग नगर पालिका द्वारा रखे जाने वाले मामलों की भी विस्तृत रूप से जानकारी प्रदान की।

इस अवसर पर पंचायत समन्वय अधिकारी रामहेत जाटव पंचायत सचिव उमाशंकर भार्गव, पटवारी राहुल वर्मा, आंगनबाड़ी कार्यकर्ता सहित ग्रामीण जन उपस्थित रहे।

आयुष शिक्षकों ने झाड़ू लगाकर किया विरोध

भोपाल, देशबन्धु। आयुर्वेदिक टीचर्स वेलफेयर एसोसिएशन द्वारा समान वेतनमान की मांग को लेकर खुशीलाल आयुर्वेदिक अस्पताल परिसर में झाडू लागार विरोध दर्ज किया।

एसोसिएशन की सचिव डॉ. बबिता शर्मा ने बताया कि प्रदेश के शासकीय आयुष महाविद्यालयों में स्वशासी शिक्षकों के साथ शासन द्वारा उपेक्षा का व्यवहार किया जा रहा है । इनका वेतनमान प्रदेश के अन्य चिकित्सा शिक्षा जैसे पशु चिकित्सा, दंत चिकित्सा आदि के शिक्षकों की तुलना में बहुत कम है। यह शिक्षक लंबे समय से अलग अलग तरह से विरोध दर्ज कर प्रदर्शन कर रहे हैं। इससे पहले आयुष शिक्षकों ने एक सप्ताह तक काली पट्टी बांधकर अपने कर्त्तव्य स्थलों पर कार्य किया । फिर प्रदेश के सभी 9 आयुष महाविद्यालयों के शिक्षकों ने एक आक्रोश रैली निकाली। इसी क्रम में 5 अगस्त को राजधानी के आयुष कैंपस में आयुष शिक्षकों ने एकत्र होकर विधिवत कार्यसिद्धि यज्ञ संपन्न किया और ईश्वर से अपनी वेतन वृद्धि के लिए प्रार्थना की । यह प्रदर्शन भोपाल के आयुष परिसर के साथ साथ ग्वालियर, जबलपुर, इंदौर एवम उज्जैन के आयुर्वेद महाविद्यालयों में भी किया जा रहा है।

डॉ. बबिता ने बताया कि प्रदेश में आयुर्वेद, होम्योपैथ एवम यूनानी के कुल 9 महाविद्यालयों में लगभग ढाई सौ शिक्षक कार्यरत हैं । ये सभी वर्षो से वेतन संशोधन की मांग कर रहे हैं । इसके लिए कई बार शासन को ज्ञापन सौंपने और आग्रह करने के बावजूद शासन की ओर से इस विषय पर अभी तक गंभीरता से विचार नहीं किया गया है तथा कोई भी ठोस कदम नहीं उठाया गया । अत: मजबूरी वश अपनी एक सूत्रीय मांग को लेकर मध्य प्रदेश के आयुष शिक्षकों द्वारा आयुर्वेद टीचर्स वेलफेयर एसोसिएशन के बैनर तले एक प्रदेशव्यापी चरणबद्ध विरोध प्रदर्शन शुरू किया गया।

मप्र में थम सकते हैं ट्रकों के पहिये, आज महापंचायत में होगा फैसला

परिवहन मंत्री को भी बुलाया

भोपाल, देशबन्धु। मध्यप्रदेश में 16 अगस्त से ट्रकों के पहिये थम सकते हैं। इसे लेकर फैसला मंगलवार को होगा। दर अलस फैसले के लिए ऑल इंडिया मोटर ट्रांसपोर्ट कांग्रेस ने भोपाल में प्रदेश के सभी जिला स्तरीय परिवहन उद्योग से जुड़ी संस्थाओं की महापंचायत बुलाई है।

संगठन के अध्यक्ष सीएल मुकाती ने बताया कि यह प्रदेशभर के ट्रांसपोटर्स को संभावित आंदोलन से अवगत कराने और इसमें भागीदारी के लिए रणनीति को अंतिम रूप देने के लिए मंगलवार को पॉलिटेक्निक चौराहा स्थित हिंदी भवन में महापंचायत बुलाई गई है। इसमें परिवहन मंत्री गोविंद सिंह राजपूत को भी बुलावा भेजा गया है। उन्होंने बताया कि प्रदेश में कुल 47 चेक पोस्ट यानी सीमा चौकियां हैं। जहां से एक दिन में औसत 60 हजार वाहन गुजरते हैं। इन चौकियों पर अवैध वसूली की जाती है। इसलिए इन्हें खत्म करने के लिए लंबे समय से मांग उठा रहे हैं। इसे लेकर 15 जुलाई को परिवहन मंत्री गोविंद सिंह राजपूत और विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ बैठक भी की थी। जिसमें सीमा चौकियों को समाप्त करने के निर्णय को 15 अगस्त तक लेने का आग्रह किया था। वहीं, ऐसा नहीं होने पर 16 अगस्त से आंदोलन करने की बात कही थी। चूंकि, अब तक सरकार ने कोई निर्णय नहीं लिया है। इसलिए 8 अगस्त को ट्रांसपोटर्स की महापंचायत बुलाई गई है। इसमें आगे की रणनीति तय की जाएगी।

श्री मुकाती ने बताया कि प्रदेशभर में 9 लाख से अधिक वाहन हैं। ट्रांसपोर्ट के व्यवसाय से करीब दो करोड़ लोग जुड़े हैं। वहीं, देशभर में उनकी संख्या लगभग 20 करोड़ है। इनके पास आंदोलन के सिवाय कोई विकल्प नहीं रहेगा। भोपाल में होने वाली महापंचायत से पहले रविवार को इंदौर में संगठन की मीटिंग हुई। जिसमें ढाई सौ से अधिक सदस्य उपस्थित थे। अब मंगलवार को हिंदी भवन में होने वाली महापंचायत में आंदोलन को लेकर फैसला होगा। अध्यक्ष मुकाती, पूर्व उपाध्यक्ष विजय कालरा, चेयरमैन राजेंद्र त्रेहान, सचिव रघुवीर सिंह यादव, उपाध्यक्ष पवन शर्मा, सतिंदर सिंह अरोरा, मोहित ढाबी, सुशील सालुंके, सुनील पांचाल, संजय अरोरा आदि मौजूद थे।

अनारक्षित वर्ग के विद्यार्थियों के लिए विदेश अध्ययन छात्रवृत्ति योजना

भोपाल, देशबन्धु। अनारक्षित वर्ग के प्रतिभाशाली विद्यार्थियों को विदेश में स्नातकोत्तर एवं पीचएडी उपाधि के लिए छात्रवृत्ति योजना 2023-24 के तहत आवेदन आंमत्रित किए जा रहे हैं। छात्रवृत्ति योजना में सामान्य एवं अनारक्षित वर्ग के प्रतिभाशाली विद्यार्थियों को शासन द्वारा उच्च शिक्षा के लिए विदेश भेजे जाने का प्रावधान किया गया है। इसमें मेरिट के आधार पर विदेश में उच्च शिक्षा के लिए चयनित विद्यार्थियों, जिनके परिवार की आय पर आयकर देय नहीं है, की फीस का भार राज्य शासन द्वारा वहन किया जायेगा। इसमें 20 विद्यार्थियों को लाभांवित किए जाने का लक्ष्य है। विदेश में अध्ययन के पाठ्यक्रम के लिए चयनित आवेदन कर्ता की समस्त स्त्रोत से वार्षिक आय 8 लाख रूपये से अधिक नहीं होनी चाहिए। स्नातकोत्तर स्तर पर प्रवेश के लिए आवेदनकर्ता की उम्र अधिकतम 25 वर्ष तथा पीएचडी शोध उपाधि के लिए अधिकतम उम्र 35 वर्ष होना चाहिए। योजना में प्रदेश के चयनित प्रतिभाशाली विद्यार्थियों को विशिष्ट क्षेत्रों में स्नातकोत्तर स्तर के पाठ्क्रमों/शोध उपाधि एवं शोध उपाधि के बाद कार्यक्रमों में भाग लेने के लिए प्रतिवर्ष जनवरी से जून सत्र के लिए 10 छात्रवृत्ति तथा जुलाई से दिसम्बर सत्र के लिए 10 छात्रवृत्ति स्वीकृत की जायेगी।

भोपाल के 3 हजार से ज्यादा किसान आधार से लिंक नहीं

सरकार से नहीं मिल सकेगी राशि

भोपाल, देशबन्धु। भोपाल जिले में तीन हजार से अधिक किसानों ने अपने बैंक अकाउंट आधार से लिंक नहीं कराए हैं, जबकि एक हजार से अधिक किसानों ने ई-केवाइसी भी नहीं कराया है। ऐसे में उन्हें सरकार से राशि नहीं मिल सकेगी। प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि एवं मुख्यमंत्री किसान कल्याण योजना का लाभ ले रहे किसानों को अपना ई-केवाइसी एवं बैंक खाता आधार से लिंक करवाना अनिवार्य है, लेकिन अब भी भोपाल के 31 सौ किसानों ने आधार से लिंक और एक हजार से ज्यादा किसानों ने ई-केवायसी नहीं कराए है। लिहाजा आधार से लिंक नहीं होने की स्थिति में दोनों योजनाओं की किश्तों का भुगतान किसानों को नहीं किया जा सकेगा। भू-अभिलेख अधीक्षक दुर्गा पटले ने बताया, योजना का लाभ ले रहे सभी किसानों को अपना ई-केवाइसी और आधार नंबर बैंक खाता से लिंक कराना अनिवार्य है। ऐसा न होने की दशा में दोनों योजनाओं की किश्तों का भुगतान किसानों को नहीं किया जाएगा। उल्लेखनीय है कि प्रधानमंत्री किसान योजना में पात्र किसान जिनके बैंक खाते आधारकार्ड से लिंक है, उन्हें 6 हजार रुपए सालाना तीन किस्तों में सीधे हस्तांतरित की जाती है। इसी तरह मुख्यमंत्री किसान कल्याण योजना के तहत 4 हजार रुपए सालाना दो किस्तों में दिए जाते है।

भोपाल के सीएस अब दूसरे संस्थानों में जाकर करेंगे काम का अवलोकन

भोपाल, देशबन्धु। द इंस्टिट्यूट आफ कंपनी सेक्रेटरीज आफ इंडिया (आइसीएसआइ) की भोपाल शाखा द्वारा सहकर्मी समीक्षा का प्रशिक्षण कार्यक्रम का भोपाल में आयोजन किया गया। इसका प्रशिक्षण आइसीएसआइ के सदस्यों को ही दिया गया। इसमें भोपाल, इंदौर, ग्वालियर, जबलपुर और सतना के कई सदस्य शामिल हुए।

आइसीएसआइ भोपाल शाखा के चेयरमैन सीएस प्रदीप मुटरेजा ने बताया कि सहकर्मी समीक्षा एक ऐसी प्रक्रिया है, जिसके मदद से विद्वान सीएस एक-दूसरे के शोध पत्रों की गुणवत्ता और सटीकता का आकलन करते हैं। प्रमुख समीक्षा अकादमिक के भीतर सबसे अधिक बार नियोजित होती है, जहां प्रमुख अकादमिक शोध पत्रिकाओं में प्रकाशित होने से पहले प्रोफेसर एक - दूसरे के काम का मूल्यांकन करते हैं। यहां प्रशिक्षण हासिल करने वाल सीएस अब दूसरे संस्थानों में जाकर वहां के सीएस का सहकर्मी समीक्षा करने के लिए दावेदार हो गए हैं। यह प्रशिक्षण आइसीएसआइ में 2017 में शुरू किया गया था, लेकिन पिछले तीन वर्षों में कोरोना महामारी के चलते इसका प्रशिक्षण नियमित रूप से नहीं हो सका। चूंकि भोपाल में दो ही सहकर्मी समीक्षा विशेषज्ञ हैं इसलिए इस प्रशिक्षण की आवश्यकता पड़ी। लिहाजा यह प्रशिक्षण मध्य प्रदेश में पहली बार आयोजित किया गया।

बीआरटीएस कारीडोर में एम्बुलेंस ने भृत्य को टक्कर मारी, मौत

भोपाल, देशबन्धु। कोहेफिजा थाना क्षेत्र में स्थित बीआरटीएस कॉरिडोर में सड़क पार कर रहे एक कॉलेज के भृत्य को तेज रफ्तार एम्बुलेंस ने टक्कर मार दी। हादसे के तुंरत बाद घायल को हमीदिया अस्पताल पहुंचाया गया। जहां चिकित्कसकों ने जांच करने के बाद उन्हें मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने मर्ग कायम कर अज्ञात वाहन चालक की तलाश शुरू कर दी है।

कोहेफिजा थाने के एसआई जीएस परमार ने बताया कि साजिदा नगर करबला निवासी मोहम्मद अरशद खान पुत्र स्व. अब्दुल रशीद खान उम्र 58 वर्ष श्यामला हिल्स स्थित जवाहर लाल नेहरू पीजी कॉलेज में भृत्य थे। वह मदर इंडिया कॉलोनी ब्रेकर के पास से पैदल बीआरटीएक कॉरिडोर की सड़क पार कर अपने घर लौट रहे थे। तभी एक तेज रफ्तार अज्ञात एम्बुलेंस (बुलेरो) ने उन्हें टक्कर मार दी। हादसे के तुरंत बाद घायल को हमीदिया अस्पताल पहुंचाया गया। जहां पर उपचार के दौरान उनकी मौत हो गई। बताया गया है कि उनके सिर में गंभीर चोट आई थी। पुलिस मर्ग कायम कर सीसीटीवी कैमरों की मदद से टक्कर मारने वाली गाड़ी का पता लगा रही है। मृतक के इकलौते बेटे नजीर ने बताया कि हादसे के समय पिता रिश्तेदार के घर से दावत खाकर लौट रहे थे। बीआरटीएस कॉरिडोर में पिता को जिस बुलेरो कार ने टक्कर मारी है, उसे ऐम्बुलेंस में बदला गया है। इसकी सीसीटीवी की तस्वीरें पुलिस के पास हैं।

कुख्यात बदमाश ने पड़ोसी को घर में घुसकर पीटा

भोपाल, देशबन्धु। हत्या के मामले में जेल से एक माह पहले जमानत पर छूटे कुख्यात बदमाश पप्पू उर्फ चटका ने अपने साथी के साथ मिलकर पड़ोसी के साथ घर में घुसकर मारपीट की। साथ ही उसके घर में भी जमकर तोड़फोड़ कर दी। वारदात के बाद दोनों फरार हो गए।

अरेरा हिल्स थाना पुलिस के मुताबिक रोशनपुरा स्थित ग्वाल मोहल्ला निवासी मयंक यादव लोडिंग आटो चलाते हैं। उनके पड़ोस में रहने वाले बदमाश पप्पू उर्फ चटका के मकान का काम चल रहा है। दोपहर में मयंक आटो लेकर पप्पू के घर के सामने से गुजर रहा था,तभी पप्पू ने उससे वहां से आटो नहीं निकालने को कहा। मयंक ने जब कहा कि यह आम रास्ता है, इस पर पप्पू और उसके साथी बदमाश शाहरुख ने मयंक से अपशब्द कहते हुए मारपीट शुरू कर दी। उनसे बचने के लिए मयंक अपने घर में घुस गया तो दोनों ने उसके साथ घर में घुसकर मारपीट की और मकान और आटो में भी तोड़फोड़ कर दी। वारदात के बाद दोनों बदमाश मौके से फरार हो गए। पुलिस उनकी तलाश कर रही है। बताया गया है कि बदमाश पप्पू चटका पर इससे पहले भी भोपाल के कई थाना क्षेत्रों में अपराध दर्ज है।

उत्तर विधान सभा क्षेत्र में कांग्रेस के बीएलए का प्रशिक्षण संपन्न

भोपाल, देशबन्धु। म.प्र. कांग्रेस कमेटी के निर्देशानुसार भोपाल उत्तर विधान सभा क्षेत्र में बूथ लेवल एजेन्ट (बीएलए.) प्रशिक्षण शिविर का आयोजन सराय सिकन्दरी में किया गया।

इस प्रशिक्षण को प्रदेश कांग्रेस कमेटी से आये प्रदेश प्रभारी महेश जोशी, सह प्रभारी संजय कामले, ललित जैन- एवं उत्तर विधान सभा प्रशिक्षण प्रभारी वसीम कुरैशी ने संबोधित किया। इन पदाधिकारियों ने बूथ स्तर के कार्यकर्ताओं को संदेश दिया कि चुनाव के समय बूथ प्रबंधन को सुचारू रूप से संचालित करना है और प्रत्येक बूथ पर कम से कम 10-10 कार्यकर्ता मनोनित हो तथा जो मतदाता सूचियों में नाम बढ़ाने का कार्य चल रहा है उसको बड़े पैमाने पर कार्यकर्ता अपने क्षेत्रों में नाम बढ़वाये और फर्जी मतदाताओं को सूची से निरस्त करायें। उन्होंने कहा कि आगामी चुनाव में बूथ प्रबंधन बहुत सदृढ होना चाहिए। इस मौके पर जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष मोनू सक्सैना ने कहा कि आगामी चुनाव चुनौतीपूर्ण है, हमें मिलजुकर मुकाबला करना है। वहीं युवा कांग्रेस नेता आतिफ अकील ने कहा कि हर बार चुनाव में उत्तर भोपाल में कांग्रेस का परचम फहरता है इस बार भी हमें मेहनत करके कांग्रेस को विजयी बनाना है। इस कार्यक्रम का संचालन पार्षद मो. सरवर ने किया। इस मौके पर पूर्व अध्यक्ष जहीर अहमद, पूर्व पार्षद आमिर अकील, वात्सायन जैन सोनू भाभा, रवि वर्मा, मसूद अली, पार्षद शीबा मसूद, युवा कांग्रेस नेता साद बिन खालिद, पूर्व पार्षद मनोज मालवीय, सुधीर गुप्ता, दीप्ती जैन, पूर्व पार्षद नाजमा अन्सारी आदि मुख्य रूप से मौजूद थे। कार्यक्रम में भोपाल उत्तर विधान सभा क्षेत्र के 18 मण्डलम अध्यक्ष, 58 सेक्टर अध्यक्ष, 246 बीएलए तथा कार्यकर्ता बड़ी संख्या में उपस्थित थे।

शिकायतों का समय-सीमा में निराकरण करें : कलेक्टर

भोपाल, देशबन्धु। समय-सीमा पत्रों की साप्ताहिक समीक्षा बैठक कलेक्टर आशीष सिंह की अध्यक्षता में कलेक्टर सभागार में संपन्न हुई।

बैठक में कलेक्टर श्री सिंह ने बैठक में सीएम हेल्पलाइन की विभागवार विस्तृत समीक्षा कर सभी संबंधित अधिकारियों को प्राप्त शिकायतों का समय-सीमा में गुणवत्तापूर्ण निराकरण करने के निर्देश दिए। उन्होंने राजस्व विभाग के अधिकारियों को लंबित शिकायतों का त्वरित गुणवत्तापूर्ण निराकरण करने के निर्देश देने के साथ अन्य विभागों को भी उनकी लंबित शिकायतों पर विशेष ध्यान देकर निराकरण करने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने समय-सीमा पत्रों की समीक्षा कर प्राप्त आवेदनों के निराकरण की स्थिति जानकर आवश्यक दिशा निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिये। कलेक्टर ने जिले में समरसता यात्रा की समय - सीमा में तैयारी के लिए संबंधित विभागों को निर्देश दिए। बैठक में सीईओ जिला पंचायत ऋतुराज सिंह, एडीएम-एसडीएम सहित जिले के अन्य अधिकारी उपस्थित रहें।

समरसता यात्रा का भोपाल आगमन कल

भोपाल, देशबन्धु। संत शिरोमणी गुरूदेव रविदास समरसता यात्रा भोपाल जिले में 9 अगस्त को विकासखंड बैरसिया एवं 10 अगस्त को भोपाल में प्रवेश करेंगी। यात्रा में विशिष्ट संत, जन प्रतिनिधिगण, जिले के प्रभारी मंत्री, सांसद, विधायकगण, राज्य शासन के मंत्री, जिला जनपद पंचायतों के अध्यक्ष, यात्रा दल के सदस्य सहित जन समुदाय उपस्थित रहेंगे। उल्लेखनीय है कि समरसता यात्रा का दोपहर 2 बजे 11 मील चौराहे पर स्वागत किया जाएगा। इसके साथ ही भोपाल की सभी ग्राम पंचायतों में ग्राम यात्रा निकाली जाएगी। जन प्रतिनिधियों के माध्यम से यात्रा में जन संवाद और भजनों आदि का गायन भी किया जाएगा।

कार्यालय संपदा अधिकारी म.प्र. गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मंडल जोन क्रं.-2 भोपाल

आम सूचना

हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी कटारा हिल्स भोपाल में स्थित भवन क्रं. सीनियर एम.आई.जी. 389 मंडल द्वारा श्रीमती सरोज सेंगर पत्नी स्व.श्री राजेन्द्र सिंह परिहार के नाम नामांतरण आदेश क्रं. 1160-1164 दिनांक 21.06.2019 जारी है। इनके द्वारा उक्त भवन श्री विशाल सिंह सिसोदिया आत्मज श्री अवधेश सिह सिसोदिया के नाम विक्रय पत्र पंजीयन कार्यालय में दिनांक 09.12.2022 को पंजीकृत कराया गया है। श्रीमती सरोज सेंगर पत्नी स्व.श्री राजेन्द्र सिंह परिहार एवं श्री विशाल सिंह सिसोदिया आत्मज श्री अवधेश सिह सिसोदिया द्वारा आवेदन पत्र मंडल द्वारा निर्धारित आवेदन पत्र, शपथ पत्र, संयुक्त शपथ पत्र, परिचय पत्र एवं विक्रय पत्र की छायाप्रति प्रस्तुत करते हुये उक्त भवन श्री विशाल सिंह सिसोदिया आत्मज श्री अवेधश सिंह सिसोदिया के नाम हस्तांतरण करने हेतु निवेदन किया गया है। जो कि इस कार्यालय में विचाराधीन है। यदि किसी व्यक्ति / उत्तराधिकारी एवं संस्था को इस संबंध में कोई आपत्ति हो तो विज्ञप्ति प्रकाशित दिनांक से 15 दिवस के अंदर आपत्ति सबूत के साथ इस कार्यालय में उपस्थित होकर प्रस्तुत करें। समयावधि समाप्त होने के पश्चात् कोई भी आपत्ति स्वीकार नहीं की जावेगी एवं मण्डल नियमानुसार कार्यवाही करने हेतु स्वतंत्र रहेगा।

संपदा अधिकारी
म.प्र. गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मंडल जोन क्रं.-2 भोपाल

बीएमएचआरसी में शुरू होगा नेत्र बैंक

भोपाल, देशबन्धु। भोपाल स्मारक अस्पताल एवं अनुसंधान केंद्र (बीएमएचआरसी) में जल्द ही एक नेत्र बैंक (आई बैंक) शुरू किया जाएगा। बीएमएचआरसी निदेशक डा मनीषा श्रीवास्तव ने बीएमएचआरसी के नेत्र विभाग में गत दिवस आयोजित राष्ट्रीय अंगदान दिवस के मौके पर आयोजित एक जागरूकता कार्यक्रम में यह जानकारी दी।

डा मनीषा ने कहा कि नेत्र बैंक के लिए आवश्यक दो मशीनों को खरीदी की प्रक्रिया जल्द पूरी हो जाएगी। इसके अतिरिक्त बाकी पूरा आधारभूत संरचना तैयार हो चुकी है। उन्होंने कहा कि आम लोगों में अंगदान के बारे में कई झूठी मान्यताएं फैली हुई हैं। इसे दूर करने की आवश्यकता है और आम लोगों को जागरूक करने के लिए ही यह कार्यक्रम आयोजित किया गया है। उन्होंने कहा कि हम सभी को अंगदान करने के लिए संकल्प लेना चाहिए।

कार्यक्रम के दौरान बीएमएचआसी के नर्सिंग एवं पैरामेडिकल के विद्यार्थियों ने लोगों को अंगदान के प्रति जागरूकता बढ़ाने के लिए एक लघु नाटिका का मंचन किया। इसके अलावा छात्र-छात्राओं व कर्मचारियों के लिए पोस्टर प्रतियोगिता एवं स्लोगन प्रतियोगिता का आयोजन भी किया गया। कार्यक्रम में बीएमएचआरसी के नेत्र रोग विभाग की अध्यक्ष डा हेमलता यादव व बीएमएचआरसी के वरिष्ठ चिकित्सक, अधिकारी व कर्मचारी उपस्थित थे।

नेत्र रोग विभाग में पीजी कोर्स इसी वर्ष से

बीएमएचआरसी के नेत्र रोग विभाग में इस वर्ष से पीजी कोर्स एमएस (नेत्र विज्ञान) भी शुरू हो जाएगा। नेत्र रोग विभाग में इस कोर्स की दो सीटें होंगी। यह कोर्स मध्यप्रदेश आयुर्विज्ञान विश्वविद्यालय से संबद्ध है। वर्तमान में नेत्र रोग विभाग में डिप्लोमेट ऑफ नेशनल बोर्ड (नेत्र विज्ञान) कोर्स संचालित किया जा रहा है।

मोतियाबिंद मुक्त भारत अभियान में घर-घर होगी जांच

भोपाल, देशबन्धु। मोतियाबिंद को खत्म करने के प्रधानमंत्री मोतियाबिंद मुक्त भारत अभियान में मोतियाबिंद होने की संभावना वाले 50 वर्ष और उससे अधिक आयु के नागरिकों की स्क्रीनिंग घर-घर जाकर की जाएगी और जाँच के बाद मोतियाबिंद प्रभावितों का ऑपरेशन भी होगे। स्वास्थ्य विभाग द्वारा बताया गया है कि राज्य शासन के कार्यक्रम अनुसार मोतियाबिंद को खत्म करना प्रधानमंत्री मोतियाबिंद मुक्त भारत अभियान का उद्देश्य है। नेत्र सर्जन के समन्वय से दृष्टि सुरक्षित करने के इस अभियान की सघन माइक्रो प्लानिंग कर सर्जरी प्रोटोकॉल के सभी मानकों का पालन सुनिश्चित कर अभियान चलाया जाएगा।

अग्निवीर भर्ती रैली 20 अगस्त से

भोपाल, देशबन्धु। सेना भर्ती कार्यालय द्वारा 20 से 26 अगस्त तक लाल परेड मैदान में प्रदेश के 9 जिलों भोपाल, बैतूल, छिंदवाडा, हरदा, नर्मदापुरम, रायसेन, राजगढ़, सीहोर और विदिशा के पुरुष उम्मीदवारों के लिए अग्निवीर जनरल ड्यूटी, अग्निवीर तकनीकी, अग्निवीर क्लर्क, अग्निवीर स्टोर कीपर एवं अग्निवीर ट्रेड्समैन भर्ती रैली का आयोजन होगा।

अग्निवीर जनरल ड्यूटी, अग्निवीर तकनीकी, अग्निवीर क्लर्क, अग्निवीर स्टोर कीपर, अग्निवीर ट्रेड्समैन तथा 26 अगस्त को सिपाही फार्मा और सिपाही तकनीकी नर्सिंग सहायक एवं सिपाही तकनीकी नर्सिंग, सहायक पशु चिकित्सा की रैली का आयोजन 20 से 25 अगस्त तक होगा । मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ के सभी जिलों के सिपाही फार्मा और सिपाही तकनीकी, नर्सिंग सहायक एवं सिपाही तकनीकी, नर्सिंग सहायक पशु चिकित्सा की भी सेना भर्ती रैली का आयोजन साथ में किया जा रहा है।

कार्यालय नगर पालिक निगम, भोपाल
यांत्रिक विभाग, जोन क्र. 07, भोपाल
निविदा आमंत्रण

क्रमांक 468 / यां.वि. / 2023 — भोपाल, दिनांक 03.8.2023

निम्नलिखित निर्माण कार्यों हेतु दो लिफाफा पद्धति के अनुसार परसेन्टेज मोहरबंद निविदायें निर्धारित प्रपत्र पर दिनांक 18.8.2023 को दिन के 3.00 बजे तक आमंत्रित की जाती है। निविदा फार्म क्रय किए जाने हेतु नगद एवं क्रॉस डिमांड ड्राफ्ट, आयुक्त नगर निगम, भोपाल के नाम से होना चाहिए एवं धरोहर राशि हेतु क्रॉर डिमाड ड्राफट आयुक्त, नगर निगम भोपाल के नाम पर होना चाहिए। प्राप्त निविदायें आमंत्रित दिवस को ही दोपहर 3.30 बजे अधोहस्ताक्षरकर्ता द्वारा उपस्थित ठेकेदारों के समक्ष खोली जायेगी। प्रपत्र क्रय करने की पात्रता केन्द्रीयकृत पंजीयन में वांछित श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदारों को होगी। प्रपत्र दिनांक 17.8.2023 को तथा इसी तिथि के पूर्व कार्यालीन समय में दोपहर 2.00 बजे तक क्रय किये जा सकते है। अन्य जानकारी कार्यलयीन समय में देखी जा सकती है।

क्रं.	जोन क्रं.	वार्ड क्रं.	कार्य का नाम	निविदा राशि	प्रपत्र राशि 18% GST	धरोहर राशि	कार्य हेतु निर्धारित एस.ओ.आर.	कार्य की अवधि
1	07	34	CONSTRUCTION OF CC ROAD AND DRAIN AT BANK COLONY & INFRONT OF ZUBAIR PAPPUS HOUSE WARD 34 ZONE 07	837911/-	2360/-	8379/-	म.प्र. शासन के नगरीय प्रशासन विभाग के बिल्डिंग एवं रोड एस.ओ.आर. 2021	02 माह

नियम व शर्तें:-1. समस्त सीमेंट कान्क्रीट सड़क निर्माण की गारंटी अवधि 03 वर्ष की रहेगी एवं कुल 10 प्रतिशत की राशि प्रतिभूति के रूप में काटी जायेगी। 2. लिफाफा क्र. 01 धरोहर राशि एवं लिफाफा क्र. 02 मे निविदा दर प्रस्तुत किया जाना होगा। प्रथमत धरोहर राशि का लिफाफा खोला जायेगा एवं धरोहर राशि सही पायी जाने पर ही निविदा दर का लिफाफा खोला जायेगा। 3. प्रत्येक कार्य के निविदा फार्म क्रय किए जाने हेतु अलग-अलग आवेदन दिया जाना होगा एवं यदि अपरिहार्य कारणों से निविदा प्राप्ति/ खोलने के दिवस शासकीय अवकाश होता है, तो अगले कार्यदिवस में कार्यवाही संपादित की जायेगी। 4. निविदा क्रय करने हेतु आवेदन के साथ जीवित केन्द्रीयकृत पंजीयन पेन कार्ड. जी. एस. टी. पंजीयन, ई.पी.एफ. पंजीयन प्रमाण पत्र की छायाप्रति एवं शपथ पत्र प्रस्तुत करना होगा। 5. उक्त निर्माण कार्यों में उपयोग किए जाने वाले गौण खनिजों की रायल्टी का भुगतान ठेकेदार द्वारा किया जाना अनिवार्य होगा। 6. निविदा की दर निविदा खोलने की दिनांक से 90 दिवस तक रहेगी। 7. 10 प्रतिशत से अधिक BELOW परसेंटेज कोड किये जाने की दशा में कार्य हेतु परफारमेंस सिक्योरिटि के रूप में बैंक गारंटी/ एफ. डी. आर. जमा की जाना होगी।

नि. क्रं.-807/023/024

सहायक यंत्री (सिविल)
जोन क्र. 07,नगर निगम भोपाल

देशबन्धु
भोपाल, मंगलवार 8 अगस्त 2023
संस्थापक-संपादक : स्व. मायाराम सुरजन

क्या मोदी राहुल को जवाब दे पायेंगे?

गुजरात की निचली अदालतों एवं वहां की हाईकोर्ट द्वारा एक अवमानना के मामले में सुनाई गई दो साल की सजा पर सुप्रीम कोर्ट की रोक के बाद लोकसभा में राहुल गांधी की सोमवार को वापसी अनेक मायनों में महत्वपूर्ण है। यह एक सांसद की देश की सर्वोच्च विधायिका में लौटना मात्र नहीं है वरन यह जनसामान्य की आवाज़ के संसद में फिर से गूंजने का आश्वासन है। अपने खिलाफ सत्ता समर्थित सारे षड्यंत्रों को परास्त कर राहुल गांधी के जरिये यह निरंकुशता के खिलाफ़ लोकतंत्र की वापसी भी है, जिसके अनेक तात्कालिक व उससे कहीं बढ़कर दूरगामी नतीजे़ निकलेंगे।

2019 के मार्च महीने में कर्नाटक की एक चुनावी सभा में दिये एक भाषण के आधार पर करीब साढ़े तीन माह पहले राहुल को गुजरात की कोर्ट में दो साल की सज़ा सुनाई गई थी। जिस आतुरता से उनकी लोकसभा की सदस्यता छिनी गयी और उसी फुर्ती से उनका सरकारी आवास भी खाली कराया गया था, वह हास्यास्पद होने के साथ ही सत्ता पक्ष के भय का प्रदर्शन भी था। सुप्रीम कोर्ट ने पिछले शुक्रवार को एक ऐतिहासिक फैसला सुनाते हुए राहुल की सज़ा पर न केवल रोक लगा दी वरन गुजरात की अदालतों व वहां की उच्च न्यायालय की न्यायिक प्रक्रिया पर भी गम्भीर सवाल उठाये। दो साल की सजा इस अपराध में अधिकतम है और हाईकोर्ट ने अपने आदेश में कहीं भी यह नहीं बताया कि आखिर अधिकतम अवधि की सजा का औचित्य क्या है। लोग जानते हैं कि संसद की सदस्यता जाने के लिये पूरे दो वर्ष के कारावास की सजा आवश्यक है।

बहरहाल, करीब 136 दिन संसद से बाहर रहकर राहुल जिस प्रकार से भाजपा और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के खिलाफ जैसे आक्रामक हुए उससे दोनों (मोदी व पार्टी) का और भी नुकसान होने लग गया था। तिस पर राहुल इन दिनों जनता के बीच घूमते रहे। कभी वे मणिपुर के हिंसा पीड़ित लोगों को गले लगाते रहे तो कभी वे सुबह उठकर आजादपुर सब्जी मंडी पहुंच जाते थे। छात्रों, युवाओं आदि के साथ उनकी नज़दीकियां बढ़ती चली गयीं। इतना ही नहीं, पिछले वर्ष की सितम्बर से निकली उनकी चार हजार किलोमीटर की (कन्याकुमारी से कश्मीर) पैदल यात्रा ने न केवल उन्हें नयी छवि प्रदान की बल्कि उनके भाषणों के जरिये मोदी की प्रशासकीय अक्षमता, निरंकुशता और क्रोनी कैपिटलिज्म को बढ़ावा देने वाली नीतियों का भी पर्दाफाश होता चला गया। इसी साल 30 जनवरी को जब उनकी यात्रा श्रीनगर में तिरंगा फहराने के साथ पूरी हुई तो कांग्रेस में न केवल नये प्राण पड़ चुके थे बल्कि देश के तमाम बड़े विपक्षी दल जो लोकतंत्र में भरोसा रखते हैं, उन्होंने भी कांग्रेस के नेतृत्व को स्वीकार कर विपक्षी गठबन्धन बना लिया। इस साल जून में पटना में 15 दलों के साथ प्रारम्भ हुई एकता की कोशिशें 18-19 जुलाई को बेंगलुरु पहुंचते-पहुंचते 2024 में होने जा रहे लोकसभा चुनावों के मद्देनज़र भाजपा के लिये सही मायनों में एक मजबूत गठबन्धन 'इंडिया' के रूप में चुनौती बनकर खड़ी हो गयी।

यहां तक भी शायद मोदी और भाजपा के प्रमुख नेता इस खतरे से इस विचार के साथ निपटने के प्रति निश्चिंत रहे होंगे कि चुनाव में अपने चिर-परिचित एजेंडे यानी सामाजिक ध्रुवीकरण व सरकारी मशीनरी के दुरुपयोग के बल पर गठबन्धन को परास्त कर लिया जायेगा, परन्तु अब जब संसद में राहुल लौट चुके हैं, मोदी और भाजपा पर नये हमले होने लाजिमी हैं। फिर, वे ऐसे वक्त में लौटे हैं जब मोदी के खिलाफ़ लाये गये अविश्वास प्रस्ताव पर मंगलवार व बुधवार को चर्चा होनी है। निश्चित ही ओम बिरला के लिये उनकी सदस्यता बहाली का बहुत कठिन फैसला रहा होगा पर अब सत्ता पक्ष के लिये उनके वार झेलने में निश्चित ही दिक्कत आयेगी क्योंकि राहुल एक विजेता तथा नैतिक रूप से पहले से सशक्त नेता के रूप में संसद में पुनर्प्रवेश कर रहे हैं जबकि भाजपा व सरकार पराजित एवं अपराध भाव से ग्रस्त कुनबे के रूप में दिखेगी। तय है कि राहुल गांधी अविश्वास प्रस्ताव के प्रमुख वक्ता होंगे जिस दौरान वे पुराने मसले अर्थात मोदी एवं उनके कारोबारी मित्र गौतम अदानी के परस्पर संबंधों के साथ मणिपुर व नूंह (मेवात) की हिंसा और जयपुर-मुंबई एक्सप्रेस में मोदी व योगी (उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री आदित्यनाथ) के नाम पर हुए गोली चालन (जिसमें तीन मुस्लिमों व एक मीणा सम्प्रदाय के पुलिस इंस्पेक्टर की मौत हो गयी थी) जैसे ताज़े मामले भी उठायेंगे। जाहिर है कि मोदी के पास इनके कोई जवाब नहीं होंगे। सवाल है कि क्या मोदी पहले से मजबूत होकर लौटे राहुल का सामना लोकसभा में कर पायेंगे या हमेशा की तरह सदन को किसी मंत्री के हवाले छोड़कर निकल लेंगे या फिर शोर-गुल कराकर लोकसभा को बार-बार स्थगित कराएंगे? संसद का सत्र शुक्रवार तक ही चलना है।

इधर सदन से बाहर की बात करें तो इंडिया सतत मजबूत हो रहा है जिसे राहुल की इस कानूनी जीत से बड़ा बल तो मिलेगा ही, कांग्रेस के प्रति जनविश्वास में और भी इज़ाफ़ा होगा जो भाजपा के लिये असली मुसीबत है। कश्मीर के नेता गुलाम नबी आज़ाद के साथ कांग्रेस छोड़कर जाने वाले कई नेता आज लौट आये हैं। मध्यप्रदेश में भी ऐसी ही सियासी मंज़र देखने को मिल रहा है। बेशक, राहुल गांधी की संसद में वापसी को केवल कानूनी जीत के रूप में नहीं देखना चाहिये। यह वापसी भारतीय लोकतंत्र में मील का पत्थर साबित होगी।

अविश्वास प्रस्ताव : इस हार में भी जीत है!

सुप्रीम कोर्ट के मानहानि के मामले में सजा पर रोक लगाने के बाद, राहुल गांधी की लोकसभा में वापसी के लिए, अविश्वास प्रस्ताव पर बहस से उपयुक्त दूसरा मौका नहीं हो सकता था। कहने की जरूरत नहीं है कि राहुल गांधी, अविश्वास प्रस्ताव के पक्ष में यानी विपक्ष की ओर से स्टार-वक्ता होंगे और पिछले सत्र में हिंडनबर्ग रिपोर्ट के बाद, अडानी-मोदी गठजोड़ पर केंद्रित राहुल गांधी के चर्चित लोकसभा भाषण को याद रखें तो, राहुल गांधी के इस बार के भाषण का भी चर्चित होना तय है। यह अनुमान लगाना भी मुश्किल नहीं है कि लोकसभा में अन्य अनेक प्रभावशाली वक्ताओं की भी मौजूदगी के बावजूद, कम से कम मीडिया द्वारा अविश्वास प्रस्ताव की बहस को, ''राहुल बनाम मोदी'' टीवी बहस में घटाने पूरी कोशिश की जाएगी। कुल मिलाकर इससे अविश्वास प्रस्ताव की इस बहस में जोरदार तड़का लग जाने की उम्मीद की जा सकती है।

इसके बावजूद, इस बहस का मोदी सरकार के बने रहने के लिहाज से क्या नतीजा होगा, यह तो स्वत: स्पष्ट ही है। उलटे, बीजू जनता दल के अविश्वास प्रस्ताव पर बहस में मोदी सरकार को अपना समर्थन देने के ऐलान से यह साफ है कि मोदी राज के प्रबंधकों ने इसका भी पूरा इंतजाम कर लिया होगा कि अगर, इंडिया के मंच पर विपक्ष का उल्लेखनीय रूप से बड़ा हिस्सा अविश्वास प्रस्ताव के पक्ष में एकजुट दिखाई दे, तो दूसरी ओर मोदी सरकार के लिए समर्थन, एनडीए की 2019 के चुनाव में आई संख्या से भी कुछ न कुछ बढ़कर ही दिखाई दे। इसके सहारे और अन्यथा भी, संघ-भाजपा और मुख्यधारा के मीडिया के गठजोड़ द्वारा अविश्वास प्रस्ताव के गिरने को, मोदी राज के लिए जनता के अनुमोदन बल्कि उसकी जीत के रूप में प्रचारित करने की हर संभव-असंभव कोशिश की जाएगी। फिर यह अविश्वास प्रस्ताव क्यों?

इस क्यों के उत्तर के दो महत्वपूर्ण पहलू हैं। पहले का संबंध यह अविश्वास प्रस्ताव लाए जाने की तत्कालीन पृष्ठभूमि से है। सभी जानते हैं कि संसद के मानसून सत्र की शुरूआत, मणिपुर के बहुत ही चिंताजनक घटनाक्रम की पृष्ठभूमि में, विपक्ष द्वारा एकजुट होकर इसकी मांग किए जाने के साथ हुई थी कि सब काम छोड़कर संसद द्वारा इस गंभीर समस्या पर चर्चा की जाए और प्रधानमंत्री के वक्तव्य के आधार पर चर्चा की जाए। प्रधानमंत्री के वक्तव्य के आधार पर चर्चा का आग्रह इसलिए और भी प्रबल था कि ढाई महीने से जारी हिंसा तथा भयावह दरिंदगी और हालात पूरी तरह से शासन के काबू से बाहर बने रहने के बावजूद, प्रधानमंत्री ने इस मामले में पूरी तरह से मौन साधे रहा था। और यह तब था जबकि मणिपुर में यह सब तथाकथित ''डबल इंजन'' के राज में हो रहा था, जिसके लिए प्रधानमंत्री की सीधे राजनीतिक ही नहीं, प्रशासनिक जवाबदेही भी बनती थी।

बेशक, तब तक ढाई महीने से मणिपुर में जारी अराजकता तथा इथनिक झड़पों के बीच, लगभग शुरूआत में ही हुई दो कुकी आदिवासी महिलाओं के साथ, हमलावर मैतेई भीड़ की दरिंदगी का वीडियो वाइरल हो गया और देश भर को ही नहीं दुनिया भर को इसकी झलक दिखाई दी कि इंटरनैट पर प्रतिबंध तथा मीडिया पर नियंत्रण की दीवार के पीछे मणिपुर में क्या कुछ हुआ था और हो रहा था और यह झलक संसद का सत्र शुरू होने से ऐन पहले सामने आ गया। अब प्रधानमंत्री को भी मणिपुर पर अपना मौनव्रत तोड़ना पड़ा। लेकिन, ढाई महीने बाद भी प्रधानमंत्री मोदी ने मुंह खोला भी तो क्या बोला? उक्त वाइरल दरिंदगी को प्रधानमंत्री ने देश को शर्मिंदा करने वाला तो कहा, पर डबल इंजन सरकार के सुप्रीमो की हैसियत से अपनी तथा अपने राज की विफलता के लिए शर्मिंदगी के किसी एहसास का लेशमात्र भी उनके बोलने में नहीं था। उलटे, प्रधानमंत्री मोदी ने फौरन मणिपुर की दरिंदगी को,

राजेंद्र शर्मा

इसी सब की पृष्ठभूमि में जब यह साफ हो गया है कि प्रधानमंत्री मोदी, मणिपुर के मुद्दे पर संसद में सामान्य रूप से कुछ नहीं बोलेंगे, तब विपक्ष को अविश्वास प्रस्ताव के संसदीय अस्त्र का सहारा लेना पड़ा। जाहिर है कि प्रधानमंत्री को अविश्वास प्रस्ताव पर बहस के अपने जवाब में तो, इस पूरे मामले में जिम्मेदारी के सवाल पर बोलना ही बोलना था।

छांटकर विपक्ष शासित राजस्थान तथा छत्तीसगढ़ में महिलाओं के खिलाफ हिंसा की समान रूप से क्रूर किंतु सामान्य अपराध की घटनाओं के साथ, जोड़कर बराबरी पर रख दिया, ताकि मणिपुर की बर्बादी के लिए किसी भी जिम्मेदारी से खुद को और अपने डबल इंजन राज को बचा सकें। दूसरी ओर, प्रधानमंत्री ने न सिर्फ मणिपुर के पूरे घटना विकास पर अपना मौन फिर भी बनाए रखा बल्कि उन्होंने मणिपुर की जनता से शांति की अपील करना और सभी समुदायों को तथा विशेष रूप से अल्पसंख्यकों को उनकी हिफाजत का भरोसा दिलाना तक मंजूर नहीं किया।

और प्रधानमंत्री ने यह बयान भी संसद के अंदर नहीं दिया, जहां इस पर कम से कम चर्चा की गुंजाइश होती। प्रधानमंत्री ने यह बयान दिया, संसद का सत्र शुरू होने से ऐन पहले, पर संसद से बाहर, उसके दरवाजे पर।

इसी सब की पृष्ठभूमि में जब यह साफ हो गया है कि प्रधानमंत्री मोदी, मणिपुर के मुद्दे पर संसद में सामान्य रूप से कुछ नहीं बोलेंगे, तब विपक्ष को अविश्वास प्रस्ताव के संसदीय अस्त्र का सहारा लेना पड़ा। जाहिर है कि प्रधानमंत्री को अविश्वास प्रस्ताव पर बहस के अपने जवाब में तो, इस पूरे मामले में जिम्मेदारी के सवाल पर बोलना ही बोलना था। दूसरे शब्दों में, जब मणिपुर जैसी गंभीर चुनौती के संदर्भ में वर्तमान सरकार से सवालों के जवाब हासिल करने के दूसरे सामान्य जनतांत्रिक रास्ते बंद कर दिए गए, तब सरकार से जवाब मांगने के अंतिम संसदीय अस्त्र, अविश्वास प्रस्ताव का विपक्ष को सहारा लेना पड़ा। इन सूरते हाल में संसद के सम्मुख सरकार की जवाबदेही सुनिश्चित करने के लिए अविश्वास प्रस्ताव का सहारा लेना, विपक्ष का सिर्फ अधिकार ही नहीं था, बल्कि उसकी जिम्मेदारी भी थी।

स्वाभाविक रूप से यह सवाल पूछा जा रहा है कि क्या यह सिर्फ प्रधानमंत्री के ईगो का मामला है कि वह संसद में अविश्वास प्रस्ताव या राष्ट्रपति के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव के सिवा, मणिपुर के हालात जैसे किसी अत्यधिक गंभीर मसले पर भी, जिस पर उनके राज पर सवाल उठ सकते हों, बोलेंगे ही नहीं? या यह मणिपुर की वर्तमान समस्या को बहुत ज्यादा महत्व न देने का मामला है? बेशक, सच्चाई एक हद तक इन दोनों ही अनुमानों में है, फिर भी सबसे बढ़कर यह वर्तमान निजाम के संसदीय व्यवस्था के सार को ही अस्वीकार करने का मामला है। संसदीय व्यवस्था का सार क्या है? क्या संसदीय व्यवस्था का सार सिर्फ चुनाव है? तब निर्वाचित के निरंकुश शासन और संसदीय जनतंत्र में फर्क ही क्या रह जाएगा?

संसदीय जनतंत्र का सार है, कार्यपालिका की संसद के माध्यम से, जनता के सामने जवाबदेही। प्रधानमंत्री बेशक, संसदीय बहुमत के समर्थन के बल पर कार्यपालिका के शीर्ष पर होता है, लेकिन यह बहुमत भी संसद के समक्ष उसकी जवाबदेही का स्थानापन्न नहीं हो सकता है। संभवत: इसीलिए, यह कहा जाता है कि संसद विपक्ष की होती है क्योंकि उसके जरिए ही विपक्ष, उसकी करनियों-अकरनियों के लिए, कार्यपालिका की और जाहिर है कि इसमें कार्यपालिका के प्रमुख के रूप में प्रधानमंत्री भी आ जाते हैं, जवाबदेही सुनिश्चित करता है। यह जवाबदेही संसदीय जनतंत्र का रोजाना का तकाजा है, जो पांच साल या ऐसी ही किसी अवधि पर होने वाले चुनावों में, किसी तरह जनता का ''आशीर्वाद'' हासिल कर लेने से पूरा नहीं हो सकता है।

प्रधानमंत्री मोदी और जाहिर है कि उनके भक्तगण भी, जिस सुर उन्हें चुनाव में बहुमत मिला होने को कुछ भी करने या नहीं करने के लिए वैधता के सर्वोच्च तथा सर्वव्यापी तर्क के रूप में पेश करते नहीं थकते हैं, उससे जाहिर है कि वे प्रधानमंत्री के पद को पांच साल के निरंकुश राज के पट्टे की तरह देखते हैं और संसद के प्रति कार्यपालिका की रोज-रोज की जवाबदेही की व्यवस्था को, एक अनुपयोगी बोझ ही मानते हैं। हैरानी की बात नहीं है कि वर्ष दर वर्ष और सत्र दर सत्र, संसद की बैठकों की संख्या मोदी के राज के नौ वर्षों में कम से कम ही होती चली गई है। वास्तव में यह रुझान, गुजरात के मुख्यमंत्री के रूप में नरेंद्र मोदी के बारह साल के कार्यकाल में भी दर्ज किया गया था।

इसी का हिस्सा है कि मोदी के राज में संसद का चलना सुनिश्चित करने की, सत्तापक्ष की कोई कोशिश ही नहीं होती है, फिर इसके लिए विपक्ष की किसी मांग को एकोमोडेट करने का तो सवाल ही कहां उठता है। अब तो खैर संसद के साथ पराएपन के इस सलूक को उस मुकाम पर पहुंचा दिया गया है, जहां न सिर्फ संसद में बिना किसी बहस के शोर-शराबे के बीच विधायी काम निपटाने की खानापूरी करना ही सत्तापक्ष को ज्यादा सुविधाजनक नजर आता है बल्कि अब तो संसद को ठप्प करने का जिम्मा भी ज्यादा से ज्यादा सत्ता पक्ष ही संभाल रहा है। फर्क सिर्फ इतना है कि जहां बजट सत्र के उत्तरार्द्ध में सत्तापक्ष ने ''राहुल गांधी की माफी'' की मांग के सहारे संसद को ठप्प किया था, वर्तमान सत्र में यही काम उसने अपनी इस जिद से किया है कि मणिपुर भले ही जलता रहे, प्रधानमंत्री संसद में उसके संबंध में सवालों का जवाब नहीं देंगे। ऐसे में विपक्ष ने अविश्वास प्रस्ताव के माध्यम से, सिर्फ मणिपुर के मामले में सरकार से जवाब मांगा जाना ही सुनिश्चित नहीं किया है, आम तौर पर संसद के सामने सरकार की जवाबदेही सुनिश्चित करने के हमारी संवैधानिक व्यवस्था के सार को भी एसर्ट किया है। कहने की जरूरत नहीं है कि मौजूदा निजाम में संवैधानिक व्यवस्था के इस सार को उभारे जाने की भारी जरूरत है।

दूसरे, अविश्वास प्रस्ताव में गिनती का नतीजा भले ही मोदीशाही के पक्ष में रहना पहले ही तय हो, पर कुल-मिलाकर यह कसरत सत्तापक्ष को भारी ही पड़ने जा रही है। फिर दुहरा दें कि यह राहुल बनाम मोदी बहस में भारी पड़ने न पड़ने का ही मामला नहीं होगा। इससे कहीं ज्यादा महत्वपूर्ण यह है नौ साल में पहली बार, इतने बड़े पैमाने पर एकजुट विपक्ष, मोदीशाही के मुकाबला करने के लिए मैदान में उतरेगा। इस लड़ाई से एक-एक मोर्चे पर कामयाबी से विपक्ष जो आत्मविश्वास अर्जित करेगा, वह इस साल के आखिर में होने वाले महत्वपूर्ण विधानसभाई चुनावों के लिए और फिर 2024 के पूर्वार्द्ध में जनादेश के लिए देशव्यापी युद्ध के लिए, विपक्ष के लिए जरूरी प्रैक्टिस का रास्ता बनाएगा। अविश्वास-प्रस्ताव की तयशुदा हार भी, 2024 में मोदीशाही की संभावित हार को ही नजदीक लाएगी।

(लेखक साप्ताहिक पत्रिका लोक लहर के संपादक हैं।)

मधुमेह की चपेट में बच्चे

■ **प्रशांत कुमार दुबे**

मध्यप्रदेश में विदिशा जिले के निजी विद्यालय की कक्षा 5 में पढ़ने वाली 9 बरस की रिंकी (परिवर्तित नाम) टाइप-1 डायबिटीज़ से पीड़ित है। वह आज से 3-4 बरस पहले डायबिटीज़ की चपेट में आई। कैसे, यह कोई नहीं जानता। अब रिंकी और उसके परिवार का हर सदस्य बस इतना जानता है कि रिंकी को दिन में 3-4 बार खून में ग्लूकोज का स्तर जांचना है और जरुरत के मुताबिक़ दो-तीन बार इन्सुलिन लेना है। परहेज से तो अब उसका चोली-दामन का साथ हो गया है।

हालांकि रिंकी यह नहीं जानती कि कैसे इस बीमारी ने उसे जकड़ा। इसी तरह उसके मज़दूर पिता और गृहिणी मां को केवल इतना पता है कि उसे शक्कर की बीमारी हो गई है? कैसे हो गई, कब हो गई, उन्हें भी कुछ नहीं पता। आमतौर पर डायबिटीज़ को अमीरों या ख़राब जीवनशैली की बीमारी माना जाता रहा है, लेकिन अब यह बीमारी मजदूर वर्गों तक भी आसानी से पहुंच रही है। रिंकी के पिता बताते हैं कि वे एक बार रिंकी को अस्पताल ले गए थे और वहां पर बताया गया था कि उनकी बेटी को शक्कर की बीमारी है। वे कहते हैं कि हम दोनों को तो यह बीमारी नहीं है और हमारे परिवार का इतिहास हमें पता नहीं। रिंकी के 5 भाई-बहनों में भी अभी केवल रिंकी इस बीमारी की चपेट में है।

मध्यप्रदेश में बच्चों में डायबिटीज़ के मामले आदिवासी क्षेत्रों से ही सामने आ रहे हैं। हालांकि मध्यप्रदेश विशेष रूप से कमजोर आदिवासी समूहों (पीवीटीजी), बैगा, भारिया और सहरिया की धरती है जो कि अभी भी पारम्परिक खाद्यान्न और जीवन जीने के लिए पारम्परिक तौर-तरीकों का ही उपयोग करते हैं। वैसे तो मध्यप्रदेश में आदिवासी समुदाय और उनके बच्चों में डायबिटीज़ पर कोई विशिष्ट अध्ययन नहीं हुआ है।

भारत इस समय बच्चों में डायबिटीज़ बीमारी के चिंताजनक दौर से गुजर रहा है। 'इंटरनेशनल डायबिटीज फेडरेशन' (आईडीएफ) के 'डायबिटीज एटलस 2021' के आंकड़ों के अनुसार, भारत में 'टाइप-1 डायबिटीज मेलिटस' (टीआईडीएम) से पीड़ित बच्चों और किशोरों की संख्या दुनिया में सबसे ज्यादा है, जिसमें 24 लाख से अधिक बच्चे और किशोर (आयु वर्ग 0-19 वर्ष) तो केवल दक्षिण-पूर्व एशिया में ही हैं। टाइप-1 डायबिटीज से पीड़ित दुनिया का हर पांचवा बच्चा या किशोर भारतीय है। भारत में हर दिन 65 बच्चे या किशोर टाइप-1 डायबिटीज की चपेट में आ रहे हैं। ये कुछ आंकड़े हैं, जो बताते हैं कि भारत में टाइप-1 डायबिटीज कितनी बड़ी समस्या बनती जा रही है। टीआईडी सूचकांक ने अनुमान लगाया है कि अकेले भारत में 8.75 लाख बच्चे और किशोर टीआईडी से पीड़ित हैं और मध्यप्रदेश में रिंकी की तरह ही करीब 32,000 बच्चे डायबिटीज के शिकार हैं।

टाइप-1 डायबिटीज़, बच्चों में सबसे आम है, जो सभी जातीय समूहों के बच्चों में दो तिहाई नए मामलों के लिए जिम्मेदार है। यह 18 वर्ष की आयु तक 350 बच्चों में से एक को होती रही है; लेकिन अब इस घटना के प्रमाण बढ़े हैं, खासकर 5 साल से कम उम्र के बच्चों में। हालांकि टाइप-1 डायबिटीज़ किसी भी उम्र में हो सकती है, लेकिन आम तौर पर 4 साल से 6 साल की उम्र के बीच या 10 साल से 14 साल के बीच इसकी आशंका ज्यादा होती है। रिंकी भी जब इस बीमारी से ग्रसित हुई तब उसकी उम्र 4-5 साल के आसपास रही होगी।

यह विचित्र है कि मध्यप्रदेश में बच्चों में डायबिटीज़ के मामले आदिवासी क्षेत्रों से ही सामने आ रहे हैं। हालांकि मध्यप्रदेश विशेष रूप से कमजोर आदिवासी समूहों (पीवीटीजी), बैगा, भारिया और सहरिया की धरती है जो कि अभी भी पारम्परिक खाद्यान्न और जीवन जीने के लिए पारम्परिक तौर-तरीकों का ही उपयोग करते हैं। वैसे तो मध्यप्रदेश में आदिवासी समुदाय और उनके बच्चों में डायबिटीज़ पर कोई विशिष्ट अध्ययन नहीं हुआ है, लेकिन आदिवासी स्वास्थ्य पर 'अटल बिहारी नीति विश्लेषण एवं सुशासन संस्थान' की रिपोर्ट बताती है कि पिछले दो दशकों में यह प्रमाण ज्यादा मात्रा में मिलना शुरू हुए हैं।

जिस परिस्थिति से रिंकी गुजरती रही है वह है उसके स्तर की जानकारी का अभाव। मानक देखभाल की अनुपस्थिति या व्यवधान उनके शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य को प्रभावित करता है और घातक भी हो सकता है। टीआईडीएम के साथ रहने वाले बच्चों और किशोरों को कई चुनौतियों का सामना करना पड़ता है, जो अपर्याप्त देखभाल और चिकित्सा सुविधाओं के कारण और भी बदतर हो जाती हैं। रिंकी कहती है कि स्कूल में सब बच्चे, सब कुछ, बहुत कुछ खाते हैं, लेकिन वह सब कुछ नहीं खा सकती। रिंकी को तो बहुत दिन यही समझने में लग गये हैं कि उसे ऐसा क्या हो गया है, जो उसे दूसरों से अलग कर देता है?

रिंकी जैसे बच्चों की परेशानियों को ध्यान में रखते हुए ही 'राष्ट्रीय बाल अधिकार संरक्षण आयोग' ने मार्च 2023 में ही राज्यों को एक पत्र लिखकर कहा कि चूंकि बच्चे दिन का एक तिहाई हिस्सा स्कूल में बिताते हैं, इसलिए यह सुनिश्चित करना स्कूलों का कर्तव्य है कि टीआईडीएम वाले बच्चों को उचित देखभाल और आवश्यक सुविधाएं प्रदान की जाएं। आयोग ने कहा कि राज्य सरकारें यह सुनिश्चित करें कि टाइप-1 डायबिटीज़ वाले बच्चे को स्कूल में चिकित्सक की सलाह पर रक्त शर्करा की जांच करने, इंसुलिन का इंजेक्शन लगाने, मध्यान्ह भोजन या नाश्ता करने या अन्य देखभाल करने की आवश्यकता हो सकती है और कक्षा शिक्षक द्वारा ऐसा करने की अनुमति दी जानी चाहिए। आयोग ने यह भी लिखा कि बच्चा चिकित्सक की सलाह के अनुसार खेलों में भाग ले सकता है।

मध्यप्रदेश में रिंकी अभी तक तो इन सभी सुविधाओं से वंचित है, क्योंकि अभी तक राज्य सरकार ने इस मामले में कोई भी ठोस पहल नहीं की है। आयोग के पत्र का राज्य सरकार ने अपनी ओर से जवाब बनाकर अवश्य भेज दिया है, जिसमें जिलेवार संख्या बताई गई है। एनसीडी प्रोग्राम की प्रभारी डिप्टी डायरेक्टर डॉ.नमिता नीलकंठ ने बताया कि स्वास्थ्य विभाग ने अभी तक तो इस संबंध में स्कूल शिक्षा विभाग को कोई भी आधिकारिक पत्र नहीं लिखा है। ऐसे में रिंकी जिस स्कूल में पढ़ती हैं वहां उसको और उस जैसे बच्चों को ये सुविधायें मिलने में अभी और वक्त लगेगा। हालांकि उत्तरप्रदेश सरकार ने हाल ही में इस तरह के आदेश कर दिए हैं।

मध्यप्रदेश सरकार को बच्चों की डायबिटीज़ के मामले में पृथक नीतिगत पहल करने की आवश्यकता है। मध्यप्रदेश की मौजूदा स्वास्थ्य नीति, जो कि अभी भी प्रारूप ही है, में भी डायबिटीज़ अभी कोई ख़ास स्थान नहीं ले पाई है। केवल एक जगह इसका संदर्भ मिलता है। ऐसे में बच्चों की डायबिटीज़ पर सरकार की दृष्टि कब पड़ेगी, यह देखना काबिल-ए-गौर है। यह चुनावी साल है और ऐसे में मध्यप्रदेश में शिवराज सरकार चाहे तो बच्चों के स्वास्थ्य के नज़रिए से महत्वपूर्ण इस विषय पर संज्ञान ले सकती है। नहीं तो रिंकी और उसकी तरह हजारों बच्चे, जो कि पहले से ही डायबिटीज़ से पीड़ित हैं, सरकारी अवहेलना से भी पीड़ित नज़र आयेंगे।

(उन्होंने यह लेख 'रीच फेलोशिप' के तहत लिखा है।)

(लेखक भोपाल स्थित 'आवाज' संस्था से जुड़े हैं।)

पावन प्रसंग

जहां चाह वहां राह निकल आती है

परमात्मा ने सभी को एक से शारीरिक अंग-प्रत्यंग दिए हैं। यदि मनुष्य इनका उचित रूप से प्रयोग करे, तो कोई कारण नहीं कि जीवन क्षेत्र में अभीष्ट सफलता प्राप्त न हो सके। मनुष्य जिस प्रकार की इच्छा और आकांक्षा करता है, वैसी ही परिस्थितियां उसके निकट एकत्रित होने लगती हैं। आकांक्षा एक प्रकार की चुंबकीय शक्ति है, जिसके आकर्षण से अनुकूल परिस्थितियां खिंची चली आती हैं। जहां गड्ढा होता है, वहां चारों ओर से वर्षा का जल सिमट आता है और वह गड्ढा भर जाता है। किंतु जहां ऊंचा टीला होता, वहां भारी वर्षा होने पर भी पानी नहीं ठहरता। आकांक्षा एक प्रकार का गड्ढा है जहां सब ओर से अनुकूल स्थितियां खिंच-खिंचकर एकत्रित होने लगती है, जहां इच्छा नहीं, वहां कितने ही अनुकूल साधन मौजूद हों, पर कोई महत्वपूर्ण सफलता प्राप्त नहीं होती।

संसार के इतिहास को उलटिए महापुरुष गरीबों के घर में पैदा हुए व्यक्ति ही मिलेंगे। देखा गया है कि गरीबों के घर के लड़के बड़ी-बड़ी उन्नतियां कर जाते हैं। अमीरों के लड़के ऐशोआराम की सामग्री सुगमतापूर्वक मिल जाने के कारण उनकी रूचि सुख भोगने में ही रह जाती है। किसी दिशा में महत्वपूर्ण सफलता प्राप्त करने की तीव्र अभिलाषा प्राय: उनमें नहीं होती। अभिलाषा के बिना पौरुष जाग्रत नहीं होता और पुरुषार्थ के बिना कोई महत्वपूर्ण सफलता कठिन है। गरीबों के लड़के अभावग्रस्त स्थिति में पैदा होते हैं, अपनी हीनता और दूसरों की उन्नति देखकर अंत:करण में एक आघात लगता है। इस आघात के कारण उनमें एक हलचल, बेचैनी उत्पन्न होती। उस बेचैनी को शांत करने के लिए वे उन्नत अवस्था में पहुंचने की आकांक्षा करते हैं। यह आकांक्षा ही उस, मार्ग पर ले दौड़ती है, जिस पर चलते हुए महत्वपूर्ण सफलताएं प्राप्त हुआ करती हैं।

गरीबी या अमीरी के साथ उन्नति की असफलता या संबंध जोड़ने का नहीं है। हमारा अभिप्राय केवल यह बताने का है कि जहां जिस वातावरण में इच्छा की, आकांक्षा की कमी रहेगी, वहां विभूतियां प्राप्त न हो सकेगी। जहां इच्छा होगी, अभिरुचि होगी; वहां पैसो का, साधनों का, सहयोग का अभाव भले ही हो, पर धीरे-धीरे अनुकूल वातावरण उत्पन्न हो जाएगा और गौरवास्पद सिद्धि मिलकर रहेगी। यदि संपन्न घर के व्यक्ति को किसी बात की उत्कट अभिलाषा हो, तब तो सोना और सुगंध का संयोग ही समझिए। गरीबों को उन्नति के लिए जिन साधनों को जुटाने में पर्याप्त परिश्रम करना पड़ता है, वे तो अमीरों को अनायास ही प्राप्त हुए होते हैं। इसलिए उनके लिए तो आगे बढ़ने में और भी अधिक आसानी होनी चाहिए।

मन में जो इच्छा प्रधानरूप से काम करती है, उसे पूरा करने के लिए शरीर की समस्त शक्तियां काम करने लगती हैं। निर्णय शक्ति, निरीक्षण शक्ति, अन्वेषण शक्ति, आकर्षण शक्ति, चिंतन शक्ति, कल्पना शक्ति आदि मस्तिष्क की अनेक शक्तियां उसी दिशा में अपना प्रयत्न आरंभ कर देती है. ये शक्तियां जहां सुप्तावस्था में पड़ी होती हैं या विभिन्न दिशाओं में बिखरी रहती हैं, तब मनुष्य की स्थिति अस्त-व्यस्त एवं नगण्य होती हैं, परंतु जब वे शक्तियां एक ही दिशा में कार्य करना आरंभ कर देती हैं तो एक जीवित चुंबकत्व तैयार हो जाता है। जैसे चुंबक पत्थर को कूड़े-कचरे में भी फिराया जाए तो धातुओं के जो टुकड़े इधर-उधर बिखर रहे होंगे, वे सब उससे चिपक जाएंगे। इस प्रकार विशिष्ट आकांक्षाएं मन में धारण किए हुए व्यक्ति अपनी आकर्षण शक्ति से उन सब तत्वों को ढूंढता और प्राप्त करता रहता है, जो लघु कणों के रूप में जहां-तहां बिखरे पड़े होते हैं। जब किसी बात की तीव्र इच्छा होती है पूर्ण करने के लिए साधनों की तलाश आरंभ होती है। अत: कोई न कोई उपाय निकल ही पड़ते हैं। आवश्यकता आविष्कार की जजनी है। जहां चाह होती है वहां राह निकल आती है।

युग निर्माण योजना

आपके पत्र

शिक्षा को रोजगारपरक बनाने की आवश्यकता

सेन्टर फॉर मॉनिटरिंग इंडियन इकॉनामी की जनवरी 2023 में जारी रिपोर्ट के अनुसार भारत में दिसम्बर 2021 तक बेरोजगारों की संख्या 5.3 करोड़ है, जिसमें 3.5 करोड़ लगातार काम खेज रहे हैं। भारत में रोजगार मिलने की दर बहुत कम है। ग्रामीण इलाकों में बेरोजगारी दर में बढ़ोतरी देखने को मिल रही है। जून, 2023 में यह 8.45 फीसदी के पार हो गई जबकि मई, 2023 में यह 7.68 फीसदी पर था। रोजगार सभी की जरूरत है। अधिकांश शिक्षित होकर रोजगार की तलाश में भटक रहे हैं। इनमें कुछ तो नौकरी को प्राप्त कर लेते हैं परंतु अधिकांश इससे वंचित ही रह जाते हैं। जीवन में भोजन, कपड़ा व मकान सभी की जरूरत है। जिसका गुजारा रोजगार के बिना मुमकिन नहीं है। रोजगार से सिर्फ धन ही नहीं कमाया जाता है बल्कि प्रगति करने के मौके भी मिलते हैं। रोजगार हमें ज्ञान के साथ-साथ अपने क्षेत्र में कामयाब कैसे हो सकते हैं? यह भी सिखाता है।

वर्तमान समय में शिक्षा के बाद उसी क्षेत्र में नौकरी करने वालों की संख्या न के बराबर होती है। अक्सर मनुष्य को अपने क्षेत्र से अलग क्षेत्रों में कार्य करना पड़ता है। वर्तमान समय में शिक्षा को रोजगार से जोड़ा जाता है। जो व्यक्ति जितना अधिक शिक्षित या अनुभवी होता है नौकरी में उसका महत्व उतना ही अधिक होता है। लेकिन शहरों की अपेक्षा देश के ग्रामीण क्षेत्रों में शिक्षा का स्तर आज भी बहुत खराब है। गांवों में न तो ढंग का स्कूल है और न ही उसमें बुनियादी सुविधाएं। यदि कुछ स्कूलों में होती भी है तो शिक्षक नियमित रूप से नहीं आते हैं। यदि सब कुछ सही होता है तो जागरूकता और शिक्षा के महत्व से अनजान अभिभावक अपने बच्चों को स्कूल नहीं भेजते हैं। जबकि कुछ अभिभावक इन समस्याओं के कारण अपने बच्चों को शहरों के स्कूलों में पढ़ाने के लिए मजबूर हो जाते हैं, लेकिन जो अभिभावक आर्थिक रूप से सक्षम नहीं होते हैं, उनके बच्चों को उन्हीं स्कूलों में पढ़ने की मज़बूरी होती है। इसका सबसे अधिक नुकसान किशोरियों को होता है जो पढ़ना तो चाहती हैं लेकिन शिक्षा की जर्जर व्यवस्था की उनके सपनों को तोड़ देता है।

पर्वतीय क्षेत्रों में शिक्षा के संसाधनों व जागरूकता की कमी पर अपने विचार रखते हुए खीमानन्द इंटर कॉलेज, सेलालेख के प्रधानाचार्य मोहनचन्द्र मेलकानी बताते हैं कि पर्वतीय क्षेत्रों में परिवार उच्च शिक्षा के महत्व से अछूते हैं। उनका ध्यान बच्चों की उच्च शिक्षा पर न होकर घर की आर्थिक स्थिति सुधारने में अधिक होता है। अत: इंटर की शिक्षा के बाद उच्च शिक्षा के स्थान पर प्राइवेट नौकरी के लिए बच्चों को बाहर निकलने का दबाव बनाया जाता है जिससे उनका पूरा ध्यान पैसा कमाने पर केन्द्रित हो जाता है और वह उच्च शिक्षा से वंचित होकर होटलों, दुकानों, फैक्ट्रियों व कंपनियों में मामूली सी तनख्वाह पर काम करने लग जाते हैं। दूसरी तरफ उच्च व तकनीकी शिक्षा इतनी महंगी भी हो गई है कि ग्रामीण समुदाय इस शिक्षा को अपने बच्चों को दिला पाने में सक्षम भी नहीं है।

ज़्यादातर युवा केवल डिग्री लेने के उद्देश्य से एडमिशन लेते हैं। किस विषय को लेने से रोज़गार प्राप्त करने में आसानी होगी, यह न तो छात्र जानते हैं और न ही उनके अभिभावक को पता होता है। ऐसे समय में उनका कोई मार्गदर्शन करने वाला भी नहीं होता है। जागरूकता की कमी के चलते भी पर्वतीय समुदाय के युवा रोजगार से वंचित रहते हैं। जबकि अभ्यर्थी की जिस विषय में रूचि हो, उन्हें इसकी विस्तृत जानकारी लेनी चाहिए। प्रो सिंह कहते हैं कि सरकार द्वारा युवा वर्ग को प्रशिक्षित करने के लिए कई सकारात्मक योजनाएं चलाई जा रही हैं जिनका सफल परिणाम भी देखने को मिला है। आईटीआई के प्लेसमेंट्स में बढ़ोतरी देखने को मिल रही है। अधिकतर ग्रामीण प्रतिभाएं विशेषकर मध्यम वर्गीय परिवार के बच्चे आगे नहीं बढ़ पाते हैं। इस पर शासन, प्रशासन व राजनीतिक दलों को गंभीरता से सोचना होगा। साथ ही व्यावसायिक प्रशिक्षण और कौशल विकास को बढ़ावा दिया जाना चाहिए। डिजिटल मंच रोजगार शिक्षा को दिये जाने का सशक्त माध्यम है। जिसका लाभ उठाने की ज़रूरत है।

गिरीश बिष्ट, रुद्रपुर उत्तराखंड

बेतवा- पार्वती अंचल

सार-समाचार

रायसेन की अंजना यूरोप के सबसे ऊंची चोटी पर फहराएगी तिरंगा

रायसेन, देशबन्धु। जिले की ख्याति प्राप्त पर्वतारोही अंजना यादव स्वतंत्रता दिवस 15 अगस्त को यूरोप की सबसे ऊंची चोटी माउण्ट एल्बुस जो कि रूस देश की ओर क्लाइंम्ब कर भारतीय राष्ट्रध्वज तिरंगा फहरायेगी। कलेक्टर अरविंद दुबे द्वारा कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में अंजना यादव को राष्ट्रध्वज सम्मान पूर्वक सौंपते हुये माउंट एल्बुस के आरोहरण की शुभकामनाओं के साथ रवाना किया गया। इस अवसर पर पुलिस अधीक्षक विकाश शहवाल, जिला पंचायत सीईओ अंजू पवन भदौरिया, अपर कलेक्टर अभिषेक दुबे, जिला खेल और युवा कल्याण अधिकारी जलज चतुर्वेदी सहित सभी विभाग प्रमुख उपस्थित रहे एवं सभी के द्वारा अंजना को सफलता हेतु शुभकामनाएं दी।

160 लोग उमरे के लिए होंगे रवाना

सिरोंज, देशबन्धु। उमरे पर जा रहे जफर उल्लाह ने बताया कि दिलकश एजुकेशन सोसायटी के द्वारा हर वर्ष उमरे के लिए जत्था ले जाते आ रहे हैं। इसी तारतम्य में 13 अगस्त को सिरोंज एवं आसपास के क्षेत्र से 160 लोग उमरे के लिए रवाना होंगे। उमरे की ट्रेनिंग के लिए भोपाल से आये ट्रेनर एवं मुफ्ती अब्दुल रजाक ने उमरे के तौर तरीके बताएं उमरे में क्या-क्या करना होता है उसकी जानकारी दी गई। इस दौरान दिलकश एजुकेशन सोसाइटी के संचालक नासिर खान ने उमरे पर जा रहे सभी लोगों को दिली मुबारकबाद दी।

शहीद ए कर्बला की याद मे मुस्लिम राष्ट्रीय मंच ने पिलाया शर्बत

गंजबासौदा, देशबन्धु। हजरत इमाम हसन, हुसैन और उनके 72 शहीद साथियों की याद मे मुस्लिम राष्ट्रीय मंच द्वारा रविवार को मंच कार्यालय पर गौ दुग्ध शर्बत वितरण किया गया । इसके पूर्व अखंड भारत संकल्प दिवस, विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस, स्वतंत्रता दिवस, घर घर तिरंगा अभियान, समान नागरिक संहिता, यूसीसी जागरण अभियान, स्वच्छता पखवाड़ा एवं मतदाता जागरण अभियान को लेकर जिला स्तरीय समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में मंच के गौ, पर्यावरण एवं सेवा कार्य प्रकोष्ठ के राष्ट्रीय सह संयोजक सैयद शफाकत हुसैन ने कहा कि सच्चाई व अच्छाई से बड़ा कोई मजहब व धर्म नहीं है। इमाम साहब की याद में मुहर्रम तो लोग मनाते हैं मगर उनकी बातों को नहीं मानते हैं। इस अवसर पर काजी सैयद अंसार हुसैन ने इमाम हुसैन की शिक्षाओं को पाठयक्रम मे शामिल करने की मांग भी रखी। इस अवसर पर वतन पर मिटने वाले शहीदों एवं पूर्व विदेश मंत्री सुषमा स्वराजको श्रद्धांजलि दी गई।

टीकाकरण से अनेक बीमारियों से बचा जा सकता हैं: डॉ. चौधरी

- स्वास्थ्य मंत्री ने सघन मिशन इंद्रधनुश 5.0 अभियान का किया प्रदेश स्तरीय शुभारंभ

रायसेन, देशबन्धु। स्वास्थ्य मंत्री डॉ प्रभुराम चौधरी द्वारा जिला चिकित्सालय में सघन मिशन इंद्रधनुष 5.0 का राज्य स्तरीय शुभारंभ कार्यक्रम का कन्यापूजन और दीप प्रज्जवलन कर शुभारंभ किया गया। इस अवसर पर उन्होंने टीकाकृत बच्चों के अभिभावकों तथा गर्भवती महिलाओं को टीकाकरण प्रमाण पत्र भी प्रदान किए।

स्वास्थ्य मंत्री डॉ. चौधरी ने उपस्थित नागरिकों को संबोधित करते हुए कहा कि आज रायसेन से प्रदेश स्तरीय सघन मिशन इंद्रधनुष 5.0 अभियान का शुभारंभ किया जा रहा है। यह अभियान 07 अगस्त से 14 अक्टूबर तक तीन चरणों 7 से 12 अगस्त, 11 से 16 सितंबर एवं 9 से 14 अक्टूबर 2023 में संचालित किया जाएगा। दिनांक 25 दिसम्बर 2014 को सुशासन दिवस पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा मिशन इंद्रधनुष को शुरू किया था। उन्होंने कहा कि मिशन इंद्रधनुष 5.0 के तहत 0 से 5 वर्ष के बच्चों तथा गर्भवती महिलाओं का टीकाकरण किया जाएगा। सरकार का, स्वास्थ्य विभाग का लक्ष्य है कि कोई भी पात्र बच्चा और गर्भवती महिला टीकाकरण से छूटे नहीं। इसके लिए किन्हीं कारणों से जो हम तक नहीं पहुंच सकते, उन तक हम पहुचेंगे। बच्चों, गर्भवती महिलाओं का सही समय पर टीकाकरण होने से उनका अनेक बीमारियों से बचाव होता है। स्वास्थ्य मंत्री डॉ चौधरी ने कहा कि स्वास्थ्य विभाग का टीकाकरण कार्यक्रम साल दर साल प्रगति पर पहुंच रहा है। कोरोना काल के समय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में हमारे वैज्ञानिकों ने स्वदेशी टीका बनाया। मुझे कहते हुए प्रसन्नता है कि हम कोविड टीकाकरण में प्रथम स्थान

पर रहे। देश का पहला शत-प्रतिशत कोविड टीकाकृत गॉव हमारे झाबुआ जिले का था। उन्होंने कहा कि मीजल्स रूबेला टीकाकरण एमआर अभियान में भी दो करोड़ 32 लाख टीके लगाए गए। स्कूल टीकाकरण अभियान में 36 लाख बच्चों का टीकाकरण किया गया। रायसेन और विदिशा के अंतर्गत दो लाख 67 हजार बच्चों का टीकाकरण किया गया।

स्वास्थ्य मंत्री डॉ चौधरी ने कहा कि मिशन इन्द्रधनुष के विभिन्न चरणों में मध्यप्रदेश ने 26 प्रतिशत से अधिक पूर्ण टीकाकरण सुधारकर देश में सर्वाधिक उपलब्धि प्राप्त करने वाले राज्य का दर्जा हासिल किया है। इसके अतिरिक्त देश का पहला जिला, सागर जिले में पूर्ण टीकाकरण कर देश में सर्वाधिक पूर्ण टीकाकरण जिला घोषित कराने में सफलता प्राप्त की है। उन्होंने कहा कि आयुष्मान कार्ड बनाने के मामले में भी हमारा मध्यप्रदेश देश में पहले स्थान पर है। नागरिकों को संबोधित करते हुए स्वास्थ्य मंत्री डॉ चौधरी ने कहा कि प्रदेश में लगातार स्वास्थ्य सेवाओं और सुविधाओं का विस्तार किया जा रहा है। मप्र पहला राज्य है जहां हमने कैडर बनाया है। एडमिनिस्ट्रेशन कैडर अलग, स्पेशलिस्ट कैडर अलग, मेनेजमेंट कैडर अलग, मेडिकल ऑफिसर कैडर अलग। कैडर के अनुसार लगभग 47 जिलों में प्रबंधकों को नियुक्त किया है जो व्यवस्थाएं भी देखेंगे। उन्होंने कहा कि शासकीय अस्पतालों, स्वास्थ्य केन्द्रों में दवाईयों की संख्या बढ़ाई गई हैं। जिला अस्पतालों में 500 से अधिक, सिविल अस्पतालों तथा सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्रों में 400 से अधिक और उप स्वास्थ्य केन्द्रों में भी 126 प्रकार की दवाईयां मिल रही हैं। उन्होंने कहा कि आशा बहनों की पेमेंट बढ़ाकर तीन गुना कर दी गई है तथा आशा सहयोगिनी की पेमेंट बढ़ाकर 15 हजार कर दी गई है।

विधायक निधि से 19 करोड़ के विकास कार्यों की दी सौगात

कांग्रेस नेताओं ने नगर के लिए कोई काम नहीं किया:शर्मा

सिरोंज, देशबन्धु। विकास पर्व के दूसरे चरण में विधायक उमाकांत शर्मा ने सोमवार को सुखिया जटाशंकर मंदिर पर आयोजित एक कार्यक्रम में शहर को करीब 19 करोड़ की सौगात दी। विधायक ने बताया कि आगामी 50 साल की प्यास बुझाने का काम हम कर रहे हैं जिन क्षेत्रों में अभी तक पानी नहीं पहुंच रहा है उस पर भी हम पानी भेज रहे हैं और ऐसी कई सौगातें आज भी विकास के दूसरे चरण में जनता को लोकार्पित कर रहे हैं। कांग्रेस के नेताओं को आड़े हाथों लेते हुए कहा कि वह भी भाजपा की कल्याणकारी योजनाओं का लाभ ले रहे हैं यदि मोदी, शिवराज के इतने ही विरोधी हैं तो वे किसान सम्मान निधि, कुटीर पेंशन आदि योजनाओं का लाभ लेना बंद कर दें। पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह व उनके भाई पूर्व सांसद लक्ष्मण सिंह को आड़े हाथों लेते हुए कहा कि झूठ बोलकर चुनाव में लड़ाने वाले इन लोगों ने सिरोंज के लिए कुछ नहीं किया जबकि मुख्यमंत्री सांसद तक रहे। दुर्भाग्य रहा कि सिरोंज नगर में तत्कालीन नगर पालिका अध्यक्ष उर्मिला रमेश यादव के कार्यकाल में तीन नालों के निर्माण के सवा तीन करोड़ रुपए तक उन्होंने वापस ले लिए और दुर्भाग्य तो यह है कि सिरोंज के ही नेता सिरोंज को चाचौड़ा में मिलने के लिए लिखकर देकर आए थे। जिला बनाने के लिए धरने पर बैठे न्याय मंच के जिम्मेदारों को भी विधायक ने जमकर कोसा। उन्होंने चेतावनी देते हुए कहा है जो भी गुंडे मवाली तत्व चाहे वह किसी धर्म के हो बदमाशी करेंगे तो कानून अपना काम करेगा और मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान की मंशा के अनुरूप जमीन में गाड़ दिया जाएगा।

सुखिया में सावन सोमवार को नगर के प्राचीन तीर्थक्षेत्र जटाशंकर महादेव मंदिर से क्षेत्रीय विधायक उमाकांत शर्मा ने शहर में अमृत 2.0 योजना के तहत 18 करोड़ की लागत से बिछाई जाने वाली पाइप लाइन विस्तारीकरण योजना के साथ कुल करीब 19 करोड़ से अधिक की राशि के विभिन्न निर्माण कार्यों भूमिपूजन एवं लोकार्पण किया। नवीन पाइप लाइन के विस्तार हो जाने से शहर के अनेक वार्डों में करीब 2500 परिवारों को नवीन पेयजल कनेक्शन के लिए उपलब्ध हो सकेगी। इसके साथ ही इस योजना में 32 लाख लीटर क्षमता की दो नवीन पानी की टंकियां एवं 72884 मीटर एचडीपीई पाइप लाइन का विस्तार होगा। महंत पुरषोत्तम दास के मुख्यातिथ्य में सम्पन्न हुए कार्यक्रम को भाजपा मंडल अध्यक्ष पारस तारण पूर्व नपाध्यक्ष संतोष चौरे ने भी संबोधित किया। इस अवसर पर प्रमुख रूप से नपाध्यक्ष मनमोहन साहू,उपाध्यक्ष मनोज साईंनाथ,पार्षदगण,संगठन के पदाधिकारीगण एवं आम नागरिक आदि उपस्थित रहें।

गांव में रैली निकालकर किया मतदाताओं को जागरूक

गंजबासौदा, देशबन्धु। निर्वाचन आयोग के निर्देश पर मतदाताओं को जागरूक करने के लिए प्रचार रथ ग्रामीण क्षेत्र में पहुंच रहा है। जहां मतदाताओं को मत डालने के अधिकार सहित कई महत्वपूर्ण जानकारियां दी जा रही है। पोस्टर बैनर के साथ रैलियां भी निकाली जा रही है 18 साल पूरे होने वाले मतदाताओं को मतदाता सूची में नाम दर्ज करने के लिए भी प्रेरित किया जा रहा है। सोमवार को ग्राम बेहलोट पंचायत के पांचों मतदान केंद्रों पर मतदाता जागरूकता अभियान रैली निकाली गई एसडीएम विजय राय ने इस अवसर पर वहां उपस्थित मतदाताओं को अपने मताधिकार की जानकारी दी साथ ही 18 वर्ष पूर्ण होने वाले युवाओं को मतदाता सूची में नाम जुड़वाने के लिए प्रेरित किया इस अवसर पर तहसीलदार संदीप जायसवाल वीआरसी कपिल तिवारी ने मतदाताओं को मतदान के विषय मे जागरूक किया। मालूम हो कि 2023 में संपन्न होने जा रहा है विधानसभा चुनाव को लेकर निर्वाचन के लिए व्यापक स्तर पर तैयारियां चल रही है। मतदाताओं को अपने अधिकारों के प्रति जागरूक करने, मतदान में भाग लेने और युवा मतदाताओं को मतदाता सूची में नाम जुड़वाने के लिए प्रेरित करने हेतू स्वीप अभियान के अंतर्गत विभिन्न गतिविधियां चलाई जा रही है। यह प्रचार रथ विधानसभा के अलग-अलग गांवों में क भ्रमण कर रहा है। यह प्रचार रथ भ्रमण के दौरान क्षेत्र में लोगों को मतदान तथा मतदाता सूची में नाम दर्ज कराने के लिए प्रेरित कर रहा है। प्रचार रथ के माध्यम से बताया जा रहा है कि एक अक्टूबर 2023 को 18 वर्ष की आयु पूर्ण करने वाले युवा अपना नाम मतदाता सूची में जुड़वा सकते हैं। बनवा जागीर में पहुंचे प्रचारक में यहां उपस्थित पटवारी शिक्षकों ने लोगों को मतदान की प्रक्रिया समझाए और 18 वर्ष से उन्होंने वाले युवाओं को नाम जोड़ने के लिए प्रेरित भी किया।

पचेखा हत्याकांड में भाई को झूठा फंसाने का लगाया आरोप

मुरैना, देशबन्धु। कैलारस थाना पुलिस द्वारा पचेखा हत्याकांड में मेरे भाई को पुलिस ने झूठा फंसाया है तथा आरोपियों द्वारा मेरे घर की तोड़फोड़ कर पुलिस में ट्रैक्टर ट्राली को जप्त कर लिया तथा उसे रेत के मामले में बंद कर दिया है। उक्त आरोप सोनू सिंह तोमर ने दिए आवेदन में लगाए हैं। कैलारस थाना के अपराध क्रमांक 75/2023 को ग्राम पचेखा मैं हुए हत्याकाण्ड मे गब्बर सिंह की मौत हो गई थी, जिसमें मेरे भाई मोहन सिंह तोमर को झूठा फंसाया गया है, जबकि मेरा भाई उस समय घर पर ही था। इस संबंध में पुलिस अधिकारियों को कई आवेदन दिए गए परंतु कोई सुनवाई नहीं हुई है। गांव के ही जयपाल सिंह, वीरसिंह, मानवेंद्र सिंह एवं उनका पूरा परिवार मेरे परिवार को जान से मारने की धमकी देकर खेती को भी नही जोतने दे रहे है। 21 फरवरी 2023 को पुलिस हमारे ट्रेक्टर उठाकर थाने ले आई। पुलिस वाले बोले रहे थे कि अपने भाई को थाने भेजे दो, तभी ट्रेक्टर को वापस कर देंगे। मैंने अपने भाई को थाने में हाजिर भी कर दिया है और पुलिस वालों ने ट्रेक्टर में रेत भरवाकर झूठी कार्यवाही कर दी। पीड़ित सोनू सिंह तोमर ने पुलिस अधिकारियों से न्याय की गुहार लगाई है।

कोचिंग से घर जा रहे युवक को नकाबपोश बदमाशों ने पीटा, वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल

मुरैना, देशबन्धु। जिले के अंबाह थाना अंतर्गत परेड चौराहे से कोचिंग पढ़ कर अपने घर जा रहे एक युवक की कुछ नकाबपोश बदमाशों ने जमकर मारपीट की जिसका वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। पुलिस द्वारा आरोपियों के विरुद्ध मामला दर्ज किया गया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार अंबाह के परेड चौराहे पर अरबीपुरा के युवक राहुल सखवार की कुछ अज्ञात युवकों द्वारा मारपीट की गई। इस घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। बताया जाता है कि अरबीपुरा गांव निवासी राहुल सखवार कोचिंग से अपने घर की तरफ जा रहा था, उसी दौरान परेड चौराहे की एक गली पर उसे मुंह बांधे हुए कुछ युवकों ने घेर लिया और उसके साथ मारपीट प्रारंभ कर दी। वीडियो में दिख रहा है कि उसी दौरान एक मोटरसाइकिल सवार भी आया और उसने मोटरसाइकिल एक तरफ खड़ी करके राहुल की मारपीट की। यह घटना शनिवार की बताई जा रही है, जिसका वीडियो सोमवार को सोशल मीडिया पर वायरल हुआ है। बताते हैं कि उक्त घटना को नकाबपोश बदमाशों ने पुरानी रंजिश के चलते अंजाम दिया है। फिलहाल पुलिस मामले की जांच पड़ताल में लगी हुई है।

ट्रैक्टर-ट्रॉली की टक्कर से बाइक सवार 2 भाई घायल

मुरैना, देशबन्धु। सिविल लाइन थाना क्षेत्र के एबी रोड स्थित जैन मंदिर के सामने ट्रैक्टर ट्रॉली चालक ने बाइक सवार दो भाइयों को टक्कर मारकर घायल कर दिया, जिन्हें उपचार हेतु स्थानीय अस्पताल में भर्ती कराया गया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार राजवीर पुत्र हरगोविंद कुशवाह उम्र 38 निवासी अतरसुमा वार्ड नंबर 4, परशुराम पुत्र वृंदावन उम्र 37 निवासी अतरसुमा दोनों चचेरे भाई बाइक से बच्चों को स्कूल छोड़कर वापस घर जा रहे थ। हाइवे स्थित जैन मंदिर के समाने तूरी के खाली टैक्टर ट्राली चालक ने तेज गति से बाइक में टक्कर मार दी, जिससे दोनों भाई घायल हो गए। स्थानीय लोगों की मदद से उन्हें जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उनका उपचार चल रहा है घटना के बाद ट्रैक्टर ट्राली चालक फरार बताया गया है।

सावन के पाचवें जयकारों के साथ निकाली गई कावड़ यात्रा, मंदिरों में किया अभिषेक

गंजबासौदा, देशबन्धु। सावन के पाचवे सोमवार को शिवालयों में हर-हर महादेव के साथ अभिषेक आयोजित हुए। छोटी-छोटी कावड़ यात्रा में भी निकली गई। सुबह से देर शाम तक मंदिरों में अभिषेक जारी रहे। सावन और अधिक मास का महीना भगवान शिव के लिए समर्पित रहता है । पूरे महीने प्रसिद्ध मंदिरों सहित शहर के शिव धामों सहित श्रद्धालु घरों में भगवान शिव का अभिषेक भी करते हैं ।अधिक मास के पवित्र महीने के पाचवे सोमवार के अवसर पर शहर और आस-पास के शिवालयों में सुबह से लेकर शाम तक मंदिरों में रुद्राभिषेक के साथ महाआरती का आयोजन किया गया। सुबह से ही शहर के सभी मंदिरों में भगवान शिव को जल चढ़ाने के लिए लोगों की भीड़ लगी रही। वहीं मंदिरों में आज भगवान शिव का विशेष श्रृंगार किया गया। शहर से करीब 16 किलोमीटर दूर स्थित ग्राम उदयपुर के प्राचीन नीलकंठेश्वर मंदिर में भी बड़ी संख्या में लोग भगवान शिव के दर्शन करने के लिए पहुंचे ।सावन के इस महीने में आने वाले सभी सोमवार को बड़ी संख्या में कई लोग ग्राम उदयपुर के प्राचीन नीलकंठेश्वर मंदिर पहुंचकर भगवान शिव के दर्शनों का लाभ लेते हैं।

पुलिस ने बड़ी कार्रवाई, 8 वारंटियों को किया गिरफ़्तार

भेरुन्दा /नसरुल्लागंज, देशबन्धु। वरिष्ठ कार्यालय के निर्देशों पर स्थाई वारंटियों के विरुद्ध कार्रवाई करते पुलिस स्टाफ के द्वारा कम्बिंग गश्त कर 8 वारंटियों को गिरफ़्तार किया गया। 2 वारन्टी के 2-2 वारंट होने पर कुल 10 स्थाई वारंट तामील कराए गए। उसके बाद वारंटियों को न्यायालय मे पेश किया गया। सीहोर जिला पुलिस अधीक्षक मयंक अवस्थी के निर्देशानुसार अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक गीतेश कुमार गर्ग एवं एसडीओपी भेरुन्दा आकाश अमलकर के मार्गदर्शन में थाना प्रभारी निरीक्षक कंचन सिंह ठाकुर के कुशल नेतृत्व में एक टीम गठित की गई। जिसमें पुलिस की गठित टीम द्वारा 6.8.2023 को रात्रि कम्बिंग गश्त आयोजित की गई। जिसमें थाना भेरुन्दा के स्थाई वारंटी रज्जन उर्फ राजेन्द्र बडगुजर, रेवाराम, जगदीश पुरी, रामदिन मेहरा, रामसिंह मेहरा, मनोहर गोंड, मो. अलीम पिता मुनव्वरअली, अमित काचले, को गिरफ्तार कर वारण्टीयो को सक्षम न्यायालय पेश किया गया। इस कार्रवाई में थाना प्रभारी कंचन सिंह ठाकुर, सउनि मुकेशसिहं राजपतू ,प्रआर.राजेन्द्र चन्द्रवंशी ,प्रआर. भुवनेश्वर प्रसाद प्रआर.धर्मेन्द्र गुर्जर प्रआर. रामशंकर परते आर. पुष्पेन्द्र जाट आर. विनोद सोलंकी आर. राम कैलाश दांगी आर. संदीप चोधरी आर. जितेन्द्र कीर महिला आरक्षक प्रिती काजले महिला आरक्षक वैशाली तिवारी सैनिक राजेन्द्र सैनिक शैलेन्द्र मुकाती का सराहनीय काम रहा है । पुलिस अधीक्षक अवस्थी द्वारा टीम को नगद पुरस्कार देने की घोषणा की गई

छेड़छाड़ के आरोपी के घर पर बुलडोजर चलाया

सिरोंज, देशबन्धु। विधानसभा की लटेरी तहसील में पिछले दिनों एक 12वीं की छात्रा द्वारा छेड़छाड़ से परेशान होकर आत्महत्या करने के मामले में आज प्रशासन ने आरोपी के मकान को तोड़ने की कार्रवाई की है। इस दौरान आरोपी के द्वारा किए गए अतिक्रमण पर बने मकान को जेसीबी के माध्यम से तोड़ दिया गया। कार्रवाई के दौरान बड़ी संख्या में आसपास के थानों का पुलिस बल मौजूद रहा वहीं राजस्व एवं नगरीय प्रशासन विभाग से भी बड़ी संख्या में कर्मचारी मौजूद रहे।

चंबल में अब होगा इंसाफ वेब सीरिज की शूटिंग जारी

मुरैना, देशबन्धु। मुरैना जिला अब लगातार फिल्म शूटिंग के लिए फिल्म निर्माताओं की पसंदीदा जगह बनता जा रहा है। हाल ही में दोनाली, हथकडी,वाटर एक साजिश, सोन चिरैया, फैमस, पान सिंह तोमर, पामा द किन्नर स्टोरी जैसी फिल्मों का निर्माण यहां पर किया गया। हालांकि चंबल में फिल्म निर्माण का इतिहास सदियों पुराना है। चंबल की कसम, डकैत जैसी कई बडी फिल्में यहां पर फिल्माई जा चुकी है, पर खास बात ये है कि चंबल की माटी से निकल कर फिल्मा निर्माता, निर्देशक, लेखक अब फिल्मों का निर्माण कर रहे है। ऐसे ही फिल्म निर्माता, निर्देशक और लेखक विजय तिवारी अब होगा इंसाफ का निर्माण मुरैना में कर रहे हैं।

मुम्बई से मान्यता प्राप्त एसआरडी फिल्मस आर्ट फिल्म ने अभी तक वाटर एक साजिश, हथकडी-1, हथकडी-2 जैसी वेब सीरिज का निर्माण कर चूकी है, जो कि एमएक्स प्लेयर, हंगामा प्ले, वीआई मूवीज,

एयरटेल एक्सट्रीम जैसे ओटीटी पर प्रदर्शित हो रही है। 'अब होगा इंसाफ' की कहानी सत्य घटना पर आधारित कहानी है, जिसमें दिखाया गया है कि किस तरह से लड़कियों के साथ गलत काम करने वाले या उनकी हत्या करने वालों के खिलाफ आम जनता में गुस्सा पनप रहा है। लड़कियों पर अत्याचार करने वाले और उनको काटने वालों के लिए इस समाज में इस दुनिया में कोई जगह नहीं है। अब होगा इंसाफ में मुम्बई से चिडियाघर, नीली छतरी वाले, रंगबाज, रावण, गुठली, लड्डू जैसी कई फिल्मों में भूमिका निभा चूके आरिफ शहडोली ने मुख्य भूमिका निभाई है। उन्होंने चंबल में फिल्म निर्माण को लेकर बडी संभावना जताई है। उनके अनुसार चंबल में फिल्म निर्माण को लेकर एक लघु उधौग विकसित किया जा सकता है। यहां की ऐतिहासिक धरोहरे शूटिंग के लिए सबसे उपयोगी है।

प्राकतिक रूप से यहां ऐसे कई स्थान है जो कि देश और दुनिया की नजरो से छिपे हुए है। अब होगा इंसाफ में मुम्बई से आरिफ शहडोली, अजय कुबेर, सचिन दाहिया, सपना भोज, बलराम शर्मा, नीतीश कुमार, यूनूश खान, फारूक हाश्मी, रजत राजपूत, अजय सोनी, लतीफ शाह, अनिल गोयल, नीलम दोहरे, शबाना अहमद, रिंकू, राहुल रघुवंशी, सन्नी भदकारिया, राजेश वर्मा, किशोर कुशवाह, दीपक कुशवाह, सागर गुप्ता सहित कई कलाकारों ने अभिनय किया है।

ताप्ती तीरे

सार समाचार

अब महिला आईटीआई में छात्र भी रिक्त सीटों पर प्रवेश ले सकेंगे

बैतूल, देशबन्धु। शासकीय एकलव्य महिला औद्योगिक प्रशिक्षण संस्था में संचालित 8 ट्रेडों में प्रवेश की प्रक्रिया के ओपन राउंड प्रवेश प्रक्रिया के लिए ऑनलाईन आवेदन 14 अगस्त तक कर सकते है। संस्था प्राचार्य रेवाशंकर पंडाग्रे ने बताया कि इस राउंड में प्रदेश एवं प्रदेश के बाहर के आवेदक भी प्रवेश ले सकेंगे। वहीं सीटों का कन्वर्जन भी किया जाएगा। अब महिला आईटीआई में पुरूष भी रिक्त सीटों पर प्रवेश ले सकेंगे। इस संस्था में संचालित इलेक्ट्रीशियन, इलेक्ट्रानिक्स मेकेनिक और इंफार्मेशन कम्यूनिकेशन टेक्नॉलाजी एण्ड सिस्टम मेंटेनेंस दो वर्षीय पाठ्यक्रम हैं। इसी प्रकार कोपा, स्टेनो हिन्दी, स्टेनो अंग्रेजी, फ्लोरीकल्चर एण्ड लेण्ड स्केपिंग एवं स्वींइग टेक्नॉलॉजी एक वर्षीय पाठ्यक्रम हैं। सभी ट्रेड एनसीवीटी से मान्यता प्राप्त हैं। केवल 8वीं उत्तीर्ण के लिए स्वीइंग टेक्नोलॉजी (सिलाई) में प्रवेश का सुनहरा अवसर है। अंग्रेजी भाषा के जानकार स्टेनों अंग्रेजी में प्रवेश ले सकते हैं। स्टेनो अंग्रेजी में उत्तीर्ण होने वाले हाई कोर्ट, सचिवालय आदि में स्टेनोग्राफर/स्टेनोटायपिस्ट जैसे पदों में नियुक्ति पाने का अवसर है।

भैंसदेही में विधानसभा क्षेत्र खेल प्रतियोगिता का स्थान बदला

बैतूल, देशबन्धु। खेल और युवा कल्याण विभाग द्वारा जिलों में खेल गतिविधियों के व्यापक प्रचार-प्रसार एवं युवाओं की सहभागिता हेतु प्रत्येक विधानसभा क्षेत्र में खेल प्रतियोगिताओं के आयोजन किए जा रहे हैं। विधानसभा क्षेत्र भैंसदेही में 17 अगस्त को शासकीय हायर सेकेंडरी स्कूल ग्राम झल्लार में आयोजित होने वाली व्हालीबॉल प्रतियोगिता का बदलकर मिनी स्टेडियम ग्राउण्ड भैंसदेही किया गया है। प्रतियोगिता में महिला एवं पुरूष खिलाड़ी भाग ले सकते हैं। खिलाड़ियों का आयु बंधन नहीं है। विधानसभा क्षेत्र 133 भैंसदेही के ही खिलाड़ी प्रतियोगिता में प्रतिभागिता कर सकते हैं।

सर्वोत्तम कृषक एवं कृषक समूह पुरस्कार से सम्मानित होंगे किसान

बैतूल, देशबन्धु। सब मिशन ऑन एग्रीकल्चर एक्सटेंशन आत्मा अंतर्गत सर्वोत्तम कृषक एवं कृषक समूह पुरस्कार के माध्यम से वर्ष 2022-23 में अपनाई गई कृषि तकनीकी, उपज एवं उत्पादकता के आधार पर जिले के कृषकों को सम्मानित किया जाएगा। प्रत्येक विकासखंड से कृषि, उद्यानिकी, पशु पालन, मत्स्य पालन, रेशम पालन एवं कृषि यंत्रो का उपयोग करने वाले कृषकों का चयन किया जाना है। प्रत्येक विकासखंड से सर्वोच्च अंक प्राप्त करने वाले कृषक का चयन जिला कलेक्टर सह अध्यक्ष आत्मा गर्वनिंग बोर्ड की अध्यक्षता में गठित समिति के द्वारा किया जाएगा। इच्छुक कृषक, पुरस्कार हेतु प्रविष्टियां निर्धारित प्रपत्र में मय संलग्न दस्तावेजों के साथ बंद लिफाफे में 12 अगस्त तक संबंधित विकासखंड के वरिष्ठ कृषि विकास अधिकारी, ब्लॉक टेक्नोलॉजी मैनेजर आत्मा को कार्यालय में प्रस्तुत कर सकते हैं। इच्छुक कृषक, सर्वोत्तम कृषक पुरस्कार एवं जिला स्तरीय सर्वोत्तम कृषक समूह पुरस्कार के आवेदन पत्र विकासखंड के वरिष्ठ कृषि विकास अधिकारी के कार्यालय, ब्लॉक टेक्नोलॉजी मैनेजर आत्मा से नि:शुल्क प्राप्त कर सकते है।

2 साल से नगर के स्कूलों में विद्यार्थियों को नहीं मिली गणवेश

सत्र शुरू होने के 2 महा बाद स्कूल पहुंची 40 प्रतिशत पुस्तकें

मुलताई, देशबन्धु। शिक्षा के क्षेत्र में सुधार के लिए शासन अनेक योजना चला रहा है किंतु क्रियान्वयन की खामियों के चलते योजनाओं का लाभ शासकीय शाला के विद्यार्थियों तक नहीं पहुंच पा रहा है। शाला में गणवेश वितरण योजना के क्रियान्वयन का अनुमान इससे लगाया जा सकता है कि विद्यार्थियों को बीते 2 वर्षों से स्कूल ड्रेस नहीं मिली है। पुस्तकों का भी स्कूल प्रारंभ होने के 2 महीने बाद वितरण प्रारंभ हुआ है। इस संबध में जानकारी मिलने पर पार्षद एवं सभापति सामान्य प्रशासन अंजलि शिवहरे ने स्कूलों का जायजा लिया। उन्होंने पाया कि मुलताई नगर के स्कूलों में विद्यार्थियों को बीते 2 सालों से स्कूल ड्रेस नहीं मिल पाई है। आधी किताबें स्कूल प्रारंभ होने के 2 माह बाद अभी मुख्यालय पहुंची है, जिनका स्कूलों में वितरण किया जा रहा है। शासकीय नवीन उच्चतर माध्यमिक विद्यालय प्रधान पाठीका पुष्पा पांसे ने सभापति को बताया कि उनके स्कूल में बीते 2 वर्षों से विद्यार्थियों को ड्रेस नहीं मिली है। शासकीय माध्यमिक शाला पटेल वार्ड में दर्ज संख्या 60 है,यहां पर भी गणवेश का वितरण नहीं हुआ है। बच्चे रंग बिरंगे परिधानों में स्कूल आ रहे हैं। शाला शिक्षकों ने बताया कि कई बार तो 1 साल की गणवेश दूसरा सत्र समाप्त होने के बाद आती है। अनेक बच्चों को तो ड्रेस मिल नहीं पाती वह कक्षाएं छोड़करदूसरी कक्षा में प्रवेश ले लेते हैं और इस प्रकार अनेक छात्र शासन की गणवेश योजना से वंचित हो जाते हैं।

नगर पालिका पार्षद एवं सभापति सामान्य प्रशासन अंजलि शिवहरे ने शिकायत मिलने के बाद शासकीय प्राथमिक शाला पटेल वार्ड, शासकीय नवीन उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, नगर पालिका प्राथमिक शाला टेकड़ वाला स्कूल का जायजा लेने के बाद बताया कि शिक्षा को बेहतर बनाने के लिए शासन द्वारा चलाई गई योजना हवा में तैर रही है। जमीनी स्तर पर इसका लाभ मिले इसके लिए ईमानदारी से प्रयास किए जाने की आवश्यकता है। बीते 2 सालों से अगर क्षेत्र के स्कूलों में ड्रेस का वितरण नहीं हुआ है तो इसके लिए जिम्मेदारों के खिलाफ कार्रवाई की जानी चाहिए। प्राथमिक शाला टेकरी वाली स्कूल में नगर पालिका के कर्मचारियों को नियमित रूप से शौचालय साफ करने और ग्राउंड से गाजर घास हटाने के लिए कर्मचारी से कहा है। इस परिसर में पूर्व की भांति सुंदर गार्डन हो इसके लिए नगर पालिका द्वारा प्रस्ताव लिया गया है। उसका भी कार्य शीघ्र प्रारंभ किए जाने का प्रयास किए जाएंगे।

नगरीय क्षेत्र के 900 विद्यार्थियों को नहीं मिली ड्रेस: ब्लॉक शिक्षा कार्यालय एवं बीआरसी से मिली जानकारी के अनुसार मुलताई नगर की 7 प्राथमिक शालाके 276 विद्यार्थी, 13 माध्यमिक शाला के 332 विद्यार्थी सीएम राईज, शासकीय कन्या शाला के प्राथमिक शाला के 162 विद्यार्थी एवं माध्यमिक शाला के 130 विद्यार्थियों कोड्रेस नहीं मिल सकी है। पिछले वर्ष की भी ड्रेस अभी तक नहीं मिली है।नया सत्र प्रारंभ हो गया इसकी बात ही अलग है। इसके अलावा ग्रामीण क्षेत्र की 163 शालाओं के 3319 बालिकाओं एवं 3282 छात्रों कुल 6601 विद्यार्थियों को 13202 गणवेश वितरण किया गया है। वितरण की गई ड्रेस पिछले वर्ष की है।

इनका कहना है

मुलताई क्षेत्र के सभी विद्यार्थियों को जून माह में ही 60 प्रतिशत पुस्तकें वितरण की जा चुकी थी 40 प्रतिशत किताबें विभाग ने भेज दी है, इसे संपूर्ण क्षेत्र में वितरण किया जा रहा है।

प्रकाश कुंभारे,
ब्लॉक शिक्षा अधिकारी मुलताई

नगरीय क्षेत्र के स्कूलों में ड्रेस का वितरण नहीं हुआ है। वितरण की प्रक्रिया जिला मुख्यालय से चलती है, विद्यार्थियों को जल्द ड्रेस मिले किसके प्रयास किए जा रहे हैं ।

आशीष चंद्र शर्मा,
बीआरसी मुलताई

नपा के नए सीएमओ ने संभाला पदभार

नगर विकास के लिए सबके साथ मिलकर करेंगे काम: इवनाती

मुलताई, देशबन्धु। नगर पालिका के नए सीएम राजकुमार इवनाती ने सोमवार नपा कार्यालय पहुंचकर सीएमओ का पदभार ग्रहण कर लिया। चार्ज संभालते ही उन्होंने कहा कि उनकी प्राथमिकता पवित्र नगरी में ज्यादा से ज्यादा विकास कार्य करवाने एवं शासन की योजनाओं का जन-जन को लाभ दिलाने की है।उन्होंने कहा कि मुलताई में सीवर लाइन प्रोजेक्ट अधूरा पड़ा हुआ है, प्रयास करके इस प्रोजेक्ट को पूरा करवाना एवं लोगों को समय पर पानी पिलाना भी उनकी प्राथमिकता में शामिल है। सीएमओ ने बताया कि इसके पहले वह गुना, मलाजखंड, पांडुरना, गोटेगांव, पिपला नारायणवार सहित अन्य स्थानों पर अपनी सेवाएं दे चुके हैं। उन्होंने कहा कि आज उन्होंने चार्ज संभाला है,वह जनप्रतिनिधियों सहित आम लोगों के साथ बैठकर मुलताई के विकास की योजना पर काम करेंगे। उन्होंने कहा कि मुलताई तापी की उद्गम स्थल है, पवित्र नगरी के तर्ज पर मुलताई का विकास होना चाहिए। नगर पालिका की ओर से इसमें जो भी योगदान हो सकता है वह उसे पूरा करने का प्रयास करेंगे। उन्होंने कहा कि मुलताई में सीवर लाइन का काम अधूरा पड़ा हुआ है, वार्डों में सड़के खुदी हुई पड़ी है ,लोग कीचड़ से परेशान हो रहे हैं। लोगों को इन समस्याओं से कैसे निजात मिल सकती है, इसको लेकर प्रयास किए जाएंगे उन्होंने कहा कि मध्य प्रदेश सरकार विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाएं भी चला रही है,इनका लाभ प्रत्येक पात्र व्यक्ति को मिले इसके लिए टीम के साथ मिलकर काम करेंगे।

सड़क दुर्घटना: बुलेरो की टक्कर से पैदल जा रहे किसान की मौत

जय स्तंभ चौक पर ओमनी ने बाइक सवार को मारी टक्कर

मुलताई, देशबन्धु। नगर के जय स्तंभ चौक पर रविवार रात एक मारुति ओमनी ने एक बाइक सवार व्यक्ति को टक्कर मार दी, जिससे वह घायल हो गया जबकि छिन्दवाड़ा रोड के ग्राम डहुआ के पास खेत से काम कर पैदल वापस आ रहे व्यक्ति की अज्ञात बुलेरो वाहन की टक्कर से मौत हो गई।

मुलताई छिंदवाड़ा रोड पर स्थित ग्राम डहुआ के पास रविवार रात एक अज्ञात बुलेरो ने खेत से काम कर पैदल अपने घर जा रहे किसान संतोष पुत्र हीरालाल (45) को जोरदार टक्कर मार दी, टक्कर इतनी जोरदार थी कि संतोष दूर जाकर फीका गया और गंभीर चोट आने के कारण उसने मौके पर ही दम तोड़ दिया। टक्कर मारने के बाद वाहन चालक वाहन लेकर फरार हो गया। संतोष के परिजनों को सड़क हादसे की जानकारी लगने के बाद वे मौके पर पहुंचे और हादसे की सूचना पुलिस को दी गई, जिसके बाद डायल हंड्रेड से संतोष को लेकर सरकारी अस्पताल पहुंचे। अस्पताल में डॉक्टरों ने संतोष को मृत घोषित कर दिया । पुलिस ने उक्त मामले में सोमवार को मर्ग कायम कर संतोष के शव का पोस्टमार्टम करवाकर शव परिजनों को सौप दिया।

नगर के जय स्तंभ चौक पर रविवार रात बस स्टैंड की ओर से आ रही एक एमपी 47 बीसी 0592 मारुति ओमनी ने बाइक से मोरखा जा रहे राजू पुत्र फागुराम मोहबे को टक्कर मार दी, जिससे वह बीच सड़क पर गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गया, ओमनी ने बाइक सवार को टक्कर मारने के बाद वहीं से गाड़ी वापस घुमा ली और मौके से भाग खड़ा हुआ। बीच सड़क पर घायल पड़े राजू को राहगीरों ने उठाया और 108 एंबुलेंस की मदद से सरकारी अस्पताल पहुंचाया। जहा डॉक्टरों द्वारा उसका प्राथमिक उपचार किया गया।

जन सहयोग से अंबा माई से छोटा महादेव भोपाली तक दुरुस्त की सड़क

मार्ग कीचड़ में तब्दील हो जाने से श्रद्धालुओं को हो रही थी परेशानी, सोमवार को बड़ी संख्या में दर्शन करने भोपाली पहुंचते है लोग

सारनी, देशबन्धु। अंबा माई से लेकर छोटा महादेव भोपाली तक सड़क खराब होने की वजह से श्रद्धालुओं को खासी परेशानी का सामना करना पड़ता था इसे देखते हुए जन सहयोग से बजरी डालकर सड़क दुरुस्त कराई गई। सावन 2 माह का होने की वजह से छोटा महादेव भोपाली में प्रति सोमवार को श्रद्धालुओं के आने का सिलसिला लगातार बढ़ते जा रहा है। बारिश की वजह से मार्ग कीचड़ में तब्दील हो गया था जिसे देखते हुए छूरी,जाजबोडी,सलैया, पांडरा, गोंडी जांगड़ा के किसानों द्वारा श्रावण मास के पांचवे सोमवार को पहुंचने वाले श्रद्धालुओं की भक्ति और श्रद्धा को देखते हुए लगभग 20 ट्रैक्टर ट्रॉलियों एवं जेसीबी मशीन की मदद से भोपाली ग्राम से लेकर अंबा माई धाम तक बजरी बिछाने का कार्य किया गया है। सोमवार को यहां पर हजारों की संख्या में श्रद्धालु पहुंचकर मां देनवा नदी मैं आस्था की डुबकी लगाकर और परिवार की सुख समृद्धि जीवन प्रकाश के लिए मान्यता अनुसार भगवान शिव एवं मां देनवां के जल में दीपदान किया अधिक मास के चलते इस वर्ष श्रावण मास की अवधि लंबी रही इसलिए पुरुषोत्तम मास की पंचमी का भी विशेष महत्व रहा। इसके पश्चात श्रद्धालुओं एवं कावड़ियों ने भगवान भोलेनाथ का प्रात: 4 बजे से ही अभिषेक का सिलसिला प्रारंभ कर दिया जो कि देर शाम तक चलता रहा है। वही रानीपुर,कुही हीरावाडी, मयावाणी, छुरी के श्रद्धालु भक्तों एवं शिव भक्त सेवा समिति के तत्वधान में विशेष भंडारे का आयोजन प्रात:10 बजे से प्रारंभ कर दिया गया जिसमें साबूदाने की खिचड़ी केले,फलाहारी नमकीन, चावल की खिचड़ी दी गई भंडारे का आयोजन देर शाम तक चलता रहा।

नीट उत्तीर्ण अभ्यर्थियों को मानसरोवर ग्रुप ने वितरित की स्मार्ट वॉच

बैतूल, देशबन्धु। डेंटल एवं आयुर्वेदिक शिक्षा के क्षेत्र में मध्यभारत के अग्रणी शैक्षणिक संस्थान समूह मानसरोवर ग्रुप ऑफ इंस्टिट्यूशंस भोपाल एवं मानसरोवर ग्लोबल विश्वविद्यालय द्वारा बैतूल जिले के 12वी पास छात्र- छात्राओं के बेहतर भविष्य के लिये आगें की पढ़ई हेतु नि:शुल्क मार्गदर्शन प्रदान कर कैरियर काउंसिलिंग की जा रही है। साथ ही जिले के मेधावी छात्रों को विभिन्न माध्यमों से सम्मानित किया जा रहा है। इसी श्रृंखला में नीट उत्तीर्ण अभ्यर्थियों को स्मार्ट वॉच दी जा रही हैं। विगत दिनों बैतूल में चार स्थानों पर मानसरोवर डेंटल कॉलेज, हॉस्पिटल एंड रिसर्च सेंटर द्वारा फ्री डेंटल चेकअप कैंप लगाया गया जिसमें संस्थान की हाई टेक मोबाइल डेंटल वैन में उच्च शिक्षित डॉक्टरों नें लगभग 250 से ज्यादा

मरीजों का नि = शुल्क इलाज किया गया। साथ ही 52 नीट उत्तीर्ण अभ्यर्थियों को स्मार्ट वॉच वितरित की गई। जिले के प्रबुद्ध वर्ग, दंत चिकित्सकों एवं शिक्षा से जुड़े हुये लोगों द्वारा मानसरोवर ग्रुप की इस पहल की सराहना की जा रही है। मानसरोवर ग्रुप के अनुसार विद्यार्थियों की दिशा तय करने और उन्हें ऊंचाइयों पर पहुंचाने में महत्वपूर्ण पालकों की भूमिका होती है। बच्चों को आगे बढ़ने के लिये सही और सकारात्मक प्रोत्साहन देना अति-आवश्यक है। कैरियर काउंसलिंग का विद्यार्थी जीवन में विशेष महत्व है। विद्यार्थी की सोच एक सीमित दायरे तक ही होती है, उसे व्यापक करने और सही मार्गदर्शन देने में मानसरोवर ग्रुप की कैरियर काउंसलिंग लाभदायक सिद्ध होगी। कैरियर काउंसलिंग विद्यार्थियों की सोच से आगे के मौके तलाशने में सहायक सिद्ध होगी।

नगर परिषद अध्यक्ष ने किया मिशन इन्द्रधनुष अभियान का शुभारंभ

चिचोली, देशबन्धु। नगर मुख्यालय पर सोमवार को राष्ट्रीय सघन मिशन इन्द्रधनुष 5.0 अभियान का शुभारंभ नगर परिषद अध्यक्ष वर्षा रितेश मालवीय ने छोटे बच्चों को दवाई पिलाकर किया। इस दौरान नगर के वार्ड पन्द्रह की आगनबाड़ी केन्द्र पर नगर परिषद अध्यक्ष सहित बी एमओ, एएनएम एवं स्वास्थ्य कर्मी-आगनबाड़ी कार्यकर्ता मौजूद रहे।गौरतलब है कि राष्ट्रीय सघन इन्द्रधनुष 5.0 अभियान के तहत सामुदायिक स्वास्थ केंद्र चिचोली के समस्त 0 से 5 वर्ष तक के छूटे हुये बच्चे एवं गर्भवती मातओं को अभियान के तहत टीकाकृत किया जायेगा। अभियान का मुख्य उद्देश्य शत प्रतिशत बच्चों का टीकाकरण तथा वर्ष 2023 तक मीजल्स रूबेला मुक्त प्रदेश बनाना है। टीकाकरण बाल एवं शिशु मृत्यु, बाल विकलांगता, कुपोषण दर, महामारी रोकथाम एवं बीमारी निर्मूलन में सहायक है।

जादू टोने के शक में उतार दिया मौत के घाट, पिता-पुत्र गिरफ्तार

बैतूल, देशबन्धु। पत्नी के लगातार बीमार रहने पर जादू टोने के शक में पिता पुत्र ने एक व्यक्ति को मौत के घाट उतार दिया और शव उठाकर ताप्ती नदी में फेंक दिया। थाना झल्लार पुलिस द्वारा ग्राम गौलागोंदी में हुए अंधे हत्याकांड का खुलासा कर लिया है। इस मामले में पुलिस ने एक आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है, जबकि एक अन्य आरोपी घटना के बाद से फरार है। हत्या जादू टोने के शक में की गई।

झल्लार टी आई अनुराग प्रकाश ने बताया कि 3 अगस्त को लीलाबाई पति सुनील धोतरे जाति लौहार उम्र 60 वर्ष निवासी गीलागोंदी ने अपने पति सुनील धोतरे के बकरी चराने जाने के बाद वापस नहीं आने की रिपोर्ट की थी। इस पर गुम इंसान पंजीबद्ध कर जांच में लिया गया। संदिग्ध रूप से गायब होना पाया जाने से तत्काल झल्लार पुलिस टीम मौके पर पहुंची एवं तलाश की गई। तलाशी के दौरान जंगल की पगडंडी रास्ते पर खून के निशान दिखाई दिए। ताप्ती नदी तक खून के निशान मिलने पर ग्राम गौलागोंदी के जंगल एवं ताप्ती नदी में सघनता से जांच की गई। जिसके बाद शव बरामद कर जांच में पता चला कि संदेही राजेन्द्र पांसे घटना के दिन से ही फरार था। जिसकी तलाश के लिए एक अलग पुलिस टीम बनाकर रवाना की गई। टी आई के मुताबिक 5 अगस्त को करीबन 8 किमी दूर ग्राम कास्या भुरू के कोठीढोह ताप्ती नदी में गुम इंसान सुनील धोतरे का शव मिलने पर मौके पर मृतक के लड़के ईमरत धोतरे के द्वारा रिपोर्ट करने पर मर्ग कायम कर मृतक सुनील धोतरे के शव की पंचनामा कार्यवाही कर पीएम कराया गया। मृतक के परिजनों के कथन के आधार पर संदेही राजेन्द्र पांसे (38) की सतत तलाश की जा रही थी, जो ग्राम गौलागोंदी के अपने खेत में छुपा मिला। उससे पूछताछ करने पर उसने जुर्म स्वीकार कर बताया कि 02 अगस्त को मेरे द्वारा सुनील धोतरे की कुल्हाड़ी से मारकर हत्या कर अपने नाबालिग बेटे के साथ शव को जंगल के रास्ते ले जाकर ताप्ती नदी के बहते पानी में फेंक दिया था। थाना प्रभारी अनुराग प्रकाश ने बताया कि आरोपी को शक था कि मृतक द्वारा जादू टोना किए जाने से उसकी पत्नी बीमार रहती है। इसलिए उसने यह कदम उठाया। आरोपी द्वारा अपराध कबूल किए जाने पर आरोपी के कब्जे से घटना में प्रयुक्त कुल्हाडी जप्त की गई है। धारा 302, 201, 34 भादवि का मामला पंजीबद्ध कर आरोपी राजेन्द्र पिता सितोबा पांसे उम्र 38 वर्ष निवासी गोलागोंदी को गिरफ्तार किया गया है। जिसे न्यायालय पेश किया जाता है। प्रकरण का अन्य एक आरोपी घटना दिनांक से फरार है जिसकी तलाश की जा रही है। अंधे हत्या का त्वरित खुलासा करने पर पुलिस अधीक्षक द्वारा पुलिस टीम को पुरस्कृत करने की घोषणा की गई है।

नायब तहसीलदार ने किया मतदान केंद्रों का भ्रमण

मतदान करने के लिए ग्रामीणों को किया जागरुक

सारनी, देशबन्धु। विद्यार्थियों के बीच पहुंचकर नायब तहसीलदार ने उन्हें मतदान के लिए प्रेरित किया साथ ही चलीत मोबाइल वाहन के जरिए मतदान कैसे किया जाता है इसकी जानकारी दी। साथ ही ग्रामीण क्षेत्रों में मतदान कैसे किया जाता है इसको लेकर फिल्म दिखाकर ग्रामीणों को जागरुक किया गया। विधानसभा चुनाव के मद्देनजर प्रशासन ने तैयारियां शुरू कर दी है। निर्वाचन आयोग एवं जिला निर्वाचन अधिकारी बैतूल के आदेशानुसार दो से 31 अगस्त तक प्रत्येक मतदान केंद्र पर बीएलओ को अपने मतदान केंद्र पर मतदाता सूची का द्वितीय विशेष पुनरीक्षण करना है। नायब तहसीलदार संतोष पथोरिया ने बताया कि 12,13 एवं 19,20 अगस्त को विशेष शिविर आयोजित किए जाएंगे। जिसमें मतदाता सूची का वाचन किया जाना। नवीन मतदाताओं के नाम मतदाता सूची में जोड़ना है जिनकी उम्र 18 वर्ष पूर्ण हो चुकी है, और जिनकी उम्र आगामी एक अक्टूबर,2023 को 18 वर्ष

पूर्ण हो रही उनके भी मतदाता सूची में नाम जोड़ने के लिए प्रारूप-6 भरना होगा। मृत मतदाताओं के नाम काटने के साथ ही मतदाता सूची में पूर्व से दर्ज प्रविष्टियों में अगर कोई त्रुटि सुधार करना है इत्यादि कार्य किये जा रहे हैं,जिससे मतदाता सूची साफ व स्वस्थ हो सके। नायब तहसीलदार पथोरिया ने बताया कि इस कार्य में सेक्टर अधिकारियों की नियुक्ति भी की गई है जिसमें एक सेक्टर अधिकारी को लगभग दस से पंद्रह मतदान केंद्रों पर 03 से 10 अगस्त तक भ्रमण कर बीएलओ द्वारा किए जा कार्यों,मतदान केंद्रों के भवनों का भौतिक सत्यापन कर वहां पर आवश्यक मूलभूत सुविधाओं जैसे भवन की स्थिति,पीने के पानी,बिजली,दो दरवाजे,खिड़की व पर्याप्त रोशनी, रैंप, शौचालय इत्यादि का जायजा लेकर नियत प्रारूप में जानकारी देने के निर्देश दिये गए हैं। साथ ही ऐसे मतदाताओं का भौतिक सत्यापन भी करना है जो एक ही मकान में छह या उससे अधिक मतदाता हैं और मतदाता सूची में 80 वर्ष से अधिक उम्र के मतदाताओं का भी भौतिक सत्यापन करना है।

थोरिया ने अपने भ्रमण के समय हायर सेकंडरी स्कूल के बच्चों को जो आवश्यक अहर्ता रखते हैं को मतदाता सूची में अपना नाम जुड़वाने बीएलओ से मिलकर ऑफ लाइन या राज्य निर्वाचन आयोग द्वारा जारी क्यूआर कोड के माध्यम से ऑन लाइन भी प्रारूप-6 भरकर नाम जुड़वाने प्रेरित किया। इस मौके पर मास्टर ट्रेनर नोडल अधिकारी सुखदेव बेले,प्रचार वाहन वैन मोबाइल प्रभारी सारणी नगर पालिका के सहायक ग्रेड-2 बृजलाल मरकाम एवं दल के सदस्य नरेंद्र सूर्यवंशी,डाटा एंट्री आफरेट सद्दाम हुसैन,सुरक्षाकर्मी ओमप्रकाश नवोदिया एवं संबंधित मतदान केंद्र के बीएलओ व बड़ी संख्या में ग्रामीण जन उपस्थित रहे।

सार समाचार

बच्चे की मृत्यु के प्रकरण में कलेक्टर ने दिए जांच के निर्देश

नर्मदापुरम, देशबन्धु। कलेक्टर नीरज कुमार सिंह ने सोमवार को कलेक्ट्रेट में आयोजित समय-सीमा की बैठक में जिला अस्पताल में विगत दिवस हुई बच्चे की मृत्यु के प्रकरण की विस्तार से समीक्षा की। उन्होंने अपर कलेक्टर नर्मदापुरम को प्रकरण की विस्तृत जांच के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा है कि जांच शीघ्र पूर्ण कर रिपोर्ट दी जाए।

समरसता का संदेश लेकर नर्मदापुरम के सिवनी मालवा पहुंची यात्रा

नर्मदापुरम,देशबन्धु। प्रदेश सरकार संत शिरोमणी श्री रविदास जी महाराज के भव्य मंदिर का निर्माण सागर जिले में लगभग 102 करोड़ रूपए की लागत से करने जा रही है। मंदिर के निर्माण और समरसता का संदेश जन जन तक पहुँचाने के उद्देश्य से राज्य शासन द्वारा निकली जा रही संत शिरोमणि रविदास समरसता यात्रा सोमवार को हरदा होते हुए जिले के सिवनी मालवा पहुंची। शहर की सीमा एवं नगर में प्रवेश के दौरान जगह-जगह विभिन्न मंचों से सभी वर्गो द्वारा समरसता यात्रा का पुष्पवर्षा कर स्वागत किया गया। जगह जहां ढोल बाजे के साथ कलश यात्राएं निकाली गई। विधायक सिवनीमालवा प्रेम शंकर वर्मा तथा अन्य जनप्रतिनिधिगण एवं बड़ी संख्या में नगरवासियों ने समरसता यात्रा का स्वागत कर चरण पादुका का पूजन किया। विधायक ने चरणपादुका को अपने सिर पर रखकर समरसता यात्रा के साथ आगे बढ़े। इस दौरान यात्रा प्रभारी सूरज केरो, सह प्रभारी सावन सोनकर, संत किशनदास महाराज, पंकज जोशी, जिला अध्यक्ष भाजपा माधवदास अग्रवाल, नगर पालिका अध्यक्ष रितेश जैन सहित अन्य अन्य जनप्रतिनिधि, धर्मगुरु एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। सिवनी मालवा प्रवेश के साथ ही नारायण नगर कॉलोनी पर महिलाओं और बच्चों द्वारा यात्रा का स्वागत किया गया। वही अंबेडकरनगर कॉलोनी के सामने जनप्रतिनिधियों एवं वार्ड वासियों के द्वारा यात्रा का स्वागत किया गया। इसके बाद यात्रा आदिवासी छात्रावास पहुंची जहां बच्चों ने पुष्प वर्षा कर यात्रा का स्वागत किया। सीएम राईज स्कूल के शिक्षक एवं छात्रों के द्वारा भी यात्रा का स्वागत किया गया। भीमराव अंबेडकर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के चिकित्सकों एवं स्टाफ द्वारा यात्रा का स्वागत किया गया। सिवनीमालवा में जनसंवाद कार्यक्रम आयोजित हुआ। जनसंवाद कार्यक्रम में विधायक ने संत रविदास जी के चमत्कारी व्यक्तित्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि संत शिरोमणि रविदास महाराज भारतीय समाज के पुनर्जागरण के अग्रदूत रहें हैं। उन्होंने सामाजिक समरसता और सद्भाव का संदेश समाज को दिया है। राज्य शासन द्वारा देश एवं प्रदेश में समरसता का संदेश देने के लिए समरसता यात्रा निकाली जा रही है। समरसता यात्रा के माध्यम से संत शिरोमणि रविदास महाराज जी के मंदिर के निर्माण के लिये गाँव-गाँव व शहर-शहर से पवित्र जल और मिट्टी भी कलशों में एकत्रित की जा रही है। 350 नदियों का जल और प्रदेश के लगभग 55 हजार गांवों की मिट्टी 12 अगस्त को सागर पहुँचेगी। नर्मदापुरम जिले से भी मिट्टी और जल एकत्रित कर मंदिर निर्माण के लिए भेजा जा रहा है।

जबलपुर में बरगी बांध के गेट कम किए, जल की मात्रा घटाई

वर्षा की कमी से तवा बांध के जलस्तर में मामूली बढ़ोतरी

इटारसी, देशबन्धु। तवा बांध का जलस्तर आज शाम को 1161 फीट था। बांध के कैचमेंट एरिया में बारिश नहीं हुई है, पचमढ़ी और बैतूल क्षेत्र में भी बहुत कम बारिश हुई है, ऐसे में बांध का जलस्तर धीरे-धीरे बढ़ रहा है और गेट खुलने की संभावना न के बराबर है। यदि जलस्तर बढ़ता है और बारिश भी अच्छी होने के संकेत होते हैं तो ही गेट खुलने की आशा की जा सकती है।

15 अगस्त तक बांध प्रबंधन को जलस्तर 1160 रखना है, इससे एक फीट अधिक जलस्तर हो गया है, लेकिन बारिश की स्थिति फिलहाल दिखाई नहीं दे रही है। बांध की कुल जलग्रहण क्षमता 1166 है, अत: फिलहाल बारिश की स्थिति को देखते हुए गेट खुलने की उम्मीद नहीं की जा सकती है। कैचमेंट एरिया, बैतूल और पचमढ़ी की बारिश बांध के जलस्तर को प्रभावित करती है, क्योंकि यहां का सारा पानी तवा और देनवा नदी के जरिये बांध के कैचमेंट एरिया में आता है। फिलहाल एचईजी पावर हाउस को 1800 सौ क्यूसेक पानी दिया जा रहा है, पहले 2200 क्यूसेक दिया जा रहा था अब इसमें कमी कर दी है।

नर्मदा का जलस्तर

नर्मदापुरम में सेठानी घाट का जलस्तर आज शाम 951 फीट दर्ज किया गया जो पिछले दिनों से कम है। रविवार को जलस्तर 957 फीट से भी ऊपर चला गया था। बरगी बांध के गेटों की संख्या कम करने और पानी घटना से नर्मदा के जलस्तर में करीब छह फीट तक की कमी आयी है।

तीनों बांध की स्थिति

बरगी बांध के 11 गेट खुले हैं। इनमें पांच गेट 1.50 मीटर, चार गेट 1 मीटर, दो गेट आधा मीटर खुले हैं जिनसे 1826 क्यूसेक पानी डिस्चार्ज किया जा रहा है जबकि पावर हाउस से 208 क्यूसेक पानी सहित कुल 2034 क्यूसेक पानी नर्मदा नदी में छोड़ा जा रहा है। बांध की कुल जलभराव क्षमता 422.76 मीटर है, जबकि वर्तमान में जलस्तर 421.45 मीटर है। बारना बांध की कुल जलभराव क्षमता 348.55 मीटर है और वर्तमान में जलस्तर 346.88 मीटर है।

जिले में वर्षा की स्थिति

नर्मदापुरम जिले में पिछले चौबीस घंटे में कुछ ही स्थानों पर वर्षा दर्ज की गई है। सबसे अधिक 11 मिमी वर्षा पचमढ़ी में दर्ज हुई है। सोहागपुर में 4.8 मिमी, माखननगर 3 मिमी, बनखेड़ी 0.6 मिमी, सिवनी मालवा में 2 और नर्मदापुरम में 2.2 मिमी वर्षा दर्ज की गई है।

मतदाता सूची के विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण में लापरवाही करने वाले बीएलओ पर करें सख्त कार्यवाही : कलेक्टर

नर्मदापुरम, देशबन्धु। कलेक्टर नीरज कुमार सिंह ने सोमवार को कलेक्ट्रेट कार्यालय में आयोजित समय-सीमा की बैठक में विभिन्न योजनाओं एवं कार्यक्रमों की विस्तार से समीक्षा की। मूंग उपार्जन की समीक्षा कर उन्होंने उपार्जन संबंधी अधिकारियों को निर्देश दिए कि व्यवस्थित ढंग से खरीदी संपन्न कराएं। उन्होंने खाद का भी सुचारू रूप से किसानों को वितरण कराने के निर्देश सभी एसडीएम को दिए। बाढ़ आपदा प्रबंधन की समीक्षा कर कलेक्टर ने जल संसाधन विभाग को निर्देश दिए की बरगी, बारना एवं तवा बांध से पानी छोड़ने के दौरान जिले के सांडिया, सेठानी घाट सहित अन्य नर्मदा तट के घाटों पर बढ़ने वाले जलस्तर की बारीकी से मॉनिटरिंग की जाए। ताकि बेहतर ढंग से बाढ़ आपदा प्रबंधन किया जा सके। उन्होंने कहा कि वर्षा के दौरान क्षतिग्रस्त हुए पुल पुलियों और सड़क की मरम्मत की कार्यवाही की जाए। बैठक में कलेक्टर ने विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण कार्यक्रम की तैयारियों की विधानसभा वार विस्तार से समीक्षा की। उन्होंने रजिस्ट्रीकरण अधिकारियों को निर्देश दिए कि मतदाता सूची के पुनरीक्षण में लापरवाही करने वाले बीएलओ के विरुद्ध सख्त कार्यवाही की जाएं। उन्होंने मतदान केंद्रवार जेंडर रेशो और 18 से 19 वर्ष के मतदाताओं की सूची जिनका औसत जिले के औसत से कम हैं उनकी जानकारी भी ली और विशेष कार्यवाही कर ऐसे मतदान केंद्रों पर छूटे हुए मतदाताओं के नाम जोड़े जोड़ने के निर्देश दिए। उन्होंने रजिस्ट्रीकरण अधिकारियों को निर्धारित स्ट्रॉन्ग रूम्स में भी निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार व्यवस्थाएं किए जाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि आगामी विधानसभा निर्वाचन को लेकर अगले दो दिन में सभी सेक्टर ऑफिसर अपने क्षेत्र के सेक्टर पुलिस अधिकारियों के साथ बैठक आयोजित कर ले। बैठक में कलेक्टर ने मुख्यमंत्री लाड़ली बहना योजना में नवीन पात्राधारी महिलाओं के पंजीयन कार्य की जनपद एवं निकायवार विस्तार से समीक्षा की। उन्होंने सभी निकायों में पंजीयन कार्य में प्रगति लाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि 10 अगस्त को लाड़ली बहना योजना की तीसरी किश्त महिलाओं के खाते में अंतरित की जाएगी। सभी ग्रामों और वार्डों में राज्य स्तरीय कार्यक्रम के प्रसारण की व्यवस्था की जाए। उन्होंने आयुष्मान कार्ड वितरण की जनपद एवं निकायवार समीक्षा कर हितग्राहियों को कार्ड वितरण में प्रगति लाने के निर्देश दिए। उन्होंने सभी तहसीलदारों को स्वामित्व योजना के तहत ग्राउंड ट्रूथिंग में भी गति लाने के निर्देश दिए। उन्होंने मछुआ समृद्धि योजना की समीक्षा कर सभी सीएमओ को निर्देशित किया कि निकायों में फिश पार्लर स्थापित करने के लिए टेंडर प्रक्रिया शीघ्र पूरी की जाएं। कलेक्टर ने सीएम हेल्पलाइन और समयसीमा के प्रकरणों की भी विभागवार समीक्षा की। उन्होंने सभी जिला अधिकारियों को शिकायतों का त्वरित निराकरण करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि 50 दिवस से अधिक की शिकायतों का भी प्राथमिकता से निराकरण किया जाएं। भुगतान संबंधी प्रकरणों के निराकरण में विशेष ध्यान दें। बैठक में सीईओ जिला पंचायत एसएस रावत, अपर कलेक्टर देवेंद्र कुमार सिंह सहित सभी विभागों के जिला अधिकारी उपस्थित रहें।

374 बच्चों और 41 गर्भवती महिलाओं का हुआ टीकाकरण

नर्मदापुरम, देशबन्धु। भारत शासन के अति महत्वपूर्ण कार्यक्रम सघन मिशन इंद्रधनुष 5.0 अभियान के प्रथम चरण का शुभारंभ जिला चिकित्सालय परिसर में सीएमएचओ डॉ दिनेश देहलवार एवं सिविल सर्जन डॉ राजेश माहेश्वरी, सीनियर एमपीडब्ल्यू सुनील साहू, इटारसी में नगर पालिका उपाध्यक्ष निर्मल राजपूत, सोहागपुर में आकाश रघुवंशी अध्यक्ष बीएमओ, बनखेड़ी में जिला पंचायत सदस्य भागवती पटेल एवं अन्य सभी विकासखंडों में जनप्रतिनिधियों तथा बीएमओ द्वारा टीकाकरण केन्द्र में लक्षित बच्चों को विटामिन ए की खुराक एवं ओपीवी पिलाकर किया गया। इस अवसर पर 0 से 5 वर्ष आयु वाले बच्चों तथा गर्भवती महिलाओं का टीकाकरण किया गया। मिशन इंद्रधनुष अभियान 5.0 को सफल बनाने में समस्त एएनएम, आशा, आंगनवाड़ी कार्यकर्ता एवं अन्य मैदानी स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं द्वारा कार्य किया जा रहा है। इस अवसर पर मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ दिनेश देहलवार ने बताया कि अभियान का प्रथम चरण आज से प्रारंभ हो चुका है जो 12 अगस्त तक चलेगा। दूसरा चरण 11 से 16 सितंबर तथा तृतीय चरण 9 से 14 अक्टूबर तक संचालित होगा।

एलआईसी एजेंट फेडरेशन के चुनाव में सराठे अध्यक्ष निर्वाचित

इटारसी,देशबन्धु। आज सोमवार को भारतीय जीवन बीमा निगम के अभिकर्ता संगठन लाइफ इंश्योरेंस एजेंट फेडरेशन ऑफ इंडिया लियाफी के चुनाव ईश्वर रेस्टोरेंट में हुए। अध्यक्ष, उपाध्यक्ष, सचिव, कोषाध्यक्ष, सहित अन्य सभी पदों के चुनाव आपसी सहमति से हुए।

मुख्य संरक्षक सुरेश गोयल, एचएस तिवारी, अशोक सक्सेना, कोर कमेटी सदस्य नेपाल चक्रवर्ती, रामविलास गौर, मोहन यादव, भागीरथ चौधरी के समक्ष अध्यक्ष पद के लिए रामअवतार सराठे, कार्यकारी अध्यक्ष नारायण बावरिया, उपाध्यक्ष ओम प्रकाश पटेल, संदीप जैन, कोषाध्यक्ष महेश असवारी, सीएलआईए अध्यक्ष रामविलास गौर, महिला सांस्कृतिक अध्यक्ष श्रीमती सविता वर्मा, श्रीमती वीणा सक्सेना, संध्या गौर, महिला विंग अध्यक्ष सविता शर्मा, सलमा खान, संध्या सराठे, कंचन पांडे निर्वाचित हुए।

पिछली कार्यकारिणी ने नयी टीम को कार्यभारी सौंपा। नई कार्यकारिणी का एलआईसी सदस्यों ने फूल मालाओं से स्वागत किया, पटाखे फोड़ कर बधाइयां दी।

नवागत सीएमओ ने ली शाखा प्रमुखों और कर्मचारियों की बैठक

जनता के काम को दें प्राथमिकता, समय पर दफ्तर आएं

इटारसी, देशबन्धु। नवागत मुख्य नगर पालिका अधिकारी श्रीमती रितु मेहरा ने आज नगर पालिका के सभी विभागों के प्रमुखों और कर्मचारियों की बैठक ली। दोपहर में उन्होंने नपा के सभागार में सभी कर्मचारियों की बैठक लेकर स्पष्ट किया कि जो जहां है, वहीं ईमानदारी से जनता के काम करे और पूरे वक्त आफिस में बैठे।

उन्होंने निर्देश दिये कि शासन की योजनाओं का पूरी गंभीरता से क्रियान्वयन किया जाए, सीएम हेल्प लाइन के प्रकरणों का गंभीरता से निराकरण करें और जनहित के कामों और शासन की योजनाओं का लाभ जनता तक पहुंचाने में हम जिले में कहीं भी पीछे न रहें। उन्होंने अधिकारी-कर्मचारियों को कुर्सी पर ज्यादा से ज्यादा समय रहकर जनता की समस्याएं सुनकर निराकरण करने पर जो दिया।

बैठक में स्वच्छता निरीक्षक आरके तिवारी, सहायक यंत्री मीनाक्षी चौधरी, उपयंत्री आदित्य पांडेय, सोनिका अग्रवाल, कार्यालय अधीक्षक संजय सोहनी, रत्नेश पचौरी, राजेन्द्र शर्मा सहित सभी शाखाओं के प्रमुख और कर्मचारी उपस्थित रहे।

नवागत सीएमओ ने नगर पालिका अध्यक्ष पंकज चौरे से भी मुलाकात की और नगर में चल रहे विकास कार्यों, स्वीकृत कार्यों और योजनाओं के क्रियान्वयन पर चर्चा की। इस दौरान नगर पालिका का तकनीकि अमला भी मौजूद रहा। सीएमओ ने कहा कि जनता के कामों में किसी प्रकार की कमी नहीं आने दी जाएगी।

न्यू पेंशन स्कीम के विरोध में पीले चावल डालकर संसद मार्च के लिए आमंत्रित किया

इटारसी, देशबन्धु। आज युवा जागृति सप्ताह के अंतिम दिन पश्चिम मध्य रेलवे एम्पलाइज यूनियन के पदाधिकारियों ने आईओडब्ल्यू, इंजीनियरिंग और इलेक्ट्रिकल विभाग में जाकर रेल कर्मचारियों को पीले चावल देकर दिल्ली मार्च में शामिल होने का अनुरोध किया।

इस अवसर पर मंडल कार्यकारी अध्यक्ष आरके यादव, मंडल उपाध्यक्ष जावेद खान, युवा महामंत्री प्रीतम तिवारी, युवा मंडल अध्यक्ष तरुण शुक्ला, दीपक कुमार अभिमन्यु सिंह, पंकज गुप्ता, गोलू मैना, आकाश यादव, शरीफ खान, मुबारक अली, जवाहर राजपूत, भूषण कनौजिया, संदीप कुमार, इंजीनियरिंग शाखा के हीरामन, सरताज खान के साथ सभी युवा साथियों ने पदाधिकारियों ने सर्वप्रथम आईओडब्ल्यू इंजीनियरिंग और इलेक्ट्रिकल विभाग इटारसी में मीटिंग ली। सभी युवा कर्मचारियों को पीले चावल देकर 10 अगस्त को संसद घेराव, संसद मार्च राम लीला मैदान में पहुंचने का अनुरोध किया। संगठन सदस्यों ने कामरेड मुकेश गालव, टीके गौतम, फिलिप ओमेन, मनोज रैकवार, मनीष भगत को मजबूत बनाने लाल झंडे को मजबूत बनाने अपने परिवार को ओल्ड पेंशन स्कीम दिलाने, नई पेंशन स्कीम के खिलाफ नारेबाजी की एवं सभा को संबोधित किया। टीआरएस शेड न्यू यार्ड इटारसी में सैकड़ों कार्यकर्ताओं ने सुरेश धूरिया, सज्जन यादव, देवेंद्र कुमार, दीपा मेहरा, विद्या दास, आकाश यादव के नेतृत्व में ऐसी शेड के गेट पर युवा कर्मचारी को पीले चावल बांटे एवं आमंत्रित किया। यह जानकारी यूनियन प्रवक्ता प्रीतम तिवारी द्वारा दी गई।

सावधान! तिलक सिंदूर के पास नागिन खोह में हो चुकी हैं दुर्घटना

इटारसी, देशबन्धु सावन का महीना है और लोग तिलक सिंदूर स्थित गुफा मंदिर में पूजन-दर्शन के लिए जा रहे हैं। ऐसे में समीप ही नागिन खोह नामक स्थान भी है, जहां लोग पिकनिक के लिए जाते हैं। करीब सवा सौ फीट ऊंचाई से गिरता झरना लोगों को लुभाता है, लेकिन यहां जाना खतरनाक हो सकता है। पिछले वर्ष ही दो युवाओं की मौत हो चुकी है, ऐसे में लोगों को सावधान किया जाना चाहिए कि वे ऐसी जगह जाने से बचें। पुलिस को ऐसे इंतजाम करना चाहिए।

खासकर रविवार और सोमवार को तिलक सिंदूर मंदिर में भारी भीड़ पहुंचती है और दर्शन के बाद लोग नागिन खोह जाने का लालच नहीं छोड़ते हैं। सावन सोमवार के 1 दिन पहले से भक्तों आना-जाना चालू हो जाता है। कुछ कावड़ यात्री रविवार से पहुंच जाते हैं। यहां पुलिस का इंतजाम होना चाहिए, तथा ट्रैफिक के लिए भी बल की तैनाती होना चाहिए।

आदिवासी सेवा समिति तिलक सिंदूर के मीडिया प्रभारी विनोद बारीबा ने बताया कि तिलक सिंदूर से डेढ़ किलोमीटर झरना नागिनखोह है। लोग यहां पिकनिक मनाने, नहाने जाते हैं इसमें सवा सौ फीट की ऊंचाई से पानी गिरता है। यहां कई लोग नशे की हालत में भी जाते हैं, बच्चे, महिलाएं भी पहुंचते हैं। ऐसे में दुर्घटना की आशंका बनी रहती है। यहां मोबाइल का नेटवर्क भी नहीं मिलता है बल्कि जंगली जानवरों का खतरा भी बना रहता है। दुकानदारों ने कई बार शेर, तेंदुआ की आवाजें सुनी हैं।

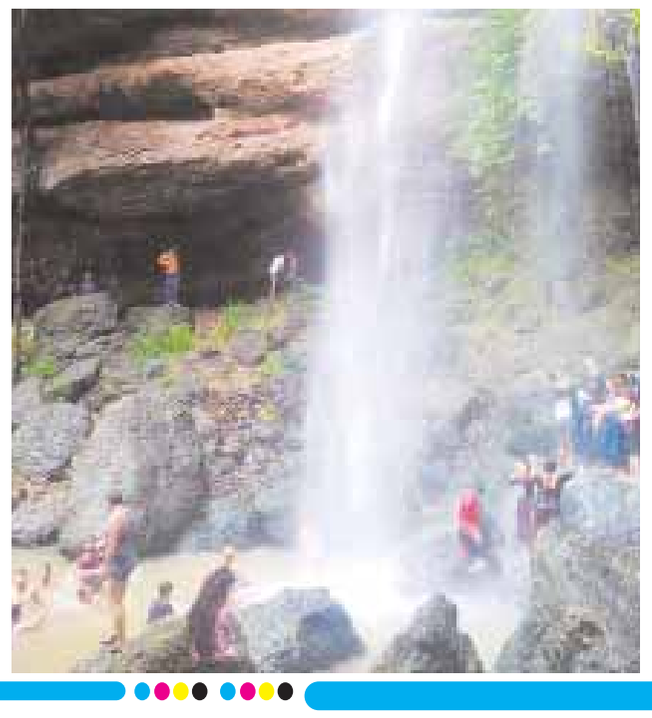

सुदामा और कृष्ण जैसी मित्रता दूसरी नहीं हो सकती

इटारसी,देशबन्धु। द्वापर युग में अवतरित हुए भगवान श्रीकृष्ण और सुदामा की मित्रता जैसी मित्रता आज के समय में कही देखी नही जा सकती। एक मित्र द्वारिका के नाथ और एक मित्र गरीब ब्राह्मण होने के बाबजूद दोनो के बीच अटूट प्रेम और समर्पण रहा है। उनके जैसी मित्रता न कभी किसी की हुई ही और न कभी होगी। उक्त प्रसंग श्री द्वारकाधीश बड़ा मंदिर में पुरुषोत्तम मास के अंतर्गत आयोजित संगीत में श्रीमद्भागवत कथा के विश्राम दिवस कथा व्यास पंडित दीपक मिश्रा ने व्यक्त किए।

द्वारिकाधीश बड़ा मंदिर परिसर में पुरुषोत्तम मास में जारी संगीतमय श्रीमद्भागवत कथा के कथाव्यास पंडित मिश्रा ने विश्राम दिवस पर कृष्ण उद्धव संवाद, यदुवंशियों को श्राप लगने की कथा, सुदामा चरित्र, यदुवंशियों का आपस में संहार, भगवान का स्वभाव गमन, उद्धव जी का बद्रिकाश्रम जाना, कलयुग के दुर्गुणों का वर्णन, सुखदेव जी का परीक्षित को अंतिम उपदेश, तक्षक सर्प के डंसने से परीक्षित की मृत्यु, उनका मोक्ष, जन्मेजय का सर्प यज्ञ कराना, आस्तिक मुनि का उन्हें समझाना, मारकंडे मुनि ने जो माया का प्रलय देखा उस का संक्षिप्त वर्णन की कथा का प्रसंग सुनाया।

उल्लेखनीय है कि अपने पूज्य माता पिता स्वर्गीय दयाराम कुशवाहा एवं स्वर्गीय कलाबाई कुशवाहा की स्मृति में कथा के यजमान धनराज कुशवाह श्रीमती अनुराधा कुशवाह एवं प्रमोद पगारे सहित अमित दरबार ने श्रीमद्भागवत पूजन के साथ व्यास पीठ पर विराजे पंडित दीपक मिश्रा का पुष्पहार से स्वागत किया। वही महाराज श्री का शॉल श्रीफल एवं स्मृति चिन्ह देकर सम्मान और विदाई की। गायन एवं सिंथेसाइजर पर नारायण तिवारी, तबले पर विवेक परसाई, ऑक्टोपेड पर ओम तिवारी ने संगत दी।

श्रीमद्भागवत का प्रसिद्ध मूल पाठ एवं प्रात: काल की पूजा पंडित आकाश शर्मा द्वारा कराई गई । कथा के आयोजन में मंदिर समिति के प्रबंधक दिनेश सैनी का महत्वपूर्ण सहयोग रहा है। वहीं बता दे कि आज मंगलवार से पुरुषोत्तम मास की अंतिम कथा श्रीराम कथा प्रारंभ होगी। जिसका वाचन अंतर्राष्ट्रीय कथा प्रवक्ता जगतगुरु विदेह जी महाराज के श्रीमुख से होगा। जिसका आयोजक एवं यजमान उनके शिष्य मंडल है।

विकास पर्व में मिली नीमच को अनेक सौगात, मुख्यमंत्री ने कहा-

नीमच के किसान पंजाब को पीछे छोड़ेंगे

भोपाल, देशबन्धु। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा है कि नीमच जिले में गांधी सागर बांध और अन्य साधनों से हर किसान के खेत तक पानी पहुँचाएंगे। यहाँ के किसान पंजाब के किसानों को पीछे छोड़ देंगे। पूर्व सरकार ने गांधी सागर बांध से किसानों को पर्याप्त सिंचाई दिलवाने पर ध्यान नहीं दिया जबकि यह असंभव कार्य नहीं था। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि उनके शब्दकोष में असंभव शब्द नहीं है। शीघ्र ही 3500 करोड़ रुपए लागत की नीमच- जावद सिंचाई योजना भी प्रारंभ की जाएगी। मुख्यमंत्री श्री चौहान आज नीमच जिले के मनासा में विकास पर्व के कार्यक्रम में 1208 करोड़ रुपए की रामपुरा मनासा वृहद सूक्ष्म दाबयुक्त सिंचाई परियोजना के भूमि-पूजन सहित विभिन्न निर्माण कार्यों का शिलान्यास और लोकार्पण कर रहे थे। मुख्यमंत्री ने कहा कि नीमच-जावद सिंचाई योजना प्रारंभ की जाएगी। सभी नगर पंचायतों को 3 करोड़ रुपए की राशि प्रदान की जाएगी। प्रथम किश्त के रूप में एक करोड़ रुपए दिए जाएंगे। रामपुरा मनासा में महाविद्यालय भवन का निर्माण होगा। सिंचाई परियोजनाओं से छूटे हुए गाँवों को जोड़ा जाएगा।

10 करोड़ की लागत से बनेगा भादवामाता कॉरीडोर

कार्यक्रम में सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्योग मंत्री श्री ओम प्रकाश सकलेचा, विधायक माधव मारू और दिलीप सिंह परिहार, पूर्व मंत्री कैलाश चावला, स्थानीय जन-प्रतिनिधि और बड़ी संख्या में नागरिक उपस्थित थे। आज विकास पर्व के अंतर्गत नीमच जिले को अनेक सौगात प्राप्त हुई।

मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि एक समय था जब नीमच जिले के लोगों को भोपाल तक आने-जाने में पूरा दिन लग जाता था। सड़कों का पता ही नहीं था। शहरों और गाँवों में बिजली नहीं होती थी। अब सरकार ने इन सब व्यवस्थाओं के साथ ही समाज के सभी वर्गों के कल्याण के लिए कार्य किया है। सरकार की योजनाएँ और कार्यक्रम जनता को परिवार के सदस्य मानकर संचालित किए जा रहे हैं।

आदिवासी स्वाभिमान यात्रा का झाबुआ में हुआ समापन, कमलनाथ बोले-

भाजपा सरकार आदिवासी हितैषी नहीं

भोपाल, देशबन्धु। भाजपा सरकार आदिवासी हितैषी न होकर आदिवासी विरोधी है, आदिवासियों पर लगातार अत्याचार हो रहे हैं सरकार सरकार अत्याचारों पर अंकुश लगाने में नाकाम साबित हो रही है। कमलनाथ ने कहा प्रदेश के प्रत्येक जिले को छिंदवाड़ा मॉडल बनाने का मेरा प्रयास रहेगा क्योंकि 2018 के चुनाव में हमने जो वादे किए थे उसे हम पूर्ण किए जा रहे थे हमारी सरकार आने पर हम पूर्ण करेंगे। यह बात आज प्रदेश कांग्रेस प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ ने झाबुआ में आदिवासी स्वाभिमान यात्रा के समापन अवसर पर जनसभा को सम्बोधित करते हुए कही।

सीधी से शुरू होकर यात्रा प्रदेश के युवक कांग्रेस अध्यक्ष डॉ विक्रांत भूरिया द्वारा निकाली गई थी। पूर्व मंत्री अजय सिंह ने कहा कि सीधी सिवनी के सिमरोल नेमावर नीमच सिंगरौली की घटनाओं से साफ जाहिर होता है की भाजपा सरकार ने प्रदेश को अपराधियों कालाबाजारियों को सौंप दिया गया है। पूर्व सांसद सुरेश पचौरी, पूर्व केंद्रीय मंत्री कांतिलाल भूरिया और प्रदेश युवा कांग्रेस अध्यक्ष डॉ. विक्रांत भूरिया ने भी आमसभा को संबोधित किया। इनके अलावा सभा को युवा कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष बी श्रीनिवास आदिवासी विभाग प्रदेश अध्यक्ष राजू टेकम, महिला विंग आदिवासी अध्यक्ष चंदा सरवटे, पूर्व मंत्री कमलेश्वर पटेल, बाला बच्चन सुरेंद्र सिंह हनी बघेल, ओमकार सिंह मरकाम, श्रीमती शोभा ओझा, विधायक ग्यारसीलाल रावत, विधायक प्रताप सिंह ग्रेवाल, मुकेश पटेल, वीर सिंह भूरिया, बालसिंह मीणा, हर्ष विजय गहलोत, पूर्व विधायक जेवियर मेडा, जिला कांग्रेस प्रभारी पूर्व विधायक हमीद काजी, महेश पटेल, निर्मल मेहता ने भी संबोधित किया। कार्यक्रम का संचालन जिला कांग्रेस अध्यक्ष प्रकाश रांका ने किया और प्रदेश कांग्रेस प्रवक्ता साबिर फिटवेल ने आभार माना।

दक्षिण-पश्चिम विधानसभा के कार्यकर्ता सम्मेलन में भाजपा प्रदेश अध्यक्ष ने कहा-

हर बूथ पर 51 प्रतिशत वोट हासिल कर इतिहास बनाएं

भोपाल, देशबन्धु। प्रदेश में जब से मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान की सरकार आई, प्रदेश को विकसित राज्यों की कतार में पहुंचा दिया। लेकिन वर्ष 2018 में गलती से कांग्रेस की सरकार बन गई थी और उद्योगपति कमलनाथ मुख्यमंत्री बने। लेकिन उस सरकार ने अपना एक भी वादा पूरा नहीं किया और गरीब कल्याण की योजनाओं को बंद कर हर गरीब का हक छीनने का काम किया।

यह बात भाजपा प्रदेश अध्यक्ष व सांसद विष्णुदत्त शर्मा ने सोमवार को भोपाल दक्षिण-पश्चिम विधानसभा के कार्यकर्ता सम्मेलन को संबोधित करते हुए कही। उन्होंने कहा कि आगामी चुनाव तो हम इनके आधार पर जीतेंगे ही, लेकिन हमें हर बूथ पर 51 प्रतिशत वोट हासिल करके इतिहास बनाने का संकल्प लेना है। श्री शर्मा ने कहा कि बूथ कार्यकर्ताओं की ताकत को जब देखते हैं तो मन प्रसन्न हो जाता है। गर्व होता है कि बूथ के यही कार्यकर्ता भाजपा की असली ताकत हैं।

सम्मेलन को पार्टी के प्रदेश संगठन महामंत्री हितानंद शर्मा और जिलाध्यक्ष सुमित पचौरी ने भी संबोधित किया। इस अवसर पर पूर्व मंत्री उमाशंकर गुप्ता, मध्यप्रदेश रोजगार बोर्ड के अध्यक्ष शैलेन्द्र शर्मा, मध्यप्रदेश माझी कला बोर्ड के अध्यक्ष रामदयाल प्रजापति, नगर निगम के सभापति किशन सूर्यवंशी, पार्टी के उपाध्यक्ष अनिल अग्रवाल, शंकर मकोरिया सहित पदाधिकारी, कार्यकर्ता व बूथ अध्यक्ष मौजूद रहे।

कांग्रेस का दोहरा चरित्र उजागर

मीडिया से चर्चा के करते हुए भाजपा प्रदेशाध्यक्ष श्री शर्मा ने कहा कि अब कांग्रेस के नेता ही कांग्रेस के मूल चरित्र के बारे में बातें करने लगे हैं और कांग्रेस के दोहरे तथा दोगले चरित्र के मुद्दे को उठा रहे हैं। उन्होंने कहा कि कथा का आयोजन होने या कराने में कुछ भी गलत नहीं है, कोई भी करा सकता है, लेकिन इसे लेकर कांग्रेस के अंदर जो अंतर्द्वंद चल रहा है, कमलनाथ को उसका जवाब देना चाहिए। आचार्य प्रमोद जो कह रहे हैं, उस पर कमलनाथ को जवाब देना चाहिए। श्री शर्मा ने कहा कि प्रदेश की जनता कांग्रेस और उसके नेताओं के दोहरे चरित्र को पहचान गई है और जनता ने कांग्रेस को जवाब देना भी शुरू कर दिया है।

पुलिसकर्मियों को साप्ताहिक अवकाश देने में भाजपा को लगे 18 साल : कमलनाथ

भोपाल, देशबन्धु। प्रदेश में पुलिसकर्मियों को आज से मिले साप्ताहिक अवकाश को लेकर पूर्व मुख्यमंत्री प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष कमलनाथ ने कहा कि भाजपा सरकार को ये कदम उठाने में 18 साल लग गए।

कमलनाथ ने ट्वीट करते हुए कहा कि इस बात की उन्हें खुशी है कि प्रदेश के पुलिसकर्मियों को फिर से साप्ताहिक अवकाश देने की व्यवस्था शुरू की जा रही है। उन्होंने कहा कि उन्होंने मुख्यमंत्री के रूप में जनवरी 2019 में प्रदेश के पुलिसकर्मियों को यह अधिकार दिया था, लेकिन भाजपा सरकार बनते ही पुलिसकर्मियों से उनका यह अधिकार छीन लिया गया था।

तिरंगा यात्रा और मोटरसाईकिल रैली निकालेगा मोर्चा

भाजयुमो चलाएगा सदस्यता अभियान युवाओं को विचारधारा से जोड़ेंगे : सूर्या

भोपाल, देशबन्धु। भारतीय जनता युवा मोर्चा व्यापक सदस्यता अभियान चलाएगा। करीब 2 माह तक चलने वाले इस अभियान के तहत तिरंगा यात्रा और मोटरसाईकिल रैली निकालकर पार्टी की विचारधारा से युवाओं को जोड़ा जाएगा। यह बात आज भाजयुमो के राष्ट्रीय अध्यक्ष तेजस्वी सूर्या ने पत्रकार वार्ता मं कही। उन्होंने कहा कि 10 से 30 अगस्त तक प्रदेशभर में सदस्यता अभियान चलाकर युवाओं को पार्टी की विचारधारा से जोड़ा जाएगा। कालेज, विश्वविद्यालय, सार्वजनिक स्थलों, धार्मिक स्थलों आदि क्षेत्रों में शिविर लगाए जाएंगे। पूरे प्रदेश में तिरंगा बाइक यात्रा 13 से 15 अगस्त के बीच निकाली जाएगी और हर मंडल में राष्ट्रवादी चिंतन होगा।

सूर्या ने कहा कि प्रत्येक विधानसभा क्षेत्रों में डोर-टू-डोर सम्पर्क कर युवाओं के बीच रिपोर्ट कार्ड व तिरंगा झंडा वितरण किए जाएंगे और उन्हें तिरंगा यात्रा के लिए आमंत्रित किया जाएगा। पंचायत स्तर पर पदयात्रा के माध्यम से युवाओं तक सरकार की योजनाओं को पहुंचाया जाएगा।

सूर्या ने कहा कि सितंबर में उल्लेखनीय कार्य करने वाले युवाओं का राज्य स्तर पर सम्मान समारोह आयोजित किया जाएगा, जिसके अंतर्गत मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान प्रदेश भर में 5 सौ युवा अचीवर्स और राज्य के प्रभावशाली युवाओं को भोपाल में सम्मानित करेंगे और उनकी आकांक्षाएं संग्रहित की जाएंगी। जिला स्तर पर वरिष्ठ पार्टी नेताओं द्वारा सम्मानित किया जाएगा। प्रत्येक संभाग में एक युवा टाउन हाल और प्रदेशभर में 10 युवा टाउन हाल का आयोजन करेंगे।

प्रचंड जीत का लिया संकल्प

भारतीय जनता युवा मोर्चा की प्रदेश स्तरीय मंडल अध्यक्ष कार्यशाला सोमवार को आमेर ग्रीन्स होटल में संपन्न हुई। कार्यशाला में प्रदेश के मंडल अध्यक्ष, जिला अध्यक्ष, जिला महामंत्री, प्रदेश कार्यसमिति सदस्य, प्रदेश पदाधिकारी सम्मिलित हुए। कार्यशाला में पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष व सांसद विष्णुदत्त शर्मा, प्रदेश संगठन महामंत्री हितानंद, युवा मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री तेजस्वी सूर्या, मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष वैभव पंवार और मोर्चा प्रदेश प्रभारी रोहित चहल ने संबोधित किया। कार्यशाला में युवा मोर्चा के आगामी कार्यक्रमों, अभियानों एवं चुनाव की दृष्टि से संगठनात्मक कार्यों को लेकर रणनीति तैयार हुई।

नव मतदाता नारी शक्ति सम्मेलन में बोले सूर्या

आर्थिक सशक्तिकरण से होंगी महिलाएं सशक्त

भोपाल, देशबन्धु। भाजयुमो के राष्ट्रीय अध्यक्ष तेजस्वी सूर्या ने कहा कि महिला सशक्तिकरण महिलाओं के आर्थिक सशक्तिकरण पर निर्भर है। मुद्रा योजना कार्यक्रम के तहत 27 करोड़ से अधिक महिलाओं को 68 प्रतिशत ऋण प्रदान किये गए हैं। इसने देश भर में करोड़ों महिलाओं को उद्यमी बनाकर वित्तीय रूप से स्वतंत्र होने में सक्षम किया है। देश में 3.18 करोड़ सुकन्या समृद्धि योजना खाते खोले गए हैं।
वह कुशाभाऊ ठाकरे सभागार में नवमतदाता नारी शक्ति सम्मेलन को संबोधित कर रहे थे।

उन्होंने कहा कि मोदी सरकार के 9 साल के कार्यकाल में महिलाएं सुदृढ़ रूप से आगे बढ़ी हैं। उन्होंने कहा कि गैस कनेक्शन के लिए उज्ज्वला, महिला शौचालयों के लिए स्वच्छता और घरों में नल के पानी के लिए जल-जीवन जैसी योजनाओं ने न केवल महिलाओं के जीवन को सरल बनाया, बल्कि उन्हें आत्मसम्मान के साथ आत्मविश्वास की भावना भी प्रदान की।

उन्होंने कहा कि लाड़ली लक्ष्मी योजना से समाज में ऐतिहासिक परिवर्तन सामने आए हैं और हाल ही में लागू की गई मुख्यमंत्री लाड़ली बहना योजना से बहनों का न केवल आत्मसम्मान बल्कि आत्मनिर्भरता बढ़ेगी। कार्यक्रम का संचालन युवा मोर्चा की राष्ट्रीय कार्यसमिति सदस्य सुश्री भक्ति शर्मा किया और आभार श्रुति सिंह ने व्यक्त किया।

प्रथम पृष्ठ का शेष

म.प्र. में 1 करोड़.य... गई। इस प्रकार 31.5 प्रतिशत सुधार हुआ है। बड़वानी में 61.60 प्रतिशत से कम होकर 33.52 प्रतिशत रह गई है। इस प्रकार 28.08प्रतिशत का सुधार हुआ है। खंडवा में गरीबी का प्रतिशत 42.53 से कम होकर 15.15 प्रतिशत पर आ गया है। इस प्रकार 27.38 प्रतिशत सुधार हुआ है। बालाघाट में 26.48 प्रतिशत और टीकमगढ़ में 26.33 प्रतिशत सुधार हुआ है। देश में गरीबी में भारी कमी देखी गई है। पाँच सालों में गरीबी से बाहर आने वाले लगभग 135 मिलियन लोग हैं।वैश्विक बहुआयामी गरीबी सूचकांक-2023 में यह बात साफ हो गयी है कि देश में 15 वर्षों के भीतर 415 मिलियन लोग गरीबी से मुक्ति पा चुके हैं। स्पष्ट है कि जीवन स्तर की गुणवत्ता में सुधार हुआ है। वैश्विक बहुआयामी गरीबी सूचकांक में स्वास्थ्य, शिक्षा और जीवन स्तर की गुणवत्ता की कमी का भी आकलन् किया गया है। इसके 12 मापदंड हैं। इसमें अखिल भारतीय राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण के आँकड़ों का भी उपयोग किया गया है। इन आंकड़ों को स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय के समन्वय से अंतर्राष्ट्रीय जनसंख्या विज्ञान संस्थान द्वारा जारी किया जाता है।बहुआयामी ग़रीबी सूचकांक 2023 की रिपोर्ट एनएफएचएस 4 (2015-16) और एनएफएचएस 5 (2019-21)के बीच गरीबी में आए बदलाव को दिखाती है।

सतत विकास के लक्ष्यों में 2030 तक गरीबी को कम से कम आधा करना शामिल है। देश इस लक्ष्य को समय से पहले प्राप्त करने की दिशा में तेजी से बढ़ रहा है। मध्यप्रदेश में जिस तेजी से विकास कार्य हो रहे हैं और गरीबी पैदा करने वाली स्थितियों पर नियंत्रण पाया जा रहा है उससे गरीबी को समाप्त करने का लक्ष्य प्राप्त करने की पूरी संभावनाएँ बन रही हैं। मध्यप्रदेश की ग्रामीण क्षेत्र में गरीबों की आबादी में 20.58प्रतिशत की गिरावट आई है। एनएफएचएस 4 (2015-16) में यह 45.9प्रतिशत थी, जो एनएफएचएस-5 (2019-21)में कम होकर 25.32प्रतिशत तक आ गई है। गरीबी की तीव्रता भी 3.75प्रतिशत (47.57 से 43.82 प्रतिशत) तक कम हो गई है और गरीबी सूचकांक 0.218 घटकर 0.111 लगभग आधा हो गया है। शहरी गरीब आबादी में 6.62ब की गिरावट आई है। एनएफएचएस 4 (2015-16) में यह 13.72 थी जो एनएफएचएस-5 (2019-21)में कम होकर 7.1प्रतिशत तक आ गई है। शहरी गरीबी की तीव्रता 2.11प्रतिशत (44.62प्रतिशत से 42.51प्रतिशत) तक कम हो गई है।

हर क्षेत्र....की गिरावट आई है। स्कूल उपस्थिति में 2.48ब की वृद्धि एवं बाल और वयस्क मृत्यु दर में 1.26ब की गिरावट देखी गई है। अलीराजपुर जिले में गरीबों का अनुपात सबसे अधिक 31.06 प्रतिशत कम हुआ है, जो 71.31 प्रतिशत से 40.25 प्रतिशत हो गया है। बड़वानी में 28.08 प्रतिशत कम हुआ, खंडवा में 27.38 प्रतिशत, बालाघाट में 26.47 प्रतिशत, टीकमगढ़ में 26.33 प्रतिशत की गिरावट दर्ज हुई है ।

राहुल पर लगाए गए आरोपों को लेकर अधीर रंजन व पीठासीन सभापति के बीच तीखी बहस

नई दिल्ली, एजेंसी। सोनिया गांधी और राहुल गांधी की मौजूदगी में लोकसभा में भाजपा सांसद निशिकांत दुबे द्वारा राहुल गांधी पर लगाए गए आरोप के खिलाफ कांग्रेस ने मोर्चा खोल दिया है। दोपहर 2 बजे लोकसभा की कार्यवाही तीसरी बार शुरू होने पर लोकसभा में कांग्रेस के नेता अधीर रंजन चौधरी ने पॉइंट ऑफ आर्डर का मसला उठाते हुए नियम 353 के तहत मुद्दा उठाने की कोशिश की। लेकिन, पीठासीन सभापति किरीट प्रेमजी भाई सोलंकी ने उनकी बात काटते हुए सदन में हंगामे के बीच डिजिटल व्यक्तिगत डाटा संरक्षण विधेयक, 2023 पर चर्चा शुरू करवा दिया। विपक्षी दलों के हंगामे और वेल में लगातार नारेबाजी के बीच सदन ने चर्चा के बाद डिजिटल व्यक्तिगत डाटा संरक्षण विधेयक, 2023 पारित कर दिया। हालांकि, हंगामे के बीच बिल पास करवाने पर गहरी नाराजगी जताते हुए बीजद सांसद भर्तृहरि महताब ने संसद की व्यवस्था से खिलवाड़ करने का आरोप लगाया। बिल के पारित होने के बाद अधीर रंजन चौधरी ने पॉइंट ऑफ आर्डर का मसला उठाते हुए नियम 353 के तहत एक बार फिर यह मुद्दा उठाने की कोशिश की। उन्होंने कहा कि संसदीय परंपरा और नियमों के खिलाफ जाकर उनके नेता राहुल गांधी के खिलाफ बेबुनियाद तथ्यों के आधार पर आरोप लगाए गए हैं। लेकिन, पीठासीन सभापति ने इसे अप्रस्तुत बताते हुए सदन की कार्यवाही को आगे बढ़ा दिया। इसके बाद अधीर रंजन चौधरी और पीठासीन सभापति किरीट प्रेमजी भाई सोलंकी के बीच तीखी बहस हुई। चौधरी रूल बुक लेकर वेल में जाकर पीठासीन सभापति से उन्हें बोलने देने की बात कहते रहे। लेकिन, उन्होंने चौधरी को मौका नहीं दिया। इसके बाद अधीर रंजन चौधरी सहित कांग्रेस सांसदों ने सदन से वॉकआउट कर दिया। एनसीपी, सपा और टीएमसी सहित कई अन्य दलों के सांसद भी कांग्रेस का साथ देते हुए सदन से वॉक आउट कर गए।

आरटीआई में प्रशासन ने गोपनीयता का हवाला दे पल्ला झाड़ा

गंभीर आपराधिक धाराओं के आरोपी साधुओं को मिली है सरकारी सुरक्षा

- अयोध्या नगरी में चार हजार से ज्यादा हैं मंदिर
- मंदिरों को हड़पने का बुना जाता है तानाबाना
- हाल ही में हनुमान मंदिर के महंत पर हुआ था हमला

ओम प्रकाश सिंह

अयोध्या, देशबन्धु। पर्यटन की दृष्टि से वैश्विक बनती धार्मिक रामनगरी का एक स्याह पहलू भी है। बलात्कार, हत्या, मठ मंदिरों पर कब्जा, लूट जैसे गंभीर आरोपों से घिरे तमाम साधु संत भी सरकारी सुरक्षा से लैस हैं। कई महंतो के पास निजी सुरक्षा दस्ता भी है। कितने साधु संतों को सुरक्षा प्राप्त है। कितनों पर आपराधिक मुकदमें दर्ज हैं जैसे साधारण सवालों का जवाब गोपनीयता के चलते प्रशासन ने आरटीआई में नहीं दिया। सूत्रों के अनुसार सफेदपोश व साधुओं को मिलाकर सिर्फ अयोध्या नगरनिगम सीमा में ही लगभग सात दर्जन लोगों को सरकारी सुरक्षा प्राप्त है। अयोध्या चार हजार से ज्यादा मंदिरों से भरी हुई है। सूर्य की किरण फूटने के पहले रामनगरी के आंगन मे देववाणी के स्वर गूंजने लगते हैं। इसी के साथ मठ मंदिरों को हड़पने का तानाबाना भी गुना जाने लगता है। अभी एक सप्ताह पूर्व गुप्तार घाट स्थित पंचमुखी हनुमान मंदिर के महंत पर जानलेवा हमला किया गया था। यह वही स्थान है जहां प्रभु राम ने सरयू में जलसमाधि लिया था। इस हमलें में अयोध्या के कई प्रतिष्ठित संतो के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने के लिए पुलिस को सूचना मिली थी। मर्यादा पुरुषोत्तम राम की नगरी अयोध्या में हर घर मंदिर है या यूं कहें कि हर मंदिर एक घर है।

अयोध्या ऐसा धर्मक्षेत्र है जहां लगभग सभी जातियों के मंदिर हैं। यहां पर भगवान राम सीता, हनुमान सहित अन्य देवी देवताओं के मंदिर मौजूद हैं। तमाम मंदिरों की पहचान वैश्विक हैं। कार्तिक पूर्णिमा, सावन झूला सहित कई बड़े मेले अयोध्या में लगते हैं। मंदिरों के अनुयायी पूरे देश में हैं। इन मंदिरों में चढ़ावा भी खूब आता है। तमाम मंदिरों के पास अकूत संपत्ति भी मौजूद है। मंदिर की संपत्ति पर कब्जेदारी को लेकर अक्सर मंदिर के महंत और उनके शिष्यों में विवाद उत्पन्न हो जाता है 7 विवाद कई बार खौफनाक रूप लेकर खूनी वारदातों में बदल जाता है।

मर्यादित राम की पावन नगरी आस्था और आध्यात्म के चलते पूरी दुनिया में तो जानी ही जाती है साथ ही यहा मंदिरों में महंती और संपत्ति के विवाद को लेकर खून-खराबे का भी लंबा इतिहास रहा है। पांच दशक पूर्व अयोध्या की बेहद प्रसिद्ध छावनी के महंत राम प्रताप दास की हत्या के साथ जो एक सिलसिला शुरु हुआ उसने थमने का नाम नहीं लिया और 90 के दशक के ख़त्म होने तक करीब आधा दर्जन संतों की हत्या का सिलसिला इस पौराणिक नगरी के इतिहास के पन्नो में जुड़ गया। यही नहीं नब्बे दशक का दौर ऐसा भी था कि जब राम जन्मभूमि मंदिर के पुजारी लाल दास की हत्या हुई तो नए पुजारी के लिए गैर आपराधिक साधु ढूंढने में नाकों चने चबाने पड़े थे। 21 जुलाई, 2013 को अयोध्या में दो महंत जमीन के एक छोटे-से टुकड़े को लेकर भिड़ गए थे। भवनाथ दास और हरिशंकर दास नाम के इन दो महंतों ने एक-दूसरे पर समर्थकों के साथ फायरिंग शुरू कर दी थी। इस हिंसा में एक व्यक्ति की जान चली गई और दर्जन भर घायल हो गए थे। इसी दशक में अयोध्या के दबंग महंत के रूप में जाने जाने वाले महंत राम कृपाल दास की गोली मारकर हत्या कर दी गई। इसके बाद बीते दो दशक में भी कई संतों की संदिग्ध परिस्थितियों में हुई मौत ने कई सवाल उठाए। दीवानी मुकदमों से शुरू होकर फौजदारी के मुकदमों में तब्दील होने का प्रवाह अभी बंद नहीं हुआ है।

आर्थिक, राजनीतिक ग्लैमर की चाह

आर्थिक, राजनीतिक ग्लैमर ने रामनगरी के बहुत से साधुओं को ग्रसित कर रखा है। कंठी माला और असलहा कारतूसों का साथ धर्मनगरी में बिखरा पड़ा है। भगवत भजन के ऐसे साधकों पर सरकार भी मेहरबान रहती है। पुलिस के रिकॉर्ड में आपराधिक धाराओं में दर्ज सरकारी सुरक्षा प्राप्त साधु सरकारी कार्यक्रमों में मंचासीन भी होते हैं। सरकारी सुरक्षा के अलावा सैकड़ों संत महात्माओं ने आत्म रक्षार्थ लाइसेंसी असलहे रखे हैं, निजी सुरक्षा गार्ड भी पाले गए हैं। मठ मंदिरों की संपत्ति और उस पर कब्जेदारी को लेकर राम की नगरी अयोध्या कई बार दागदार हुई है। देश में भगवा राजनीति के उदय के बाद यहां के कई साधु राजनीतिक ग्लैमर के मोहपाश में जकड़े हैं। तुलसी की कंठी माला के साथ कारतूसों पर हाथ फेरते जगद् गुरुओं को देखना आम आदमी के लिए कौतूहल ही है।

मैतेई संगठन की प्रधानमंत्री से अपील

आदिवासियों की मांग पर मणिपुर को बांटा न जाए

नई दिल्ली/इंफाल, एजेंसी। आदिवासियों के लिए अलग राज्य की मांग पर दबाव बनाने के लिए नई दिल्ली में केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह के साथ आदिवासी नेताओं की बैठक से एक दिन पहले मैतेई समुदाय की शीर्ष संस्था मणिपुर अखंडता समन्वय समिति ने सोमवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मणिपुर को विभाजित न करने और पेश करने की अपील की। सीओसीओएमआई ने 29 जुलाई को इंफाल में आयोजित सामूहिक रैली में अपनाए गए प्रस्तावों पर प्रकाश डालते हुए प्रधानमंत्री कार्यालय को अपना ज्ञापन सौंपा। सीओसीओएमआई की अन्य मांगों में जातीय संघर्ष को खत्म करना और विदेशी (अवैध प्रवासियों) और चिन-कुकी के नार्को-आतंकवाद का खात्मा शामिल है। पीएमओ में ज्ञापन सौंपने के बाद सीओसीओएमआई समन्वयक जीतेंद्र निंगोम्बा ने एक वीडियो संदेश में दावा किया कि कुकी-जोमी संगठनों के कुछ नेताओं सहित विदेशी तत्व, जिनके साथ सस्पेंशन ऑफ ऑपरेशन समझौते पर हस्ताक्षर किए गए थे, सीधे तौर पर मणिपुर में शामिल हैं। संघर्ष और उन्हें या तो समाप्त कर दिया जाना चाहिए या भारत के क्षेत्र से बाहर धकेल दिया जाना चाहिए।

ज्ञापन में कहा गया है, अवैध अप्रवासियों की पहचान करने के लिए एनआरसी को 1951 को आधार वर्ष मानकर राज्य में लागू किया जाना चाहिए। यह अवैध अप्रवासियों को नागरिक होने से वंचित करने के लिए है, हालांकि यदि जरूरी हो तो वे मनगढ़ंत राजनीति करके विनाशकारी राजनीति में शामिल हुए बिना अतिथि के रूप में रह सकते हैं। इतिहास और मीडिया पर बमबारी करना और कुकी-ज़ोमी राष्ट्र (ज़ालेंगम) के रूप में जाना जाने वाला लक्ष्य हासिल करने के लिए वामपंथी उदारवादियों से समर्थन मांगना, जिसमें तीन देशों के क्षेत्र शामिल हैं।

पत्रकार प्रकाशन प्रा.लि. के लिए गिरिराज चाचा द्वारा श्री सिद्धि विनायक प्रिंटर्स, प्लाट नं. 26 बी देशबन्धु परिसर, प्रेस कॉम्प्लेक्स, जोन-1, एम.पी. नगर, भोपाल म.प्र. 462011 से मुद्रित एवं प्रकाशित, संपादक: **पलाश सुरजन,** कार्यकारी संपादक: **ज़ाकिर अली*** फोन 0755-4222971, ई-मेल deshbandhubpl1@yahoo.co.in प्रेस पंजीयन-प.स. 45096/85 * समाचार चयन के लिए पी.आर.बी. एक्ट के तहत जिम्मेदार।